मूल्य 2 रु.
रांची, गुरुवार । 28 मई 2026 । वर्ष-27, अंक-115, पृष्ठ-12
अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 12, संवत 2083 । रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
www.rastriyanaveenmail.com
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

अल्लाह को प्यारी है कुर्बानी

राज्य मंत्रिपरिषद ने 39 प्रस्तावों को दी मंजूरी, सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स का डीए बढ़ा

राज्य के सभी 24 जिलों में अबुआ दवाखाना खोलेगी सरकार

- राज्य में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजना को मिली मंजूरी
- बीमार दिव्यांग कलाकारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को स्वीकृति

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 39 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। प्रोजेक्ट भवन में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि सरकार झारखंड के सभी 24 जिलों में 'अबुआ दवाखाना' स्थापित करेगी। 'अबुआ दवाखाना' में बहु चिकित्सा प्रणाली के तहत एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा पद्धति से इलाज किया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि करने की भी मंजूरी दी गई। इसके अनुसार, सातवां केंद्रीय वेतनमान पाने वाले कर्मियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत को 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। छठे और पांचवें वेतनमान वाले कर्मियों व पेंशनरों के महंगाई भत्ते में भी वृद्धि की गई है। कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। उन्होंने बताया कि 'अबुआ दवाखाना' योजना के तहत विभिन्न स्वास्थ्य उपकेंद्रों, आयुष्मायन आरोग्य मंदिर और स्वास्थ्य विभाग के अन्य भवनों में बहुचिकित्सा प्रणाली पर आधारित एकीकृत औषधि केंद्र के रूप में 'अबुआ दवाखाना' की स्थापना की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण जनता को एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा प्रणाली की जरूरी दवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

वंदना दादेल ने कहा कि इस योजना के तहत राज्य सरकार समय-समय पर अद्यतन और निर्धारित झारखंड आवश्यक औषधि सूची के अंतर्गत आने वाली एलोपैथी दवाएं और अद्यतन राष्ट्रीय आयुष आवश्यक औषधि सूची के अंतर्गत आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा चिकित्सा पद्धति की दवाएं सभी लाभार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। शुरुआती चरण में राज्य के सभी 24 जिलों के 745 आयुष्मन आरोग्य मंदिर (आयुष) पर एकीकृत औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे। 'अबुआ दवाखाना' को एकीकृत औषधि केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक संरचनात्मक और संचालन प्रणाली तैयार की जाएगी। कैबिनेट की बैठक में राज्य में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नई योजना को भी मंजूरी दी गई। सरकार ने वर्ष 2030-31 तक तीन चरणों में जैविक खेती के क्षेत्र को वर्तमान 35 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 1.5 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

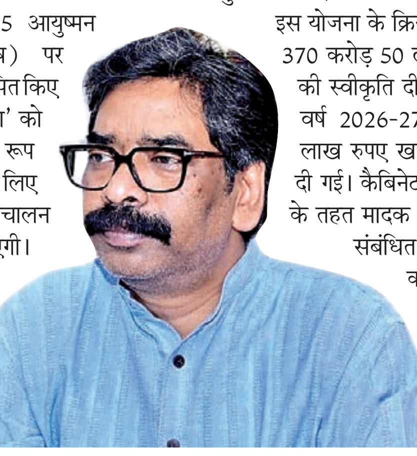

इस योजना के क्रियान्वयन के लिए कुल 370 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च करने की स्वीकृति दी गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में 42 करोड़ 87 लाख रुपए खर्च करने की स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित सूचनाएं देने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए नई पुरस्कार नीति को भी मंजूरी दी।

शेष पेज 11 पर

कैबिनेट के अन्य फैसले

- कैबिनेट ने कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग के प्रस्ताव पर झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखंड के लोकायुक्त पद पर नियुक्त किए जाने के बाद पद स्वीकृति दी।
- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत डेवलपमेंट, मेंटनेंस, होस्टिंग सहित अन्य कार्यों के लिए वित्त नियमावली के नियम को शिथिल करते हुए मनोनयन के आधार पर भारत सरकार के उपक्रम मेसर्स सीएससी ई-गर्वनेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड के चयन की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के वृद्ध और गंभीर रूप से अस्वस्थ या स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों के लिए मासिक निवृत्ति योजना की स्वीकृति दी गई।
- खूंटी जिला के अंचल-कर्रा, मौजा-काटमकुकू और कुलहुटू में 11.635 एकड़ गैरमजरूआ खास एवं आम खाते की भूमि 17.81 करोड 58 हजार रुपए की अदायगी पर दक्षिण-पूर्वी रेलवे को लोधमा पिस्का लिंक रेल लाइन निर्माण परियोजना के लिए भू-हस्तांतरण करने की स्वीकृति दी गई।
- भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए अवधि के लिए रिपोर्ट, झारखंड सरकार, वर्ष 2026 की रिपोर्ट को झारखंड विधानसभा के पटल पर आगामी सत्र में रखने स्वीकृति दी गई।

शेष पेज 11 पर

ग्रामीण विकास विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की हुई समीक्षा

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता : सीएम

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीण विकास विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाकर विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीएम ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास की यात्रा में पंचायतें पहली कड़ी हैं। यह जरूरी है कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाएं।

ग्रामीण आवास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाएं। राज्य के भीतर वैसे पात्र लाभुक जो आवासविहीन हैं या मिट्टी के जीर्ण-शीर्ण घरों में रहते हैं, उन्हें चिह्नित कर ग्रामीण आवास योजना का लाभ पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध तरीके से ग्रामीण आवास योजनाओं को पूर्ण करें। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) राज्य के भीतर महिला स्वयं सहायता समूहों की संख्या में वृद्धि करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सेल्फ-हेल्फ ग्रुप (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। विभाग इन महिलाओं को हर संभव मदद करते हुए योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सिर्फ खेती ही नहीं, बल्कि सोलर पावर उत्पादन के क्षेत्र में भी कार्य कर आत्मनिर्भर बनें। इस दिशा में उन्हें प्रशिक्षण देकर प्रेरित किया जाए।

शेष पेज 11 पर

सीएम ने दिया निर्देश

- ग्रामीण आवास योजनाओं में तेजी लाएं, सखी मंडलों की संख्या बढ़ाई जाए
- एसएचजी से जुड़ी माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के लिए दें व्यापक सहयोग

बिरसा हरित ग्राम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दे रहा मजबूती

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मनरेगा योजना अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाली योजना है। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी कार्य के लिए किसानों को प्रेरित करें। इस योजना का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीणों को मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभार्थियों में महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्तमान समय में राज्य के भीतर करीब डेढ़ लाख एकड़ भूमि में कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना का जिलावार डाटा बेस तैयार करें, ताकि बेहतर विकल्प पर कार्य किया जा सके।

पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा बैठक

पंचायत स्तर पर योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाई जाए : सीएम

- पंचायत भवनों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए
- ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए बेहतर सड़क संपर्क विकसित हो

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को पंचायती राज्य विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा राज्य में संचालित विकास योजनाओं की अद्यतन कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री सोरेन ने ग्रामीण क्षेत्रों की आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, पंचायत स्तरीय सेवाओं एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास की बेहतर कार्य योजना बनाते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। बैठक में पंचायती राज एवं ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी उपस्थित थीं।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पंचायत स्तर पर पारदर्शिता लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचायतों के माध्यम से बाल विवाह की रोकथाम, महिला हिंसा की रोकथाम, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देने एवं इसे लेकर आमजनता को जागरूक करें। उन्होंने विशेषज्ञों की मदद से पंचायत भवनों में भी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कार्य योजना तैयार करने तथा सूखा एवं गीला कचरा को अलग-अलग

शेष पेज 11 पर

देवघर से 5 साइबर अपराधी गिरफ्तार

देवघर। देवघर जिले की पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिले में संदिग्ध साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में पुलिस को यह सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपियों में अयुब अंसारी (26 वर्ष), मुस्तफा अंसारी (40 वर्ष), मो बाबर अंसारी (33 वर्ष), इरफान अंसारी (29 वर्ष) और समीद अंसारी (31 वर्ष) शामिल हैं।पुलिस ने उनके पास से 11 मोबाइल फोन, 24 सिम कार्ड, 1,22,060 रुपए नकद राशि, एक चारपहिया वाहन एवं एक दोपहिया वाहन बरामद किया है।

रांची सहित 20 जिलों में आज बारिश वज्रपात की मौसम विभाग की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची सहित राज्य के 20 जिलों में गुरुवार को बारिश, तेज आंधी और आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। हालांकि,

50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं तेज हवाएं

उत्तर-पश्चिमी झारखंड के चार जिलों - गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा - में गुरुवार को बारिश की संभावना कम जताई गई है। वहीं, झारखंड के 24 जिलों में से 20 जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने और वज्रपात की आशंका व्यक्त की गई है। बुधवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए और मध्यम गति से हवा चलने लगी। इससे लोगों को तेज गर्मी से कुछ राहत महसूस हुई। मौसम विभाग ने कहा है कि 02 जून 2026 तक राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम अस्थिर बना रह सकता है। इस दौरान कई स्थानों पर गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है।

शेष पेज 11 पर

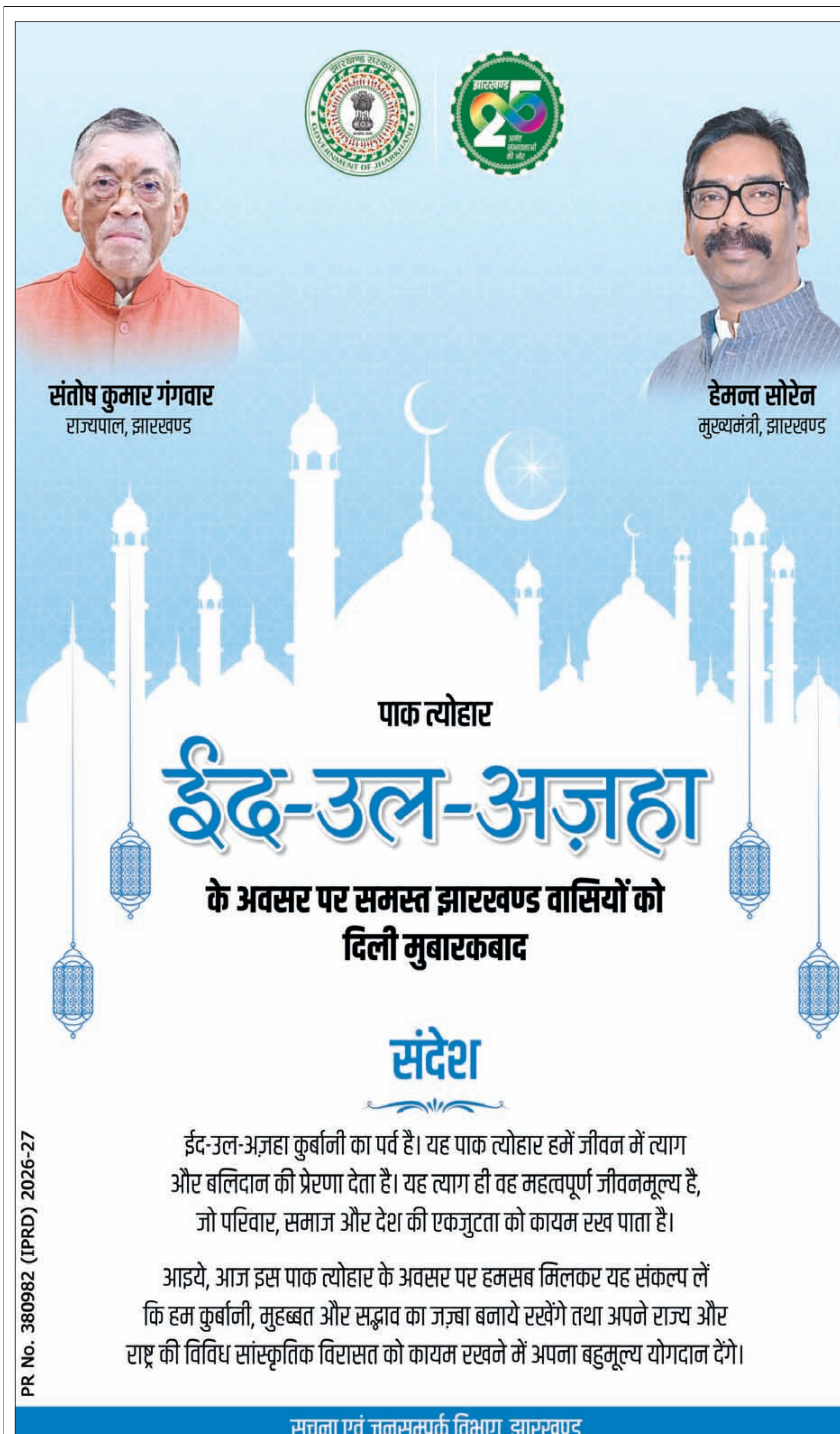

हजारीबाग में महुआ शराब की गैस से एक ही परिवार के तीन की मौत

सेप्टिक टैंक में अवैध रूप से महुआ शराब बनाई जाती थी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 में मंगलवार की देर रात एक ही परिवार के तीन लोगों की सेप्टिक टैंक में दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में चमेली देवी, उनका बेटा रवि साव और रवि के चाचा मदन साव शामिल हैं। वहीं, रवि के पिता आनंद साव गंभीर रूप से बीमार हो गए हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, सेप्टिक टैंक में अवैध रूप से महुआ शराब बनाई और रखी जाती थी। इस कारण टैंक के अंदर जहरीली गैस बन गई थी। घटना के वक्त चमेली देवी टैंक से महुआ शराब निकालने के लिए नीचे उतरीं, लेकिन अंदर पहुंचते ही जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गईं। जब काफी देर तक चमेली देवी बाहर नहीं निकलीं, तो परिजन चिंतित हो उठे। मां को बचाने के लिए सबसे पहले उनका बेटा रवि साव

शेष पेज 11 पर

'जनगणना में 'कुरमालि थार' नाम से वर्गीकृत होगी कुड़मालि भाषा'

रांची/नई दिल्ली। जनगणना 2026-27 में कुड़मि समुदाय और कुड़मालि भाषा के वर्गीकरण तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में कुड़मालि भाषा को शामिल करने की मांग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन जनगणना विभाग के भाषा प्रभाग में बुधवार को बैठक हुई। इसमें 'आदिवासी कुड़मि समाज दिल्ली' के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों के साथ दो घंटे से अधिक समय तक विस्तृत चर्चा की। अमित महतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में पंकज महतो, मुकेश महतो और दीपक महतो सहित झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम के प्रतिनिधि शामिल थे।

शेष पेज 11 पर

झारखंड मंत्रालय परिसर में स्वर्गीय आत्माराम टेकरीवाल की पुण्य स्मृति में **महनंद राम आत्माराम टेकरीवाल फाउंडेशन** द्वारा प्रदत्त एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों के खिलाफ चलाया विशेष अभियान

'ऑपरेशन प्रहार' के तहत 30 से अधिक अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चलाकर 30 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही 135 से अधिक लंबित वारंटों का भी निष्पादन किया गया है। रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने किया। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात तक सघन छापेमारी कर फरार अपराधियों, वारंटियों और संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी राकेश रंजन ने बुधवार को बताया कि "ऑपरेशन प्रहार" अपराध नियंत्रण, संगठित अपराध पर शिकंजा कसने और लंबित वारंटों के निष्पादन के उद्देश्य से चलाया जा रहा विशेष अभियान है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ एक सुनियोजित रणनीति तैयार की है, जिसके तहत समय-समय पर अभियान को दोबारा सक्रिय कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के दूसरे चरण में पुलिस की विभिन्न टीमों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर कई ऐसे अपराधियों को पकड़ा, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस को लगातार चकमा दे रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कई वारंटी और गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित अपराधी भी शामिल हैं। अभियान में जिले के सभी पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों, अपराध प्रभावित क्षेत्रों और संदिग्ध ठिकानों पर विशेष निगरानी रखते हुए कार्रवाई की। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि रांची पुलिस अपराधियों के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर काम कर रही है और भविष्य में भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

धुर्वा से लापता दोनों बच्चे तुपुदाना के चांद गांव से सकुशल बरामद

रांची। 25 मई को धुर्वा थाना क्षेत्र के पटेल नगर सेक्टर-01, जगन्नाथपुर निवासी चिरंजीव कुमार महतो के दो बच्चे पुत्र युवांश महतो (उम्र 6 वर्ष) एवं पुत्री रौशनी कुमारी (उम्र 10 वर्ष) मां द्वारा धूप में खेलने से मना किए जाने पर नाराज होकर घर से पैदल निकल गए थे। इस संबंध में परिजनों द्वारा जगन्नाथपुर थाना में सूचना दी गई, जिसके आधार पर कांड संख्या 118/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (नगर) एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के संयुक्त निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। इन टीमों में जगन्नाथपुर थाना, धुर्वा थाना, अरगोड़ा थाना, डोरंडा थाना, तुपुदाना ओपी, पुंदाग ओपी, डेलीमार्केट एवं लोअर बाजार थाना सहित अन्य इकाइयों के अधिकारी शामिल थे। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण एवं गुप्त सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की। इसी क्रम में 27 मई 2026 को तुपुदाना क्षेत्र के चांद गांव स्थित चर्च से दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया।

बिजली, पानी और सड़क की समस्या पर प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश प्रवक्ता एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता शैलेश कुमार सिन्हा ने राज्य में बिजली कटौती, पानी की किल्लत, पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों तथा जर्जर सड़कों को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रशासनिक अधिकारियों को "भोज घरी कोहरा रोपने की संस्कृति" से बाहर निकलकर गंभीरता से जनसमस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। उनका कहना था कि गर्मी, जल संकट और बढ़ती मांग कोई नई समस्या नहीं है, इसलिए बढ़ती जनसंख्या और खपत के अनुपात में एडवांस प्लानिंग की आवश्यकता है। शैलेश सिन्हा ने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग में एडवांस प्लानिंग विभाग होने के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची के कई वार्डों और मोहल्लों में सड़कों की स्थिति बेहद खराब है और मानसून आने के बाद लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने रांची के उपायुक्त की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले के उपायुक्त देश के श्रेष्ठ प्रशासकों में गिने जाते हैं। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि उपायुक्त सभी विभागों एवं एडवांस प्लानिंग विभाग के साथ बैठक कर जनसमस्याओं के समाधान के लिए ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य विभाग की छवि खराब करने वालों पर की जाएगी कानूनी कार्रवाई : इरफान

नवीन मेल संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-तकनीकी प्रक्रियाओं को घोटाला बताकर जनता को भ्रमित कर रहा विपक्ष

रांची। स्वास्थ्य विभाग में कथित अनियमितताओं को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बुधवार को प्रेस वार्ता में तथ्यात्मक जवाब दिया। उन्होंने विपक्ष पर बिना तथ्यों के जनता को गुमराह करने और राज्य सरकार की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीतिक लाभ के लिए स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विभाग पर निराधार आरोप लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य विभाग जनता की जिंदगी से जुड़ा विभाग है, जहां परिस्थितियों के अनुसार त्वरित निर्णय लेने पड़ते हैं। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि "फर्जीवाड़ा का हेड मास्टर बाबूलाल मरांडी हैं। वे एक सप्ताह के अंदर यह साबित करें कि जिन 251 एंबुलेंसों की बात कर रहे हैं, वे आखिर कहां पड़ी हैं। यदि वे अपने आरोपों का प्रमाण नहीं दे पाए, तो मैं उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराऊंगा। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को निम्न स्तर की राजनीति से बचना चाहिए। मंत्री ने आगे कहा कि "बाबूलाल जी के कई काले कारनामों की जानकारी मेरे पास भी है, लेकिन मैं उनका सम्मान करता हूं इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर नहीं जाता। उन्होंने कहा कि दवाओं की खरीद के बाद उनकी गुणवत्ता की जांच अधिकृत लैब में कराई जाती है। जो दवाएं लैब टेस्ट में फेल हो जाती हैं अथवा जिनके आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाते, उनका वितरण नहीं किया जाता। ऐसी दवाओं के खिलाफ किसी प्रकार का भुगतान भी नहीं किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखना अनिवार्य होता है। कभी-कभी आवश्यकता नहीं होने या तकनीकी कारणों से कुछ दवाओं की समयावधि समाप्त हो जाती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सरकार दवाओं का भंडारण बंद कर दे और जनता को असहाय छोड़ दे। वेयरहाउस में दवाओं के एक्सपायर होने के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकांश दवाएं लैब जांच या ड्रग कंट्रोल द्वारा अस्वीकृत किए जाने के कारण उपयोग में नहीं लाई गईं। उन्होंने बताया कि कुल दवा खरीद की तुलना में एक्सपायर्ड दवाओं की लागत एक प्रतिशत से भी कम है। साथ ही दवाओं के वितरण की पूरी प्रक्रिया सी-डैक के डीवीडीएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संचालित होती है। सीएजी द्वारा आयकर दायित्व पर उठाई गई आपत्ति को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इंडेंटर से प्राप्त राशि पर अर्जित ब्याज निगम की आय नहीं, बल्कि संबंधित इंडेंटर की राशि होती है। इस मामले में आयकर विभाग के समक्ष अपील दायर की जा चुकी है तथा 6 अप्रैल 2026 को सीएजी को आधिकारिक जवाब भी उपलब्ध करा दिया गया है। पीएल खाते की राशि को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि झारखंड ट्रेजरी कोड, 2016 के अनुसार दो वित्तीय वर्षों के बाद राशि सरेंडर करने का प्रावधान है, लेकिन योजनाओं की आवश्यकता को देखते हुए वित्त विभाग से री-वैलिडेशन की प्रक्रिया जारी है। इसका जवाब भी समय पर सीएजी को भेजा जा चुका है।

शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव के नियुक्ति मामले पर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को सिरे से खारिज करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका पुराना अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया गया था। अक्टूबर 2025 में विधिवत विज्ञापन प्रकाशित कर वॉक-इन-इंटरव्यू की पारदर्शी प्रक्रिया के तहत उन्हें फुल टाइम रिटेनरशिप के आधार पर नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति पूरी तरह नियमसम्मत है और इसकी जानकारी भी सीएजी को उपलब्ध कराई जा चुकी है। 104 हेल्पलाइन सेवा को लेकर मंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में गुणवत्ता एवं लागत आधारित पद्धति के तहत पारदर्शी निविदा प्रक्रिया अपनाई गई थी। जांच के दौरान एक कंपनी द्वारा गलत अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के कारण उसके अंक कम किए गए और सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली संस्था मेसर्स बाबा कम्प्यूटर्स का चयन किया गया। 108 एम्बुलेंस सेवा पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में खरीदी गई सभी 206 एंबुलेंस पूरी तरह संचालित हैं। विशेषज्ञ समिति की जांच, एआरएआई प्रमाणन, आरटीओ रजिस्ट्रेशन और बीमा प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही इन्हें सेवा में शामिल किया गया। नियमों के तहत रोड टैक्स में भी छूट प्राप्त की गई थी। कोरोना काल में स्थापित लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट को लेकर मंत्री ने कहा कि तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण प्रारंभिक योजना में संशोधन करते हुए 25 स्थानों पर 10 केएल क्षमता वाले प्लांट स्थापित किए गए।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई इशांक की उपलब्धि

समुद्र की लहरों पर तैरने वाला इशांक राष्ट्र का गौरव : सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। समुद्री तैराकी के क्षेत्र में मात्र 7 वर्ष की आयु में 9 घंटे 50 मिनट में 29 किलोमीटर की ऐतिहासिक तैराकी कर नया कीर्तिमान स्थापित करने वाले रांची के नन्हें तैराक इशांक सिंह ने न केवल झारखंड बल्कि पूरे भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इशांक को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा प्रदान किए गए।

खुला जल तैराकी 2026 प्रमाणपत्र से सम्मानित किया

इस अवसर कर श्री सेठ ने कहा कि यह उपलब्धि अत्यंत गौरवपूर्ण है, क्योंकि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स देश की प्रतिष्ठित संस्था है, जो असाधारण प्रतिभाओं एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्रदान करती है। रांची के इस होनहार बेटे का नाम इस प्रतिष्ठित रिकॉर्ड बुक में दर्ज होना पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि समुद्र की ऊंची लहरों को चीरते हुए इतनी कम उम्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करना इशांक की कठिन मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का परिचायक है। कार्यक्रम के दौरान इशांक ने पत्रकारों से कहा कि उसका लक्ष्य अगले ओलंपिक में सबसे कम उम्र का तैराक बनकर भारत के लिए पदक जीतना है। उसका यह संकल्प खेल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और अद्भुत आत्मविश्वास को दर्शाता है। श्री सेठ ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा दिया गया "खेलिए, खिलिए और खिलखिलाते रहिए" का प्रेरणादायी मंत्र आज देश के बच्चों और युवाओं में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।

राज्य में घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर बनाया जाए : प्रतुल शाहदेव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार से झारखंड के सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम घुसपैठियों के लिए तत्काल डिटेंशन सेंटर स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड घुसपैठियों के लिए "सेफ जोन" बनता जा रहा है। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रतुल शाहदेव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा घुसपैठियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश प्रकाश प्रभात नवेलकर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाना राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह स्पष्ट कर चुकी है कि देश की आंतरिक सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

शाहदेव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी माना है कि घुसपैठ का असर जनजातीय समाज की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचना पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के सीमावर्ती जिले पाकुड़, जामताड़ा, दुमका और साहिबगंज लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या से प्रभावित रहे हैं। अब पश्चिम बंगाल में सख्त कार्रवाई की आशंका के बाद बड़ी संख्या में घुसपैठियों के झारखंड की ओर आने की संभावना बढ़ गई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी अवैध घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर बनाने की बात कही है। ऐसे में झारखंड सरकार को भी इस गंभीर विषय पर तत्काल कदम उठाना चाहिए।

शाहदेव ने आरोप लगाया कि आसपास के अधिकांश सीमावर्ती राज्यों में भाजपा की सरकार होने और वहां कड़ी निगरानी एवं कार्रवाई के कारण झारखंड घुसपैठियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है।

भाजपा घुसपैठ के नाम पर फैला रही भ्रम : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के बयान पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए कि यह आंकड़ा उनके पास आता कहां से है और इसकी विश्वसनीयता कितनी है। प्रथम दृष्ट्या ये आंकड़े फर्जी लगते हैं और सही तो यह केंद्र सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की विफलता है। लेकिन भाजपा नेता राजनीति से प्रेरित, भ्रामक और केंद्र सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने की नाकाम कोशिश करार रहे हैं। कांग्रेस नेता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा के पास जब राज्य के विकास, आदिवासियों के हक-अधिकार, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे मूल मुद्दों पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचता, तो वह घुसपैठ और डिटेंशन सेंटर जैसे नफरती एजेंडे को हवा देने लगती है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा और बीएसएफ सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है। अगर भाजपा मानती है कि देश में अवैध घुसपैठ हो रही है, तो यह सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नाकामी है। भाजपा को पहले अपने गृह मंत्री से इस्तीफा मांगना चाहिए।

दृष्टिपात

चेक बाउंस मामले में जमीन ब्रोकर अशोक नायक को 1 साल की कारावास व जुर्माना

रांची। चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट) मामले न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अमित गुप्ता की अदालत ने जमीन ब्रोकर अशोक नायक को दोषी करार देते हुए 1 साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 9,75,000 का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है, जिसे शिकायतकर्ता चंदन कुमार को बतौर मुआवजा दिया जाएगा। मामला साल 2023 का है। शिकायतकर्ता चंदन कुमार ने सामलोंग क्षेत्र में जमीन खरीदने के लिए आरोपी अशोक नायक को 7,50,000 दिए थे। सौदा तय न होने पर आरोपी ने पैसे वापसी के लिए बैंक ऑफ इंडिया का एक चेक जारी किया, जो खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण बाउंस हो गया। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि आरोपी ने खुद को बेकसूर साबित करने के लिए मिले 9 अवसरों का लाभ नहीं उठाया और न ही कोई सबूत पेश किया। कोर्ट ने 7.5 लाख की मूल राशि पर फरवरी 2023 से मई 2026 तक का 9% सालाना ब्याज जोड़कर कुल 9.75 लाख मुआवजा तय किया है। जुर्माना न भरने पर दोषी को 3 महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। आरोपी वर्तमान में रांची की होटवार जेल में बंद है।

जंबोजेट नहीं, संतुलित प्रतिनिधित्व वाली कमेटी : केशव महतो कमलेश

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने स्पष्ट किया कि नई कमेटी कोई जंबोजेट नहीं है, बल्कि यह संतुलित प्रतिनिधित्व वाली एक ऐसी कमेटी है, जो जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती बनाने, कांग्रेस के नीति-सिद्धांतों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में मिल का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हर लोकसभा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आठ से 10 पदाधिकारियों की एक विशेष संसदीय क्षेत्र कार्यकारिणी टीम तैनात की है। वर्तमान में पूरी कमेटी में 222 पदाधिकारी हैं, जिनमें से 206 लोगों को भौगोलिक और कार्यात्मक तौर पर फील्ड की जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है और वे सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इसमें एक कोषाध्यक्ष, 16 उपाध्यक्ष, 43 महासचिव, 37 पीसीसी को-ऑर्डिनेटर, 81 सचिव, 44 संयुक्त सचिव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत पार्टी ने काम को पूरी तरह विकेंद्रीकृत कर दिया है। प्रत्येक टीम में एक लोकसभा प्रभारी, एक सह-प्रभारी और सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग से प्रभारी व सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। ये टीमें गांवों और शहरी वार्डों में जाकर सीधे जनता से जुड़ेंगी। इसके लिए मासिक रूप से दिन निर्धारित किए गए हैं, जिसमें अनिवार्य क्षेत्रीय भ्रमण और जनसम्पर्क कार्यक्रम शामिल हैं।

पंडित नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनायी गई। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पंडित नेहरू के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू न सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री थे, बल्कि वे आधुनिक भारत के निर्माता थे। उन्होंने ऐसे समय में देश का नेतृत्व किया, जब देश विभाजन की पीड़ा से गुजर रहा था और सामाजिक ताना-बाना बिखर चुका था। आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश को एकजुटता के सूत्र में बांधते हुए विकास का मार्ग प्रशस्त किया। उनके पदचिह्नों पर चलकर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम ऐसे महान व्यक्तित्व की पुण्यतिथि मना रहे हैं, जिन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में विशेषकर सृजन एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया। एचईसी एवं बोकारो स्टील प्लांट जैसी परियोजनाएं उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में सतीश पॉल मुंजनी, गुंजन सिंह, राकेश सिन्हा, आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, राजीव रंजन प्रसाद, सूर्यकांत शुक्ला, सुनीत शर्मा, राजन वर्मा, मनोज सहाय पिंकू, अख्तर अली, गजेंद्र सिंह, राकेश किरण महतो, नेली नाथन, अजय सिंह, जितेंद्र त्रिवेदी, पिंकी सिंह, अंजनी रंजन, फिरोज रिजवी, तेज प्रकाश पांडेय, जगदीश साहु, नरेंद्र लाल गोपी, उमेश चौधरी एवं रामानंद केशरी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

झारखंड में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता : तेल कंपनियां

रांची। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने झारखंड के उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि राज्य में पेट्रोल, डीज़ल एवं एलपीजी की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य और निर्बाध बनी हुई है। सभी पेट्रोल पंपों तथा एलपीजी वितरक केंद्रों पर ईंधन की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है। कंपनियों ने बताया कि ईंधन आपूर्ति तंत्र, जिसमें टर्मिनल, बॉटलिंग प्लांट, डिपो, रिटेल आउटलेट एवं एलपीजी वितरक शामिल हैं, सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं और कहीं भी किसी प्रकार का व्यवधान नहीं है। रीयल-टाइम सप्लाई चेन सिस्टम के माध्यम से पूरे नेटवर्क की लगातार निगरानी की जा रही है। तेल कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण किसी भी क्षेत्र में मांग बढ़ने की स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया जा रहा है। अंतिम छोर तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त टैंक ट्रक एवं बल्क एलपीजी वाहनों की भी तैनाती की गई है। कंपनियों ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद ईंधन की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अनावश्यक भंडारण या पैनिक बायिंग से बचें और ईंधन संबंधी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्त्रोतों पर ही भरोसा करें। यह जानकारी झारखंड तेल उद्योग के राज्य स्तरीय समन्वयक डॉ प्रदीप पॉल द्वारा जारी की गई।

उठते सवाल

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चान्हो में घटनास्थल का दौरा कर ली मामले की जानकारी

दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होना दुखद : नीलकंठ सिंह मुंडा

- **प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को जल्द सुपुर्द होगी विस्तृत जांच रिपोर्ट**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा गठित सात सदस्यों की टीम ने चान्हो स्थित घटनास्थल का दौरा कर वर्ग विशेष द्वारा एक हिंदू परिवार के साथ घर में घुसकर हुए मारपीट मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा के नेतृत्व में गठित यह टीम रांची के चान्हो थाना क्षेत्र अंतर्गत कदमटोली गांव पहुंची और पीड़ित परिवार से मिलकर उनके साथ वर्ग विशेष के द्वारा की गई ज्यादती के संबंध में पूरी जानकारी हासिल की। घटनास्थल का दौरा करने वाली यह टीम मामले की तमाम पहलुओं से प्राप्त जानकारी से एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जल्द ही उसे प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को सुपुर्द करेगी। इस संबंध में प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाना दुखद और शर्मनाक है। हत्या के प्रयास का मामला होने के बावजूद उस धारा में मुकदमा दर्ज नहीं किया जाना, पुलिस प्रशासन की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल है। पुलिस प्रशासन सरकार के इशारे पर वर्ग विशेष से जुड़े दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। यह सरकार तुष्टिकरण की राजनीति से प्रेरित होकर कार्य कर रही है। जब से राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनी है एक वर्ग विशेष का मनोबल बढ़ा हुआ है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में इस प्रकार की घटनाएं लगातार घटती रही है। सरकार और प्रशासन को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। परंतु सरकार और प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों में वर्ग विशेष के पक्ष में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कार्यवाई करना सबसे दुखद है। श्री मुंडा ने कहा कि अब तक इंज्यूरी रिपोर्ट नहीं मिलने की बात कहकर पुलिस मामले में टाल मटोल का रवैया अपना रही है। पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। सभी दोषियों को पुलिस तुरंत गिरफ्तार करे और इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, यह प्रशासन सुनिश्चित करे। दोषियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर पार्टी आंदोलन को बाध्य होगी। जहां कहीं भी इस प्रकार की घटना होगी, वहाँ पीड़ित परिवार के साथ बीजेपी खड़ी मिलेगी।

इस दौरान नीलकंठ सिंह मुंडा के साथ पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, पूर्व विधायक जीतू चरण राम, युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय जयसवाल, रांची पश्चिमी जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह और पूर्व प्रत्याशी सन्नी टोप्पो भी मौजूद थे।

क्षेत्र में हिंदू परिवार का केवल एक घर

श्री मुंडा ने कहा कि इस क्षेत्र में पीड़ित परिवार का सिंगल घर है। सिंगल घर होने के कारण वर्ग विशेष के लोगों के द्वारा उनके घर में घुसकर मारपीट किया गया। उक्त घटना में महिला एवं बच्चे को गंभीर चोटें आई हैं। पूरा परिवार दहशत में है। आरोपियों द्वारा लगातार धमकी भी पीड़ित परिवार को दी जा रही है। इस परिवार पर कुछ माह पूर्व भी पथराव किया गया था। पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपियों द्वारा उन्हें गो मांस खिलाने की भी धमकी दी गई।

'रूबरू' कार्यक्रम में आत्मिक शांति व जीवन परिवर्तन पर हुआ आध्यात्मिक संवाद

आंतरिक शांति ही जीवन का आधार है : डॉ मोनिका

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वर्णभूमि हॉल में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम 'रूबरू' का वातावरण आज केवल एक सभागार नहीं रहा, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन गया, जहां शब्दों से अधिक मौन ने और विचारों से अधिक भीतर की अनुभूति ने लोगों को प्रभावित किया। आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ के बीच यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए स्वयं से मिलने की एक गहरी और शांत यात्रा साबित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन हरि ओम स्माइल्स की संस्थापिका डॉ मोनिका सिंघल (गुरु मां) के सान्निध्य में हुआ, जिसमें मारवाड़ी युवा मंच, रांची का भी सहयोग रहा। गुरु मां के आगमन पर पूरे सभागार में लोगों ने खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया और "आपका सभी का शुकराना" का भावपूर्ण वातावरण देखने को मिला। डॉ. मोनिका सिंघल ने कहा कि "यह जीवन संवर रहा है, कुछ- कुछ बदल रहा है" और हमारी संस्कृति विज्ञान से भरी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि "चिंता चिता के समान है" और जीवन में आंतरिक शांति ही सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने सरल और सहज शैली में बताया कि वास्तविक शांति किसी बाहरी उपलब्धि या पहचान में नहीं, बल्कि भीतर की सजगता, स्वीकार और मौन में निहित है। तीन घंटे से अधिक चले इस आत्मिक संवाद में प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि कैसे भय धीरे-धीरे समझ में बदलता है, तनाव हल्केपन में परिवर्तित होता है और अकेलापन भी समाप्त होने लगता है। कार्यक्रम में जीवन की मानसिक उलझनों को विज्ञान और आध्यात्मिकता के संतुलित दृष्टिकोण से समझाया गया, जिससे उपस्थित जनमानस को एक नया आंतरिक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। गुरु मां ने कहा कि आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के बावजूद भीतर खाली महसूस करता है, क्योंकि उसने स्वयं को सुनना और समझना छोड़ दिया है। युवा पीढ़ी लगातार तुलना और भविष्य के दबाव में जी रही है, जबकि कॉर्पोरेट जीवन में व्यक्ति लक्ष्य की दौड़ में स्वयं से दूर होता जा रहा है।

जागरुकता से ही मिलती है सच्ची शांति : गुरु मां

उन्होंने स्पष्ट किया कि तनाव बाहरी घटना नहीं बल्कि भीतर के असंतुलन की अभिव्यक्ति है। कार्यक्रम के दौरान हवन का आयोजन भी किया गया, जिसमें इसके लाभों पर चर्चा की गई। गुरु माँ ने कहा कि बच्चों को नियमित शांति पाठ कराना चाहिए तथा तालियों के माध्यम से भी सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तंत्रिका तंत्र और हार्मोनल संतुलन को प्रभावित करती है। ध्यान, श्वास जागरुकता, मौन और सजगता जैसी साधनाएँ व्यक्ति को उसके केंद्र से जोड़ती हैं, जिसे आत्म-जागरण कहा गया। गुरु मां ने जीवन परिवर्तन के लिए सब्र, स्क्रिप्ट, शुक्राना, माफी माँगना और माफ करना जैसी साधनाओं को महत्वपूर्ण बताया।

रांची में बकरीद से पहले पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

- शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील

रांची। राजधानी रांची में बकरीद को लेकर पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक से महात्मा गांधी मार्ग पर प्रशासन ने फ्लैग मार्च करते हुए लोगों को शांतिपूर्वक बकरीद बनाने का संदेश दिया। फ्लैग मार्च में लगभग 100 से ज्यादा जवान शामिल हुए।

फ्लैग मार्च में रांची के एसडीएम कुमार रजत, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी भी फ्लैग मार्च में शामिल हुए। मीडिया से बात करते हुए कुमार रजत ने लोगों को संदेश दिया कि शांतिपूर्वक बकरीद त्योहार को मनाए और जनता से यह भी अपील की की अगर किसी भी असामाजिक तत्व पर अगर कोई संदेह हो तो इसकी सूचना पुलिस को दें। किसी भी त्योहार को सफल बनाने में सबसे बड़ा योगदान आम जनता का होता है।

पुलिस ने बकरीद से पहले धार्मिक संगठनों के साथ बैठकर आपसी भाई चारा और सौहार्दपूर्ण बकरीद मनाने को लेकर बैठक की थी। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस को मुस्तैद रहने के लिए बोला गया है।

जनगणना के हाउस लिस्टिंग कार्यों की अपर नगर आयुक्त ने की समीक्षा , कहा

चार्ज ऑफिसर नियमित फील्ड विजिट करें

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जनगणना-2027 के अंतर्गत संचालित हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) एवं मकानों की गणना/सूचीकरण कार्य में आ रही बाधाओं एवं समस्याओं को लेकर आज अपर नगर आयुक्त-सह-नगर जनगणना पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा फील्ड स्तर पर उत्पन्न हो रही समस्याओं एवं चुनौतियों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि 16 मई से प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों, परिवारों एवं अन्य आधारभूत जानकारियों का संग्रहण कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है, जो आगामी 14 जून तक संचालित रहेगा। इसके साथ ही नक्शा तैयार करने का कार्य भी किया जा रहा है।

16 मई से घर-घर सर्वे एवं मकानों की सूचीकरण प्रक्रिया शुरू, **14 जून तक** चलेगा अभियान

बैठक के दौरान प्रगणकों ने जानकारी दी कि कई स्थानों पर नागरिकों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। कुछ घरों में दरवाजे नहीं खोले जा रहे हैं, जबकि कई लोगों में सर्वे को लेकर भ्रम एवं संशय की स्थिति बनी हुई है, जिससे सर्वे कार्य प्रभावित हो रहा है।

अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने सभी चार्ज ऑफिसरों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने एवं कार्यों की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समयसीमा के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक संपन्न होना चाहिए।

उन्होंने सुपरवाइजर एवं प्रगणकों को सर्वे के दौरान अनिवार्य रूप से पहचान पत्र (आईडी कार्ड) धारण करने तथा शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

अपर नगर आयुक्त ने कहा कि जनगणना देश के विकास एवं विभिन्न योजनाओं के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए नागरिकों की सहभागिता एवं सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे जनगणनकर्मियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि जनगणना-2027 का कार्य पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सके। बैठक में सहायक नगर आयुक्त-सह-चार्ज ऑफिसर, सुपरवाइजर, प्रगणक एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

कृषि संबद्ध क्षेत्र अंतर्गत संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए की जायेगी निगरानी : डीसी

- किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने का निर्देश
- बीज वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित रखने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, मत्स्य तथा गव्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी तथा जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में खरीफ मौसम की तैयारी, वर्षापात की स्थिति, प्रखंडवार फसल आच्छादन लक्ष्य, बीज एवं उर्वरक की उपलब्धता, सिंचाई, मृदा संरक्षण, पशुपालन एवं गव्य, मत्स्य संबंधित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इस वर्ष अप्रैल माह में 35.5 मिमी तथा मई माह में अब तक 77.7 मिमी वर्षापात दर्ज किया गया है। मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा वर्षापात की वर्तमान स्थिति को देखते हुए खरीफ फसल की तैयारी समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने वर्ष 2026-27 के लिए धान फसल के प्रखंडवार आच्छादन लक्ष्य की समीक्षा करते हुए सभी प्रखंडों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप खेती सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही तेलहन एवं मोटे अनाज फसलों के आच्छादन लक्ष्य की भी समीक्षा की गयी तथा इनके उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में खरीफ फसल के लिए बीज की आवश्यकता एवं उपलब्धता की समीक्षा करते हुए जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा वितरण प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित हो।

खरीफ मौसम की तैयारी

मृदा परीक्षण में तेजी लाने का निर्देश

उर्वरक उपलब्धता की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जिले में 12 होलसेलर एवं लगभग 150 रिटेलर कार्यरत हैं। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी किसानों को समुचित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने उर्वरक की कालाबाजारी एवं कृत्रिम संकट की आशंका को देखते हुए सतत निगरानी रखने का निर्देश दिये। साथ ही स्टॉक की नियमित मॉनिटरिंग हेतु मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। मृदा संरक्षण एवं मृदा परीक्षण की समीक्षा करते हुए जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने साइल कंजर्वेशन कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने किसानों के लिए अधिक से अधिक साइल टेस्टिंग कराने एवं साइल हेल्थ कार्ड वितरण सुनिश्चित करने को कहा ताकि किसान वैज्ञानिक तरीके से खेती कर सकें। बैठक में किसान कॉल सेंटर में प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गयी।

30 नई उन्नत फसल किस्मों को मिली मंजूरी

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के विभिन्न कृषि शोध संस्थानों द्वारा विकसित 30 नई उन्नत फसल किस्मों को जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। ये किस्में उच्च उत्पादकता, शीघ्र पकने वाली, रोग एवं कीट प्रतिरोधी, तनाव सहनशील तथा जलवायु अनुकूल विशेषताओं से युक्त हैं। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बताया कि राज्य वेरायटी रिलीज कमिटी (एसवीआरसी) ने इन प्रस्तावों को स्वीकृति दी। समिति की बैठक कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीख पी. की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में आयोजित हुई। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। बीएयू के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित जिन 10 किस्मों को मंजूरी मिली है, उनमें बिरसा मक्का हाइब्रिड-1, बिरसा कोंकण फलारू-1, बिरसा सोयाबीन-5, बिरसा सोयाबीन-6, बिरसा अरहर-3, बिरसा ओट-1, बिरसा दीनानाथ-1, बिरसा गेहूं-5, बिरसा गेहूं-6 तथा बिरसा भारत सरसों-1 शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित कई अन्य फसल किस्मों को भी मंजूरी दी गई।

सतर्कता केवल विभाग की नहीं, सामूहिक जिम्मेदारी है : ब्रजेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र में 'रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म, परफॉर्म, इंफॉर्म', विषय पर बुधवार को संगोष्ठी हुई।

कोल इंडिया के सीवीओ ब्रजेश त्रिपाठी ने कहा कि सतर्कता केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपने कार्य-व्यवहार में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सतर्क रहने, भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष करने, सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए शपथ दिलाई।

यज्ञा बाबा आश्रम में भक्ति का संगम, सुंदरकांड पाठ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार एवं गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मोराबादी स्थित श्री श्री 1008 यज्ञा बाबा आश्रम में बुधवार को पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, सामूहिक सुंदरकांड पाठ और पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

पूरे आश्रम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भक्ति संगीत तथा 'जय श्रीराम' और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं के बीच आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर सुंदरकांड सेवा समिति, मोराबादी के तत्वावधान में सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सैकड़ों महिलाओं ने एक स्वर में सुंदरकांड का पाठ कर भगवान हनुमान की आराधना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का नेतृत्व स्मिता शुक्ला ने किया। वहीं, श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद स्वरूप खीर का वितरण मिनी शर्मा द्वारा कराया गया।

शताब्दी एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त एसी चेयरकार कोच जोड़े गए

रांची। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रांची रेल मंडल से परिचालित ट्रेन संख्या 12019/12020 हावड़ा-रांची-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस में कोच संयोजन में स्थायी रूप से वृद्धि की गई है। यह व्यवस्था 28 मई 2026 से लागू होगी। नई व्यवस्था के तहत दोनों दिशाओं की ट्रेनों में वातानुकूलित चेयर कार के दो अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे।

मॉनसून से पहले नगर निगम की तैयारियों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी मॉनसून को देखते हुए रांची नगर निगम द्वारा शहर में नालों और नालियों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को उप महापौर नीरज कुमार ने शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड 12 (गौस नगर), वार्ड 06 (बांधगाड़ी), वार्ड 32 (पंचशील नगर), वार्ड 25 (साकेत बिहार) सहित वार्ड 23 (गुरुनानक स्कूल के समीप) एवं वार्ड 24 (नाला रोड, हिंदपीढ़ी बड़ा नाला निर्माण कार्य) का जायजा लिया।

उप महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मॉनसून से पहले सभी प्रमुख नालियों और जलजमाव वाले क्षेत्रों की सफाई कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने निर्माणाधीन नालों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता शाखा के अधिकारियों को नालियों की उच्चस्तरीय सफाई सुनिश्चित करने, संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाने तथा खुले नालों को स्लैब से ढकने के निर्देश दिए।उप महापौर ने कहा कि नगर निगम शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु विशेष निगरानी रखी जा रही है।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में दिखा भक्ति का अनुपम संगम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा पुरुषोत्तम मास के अश्विनी एकादशी श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं विशेष अनुष्ठान पूजा से हुई। मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई तथा भगवान को प्रसाद अर्पित किया। इस अवसर पर श्री राधा रानी का अलौकिक एवं आकर्षक श्रृंगार नए पोशाक एवं जड़ित आभूषणों से किया गया। मंदिर में सुसज्जित दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने श्रद्धा भाव से आराधना कर सुख- शांति एवं समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन एवं सामूहिक आरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर होकर भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान करते रहे। पुरुषोत्तम मास एवं एकादशी की महिमा का गुणगान करते हुए भक्तों ने आध्यात्मिक ऊर्जा एवं आत्मिक शांति का अनुभव किया। धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच वेजिटेबल खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।

हरमू रोड श्री श्याम मंदिर में पुरुषोत्तमी एकादशी पर हुआ भव्य दर्शन-पूजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में पुरुषोत्तमी एकादशी के अवसर पर प्रातः काल से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 5 बजे मंदिर के पट खुलते ही नियमित दर्शनार्थियों के साथ-साथ एकादशी विशेष दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सुबह 5:30 बजे मंगला आरती संपन्न हुई, जिसके बाद मंदिर में दिव्य वातावरण के बीच बाबा श्री श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया। प्रातः 8:30 बजे श्रृंगार आरती में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने भाग लिया। इस दौरान "हारे के सहारे की जय" और "श्याम प्यारे की जय" के जयकारों से पूरा हरमू रोड क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

श्रद्धालु कतारों में लगकर बाबा श्याम के दर्शन एवं अर्जी लगाते नजर आए। मंदिर समिति के अनुसार दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पट विश्राम हेतु बंद किए गए और शाम 4:30 बजे पुनः दर्शन के लिए खोले गए, जिसके बाद देर शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा।

रात्रि 9:30 बजे मुख्य संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मंडल सदस्य अमित सरावगी ने परिवार सहित अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा, रबड़ी, मगही पान एवं फलों का भोग अर्पित किया। इसके बाद गणेश वंदना से संकीर्तन की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में विभिन्न भक्तों द्वारा गुरु वंदना, हनुमान वंदना, रानी सती दादी वंदना, भोले बाबा व श्याम वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बनाया गया।

पद्मिनी एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पद्मिनी एकादशी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा तथा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

प्रातःकाल श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) धारण कराकर स्वर्ण आभूषणों से भव्य रूप से अलंकृत किया गया। लाल गुलाब, जूही, बेला एवं रजनीगंधा के ताजे एवं सुगंधित फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवं हनुमान जी का भी विशेष श्रृंगार किया गया।

रात्रि 9 बजे श्री श्याम प्रभु के जयकारों के मध्य श्री श्याम नाम की दिव्य ज्योति प्रज्वलित की गई। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं के साथ कतारबद्ध होकर दिव्य ज्योति में आहुति अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं मंगल कामना कर रहे थे। भजन संध्या के दौरान "खूब सज्यो दरबार खाटू वाले को", "हम आज सभी मिलकर तेरी रात जगाएंगे" एवं "हमें तो जो भी दिया श्याम बाबा ने दिया" जैसे भजनों पर भक्तगण भावविभोर होकर श्याम नाम की मस्ती में झूम उठे। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा एवं केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत, गोपी किशन ढांढनियां, चन्द्र प्रकाश बगला, धीरज बंका, बालकिशन परसरामपुरिया, नितेश केजरीवाल, मनोज ढांढनियाँ, अमित जलान, प्रियांश पोद्दार, नितेश लाखोटिया एवं अभिषेक डालमिया का विशेष योगदान रहा। बुधवार को द्वादशी पर संध्या 6:30 बजे श्री श्याम प्रभु को रमेश चन्द्र सारस्वत परिवार की ओर से विशेष भोग अर्पित किया जाएगा।

रांची के श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में हुआ भव्य महानुष्ठान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में बुधवार को अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (पुरुषोत्तम मास) की कमला-पुरुषोत्तमी एकादशी के अवसर पर शास्त्रोक्त विधि से दिव्य मंगलोत्सव एवं महानुष्ठान का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पंचरात्र आगम परंपरा के अनुसार भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) का विशेष पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। अनुष्ठान की शुरुआत न्यासपूर्वक पूजा एवं दिक्बंधन क्रिया से हुई, जिसमें दसों दिक्पालों का आह्वान किया गया।

इसके बाद भगवान श्रीमन्नारायण का आवाहन, आसन, अर्ध्य, पाद्य, मधुपर्क, स्नान, वस्त्र, यज्ञोपवीत, अलंकार एवं विविध उपचारों के साथ तिरु-आराधना की गई। पंचरात्र आगम विधि से भगवान के व्यूहों, प्रमुख अवतारों, आयुधों एवं आभूषणों का पूजन कर तुलसी, पुष्प एवं गंध अर्पित किए गए।

खलारी में औद्योगिक पार्क स्थापित करने की मांग, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री को सौंपा आवेदन

औद्योगिक पार्क बनने से स्थानीय युवाओं का पलायन रुकेगा : शैलेन्द्र शर्मा

- सड़क, रेल और हवाई संपर्क की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है खलारी

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। भाजपा खलारी मंडल के पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद को आवेदन देकर खलारी प्रखंड में औद्योगिक पार्क स्थापित कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देशभर में 100 औद्योगिक पार्क स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य कर रही है और झारखंड का खलारी क्षेत्र इसके लिए पूरी तरह उपयुक्त है। अपने आवेदन में शैलेन्द्र शर्मा ने कहा कि खलारी की पहचान लंबे समय से औद्योगिक क्षेत्र के रूप में रही है। यहां एसीसी सीमेंट फैक्ट्री का गौरवशाली इतिहास रहा है, जबकि कोयलांचल क्षेत्र होने के कारण यहां से देश के विभिन्न राज्यों में उद्योगों और बिजली उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि खलारी प्रखंड में लगभग 15 हजार एकड़ भूमि उपलब्ध है, जिसमें गैरमजरूआ भूमि, जंगल-झाड़ भूमि, बंजर भूमि तथा एंग्लो इंडियन सोसाइटी की भूमि शामिल है।

उन्होंने खलारी में कोयला आधारित उद्योग, रासायनिक उद्योग, फूड प्रोसेसिंग, कपड़ा उद्योग, मेडिसिन उद्योग, आईटी एवं एआई आधारित उद्योग, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, डेयरी उद्योग तथा कृषि एवं मेडिकल उपकरण निर्माण उद्योग स्थापित करने का सुझाव दिया है। पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा का कहना है कि औद्योगिक पार्क बनने से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा तथा क्षेत्र में व्यापार, उद्योग और कृषि को नई गति मिलेगी। आवेदन की प्रतिलिपि केंद्रीय उद्योग मंत्री, केंद्रीय वित्त एवं वाणिज्य मंत्री, केंद्रीय पूर्वोत्तर विकास मंत्री, मुख्यमंत्री झारखंड, उद्योग मंत्री झारखंड, उपायुक्त रांची, प्रखंड विकास पदाधिकारी खलारी तथा स्थानीय विधायक को भी भेजी गई है। उन्होंने बताया कि खलारी सड़क, रेल और हवाई संपर्क की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। राष्ट्रीय एवं राज्यकीय राजमार्ग से यह सीधे राजधानी रांची और आसपास के जिलों से जुड़ा हुआ है। रांची एयरपोर्ट की दूरी लगभग 70 किलोमीटर है। वहीं राय, खलारी और मैकलुस्कीगंज रेलवे स्टेशन पूर्व मध्य रेलवे के सीआईसी सेक्शन से जुड़े हुए हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि खलारी क्षेत्र में एसबीआई, बैंक आफ इंडिया, आईओबी, पीएनबी, केनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ग्रामीण बैंक, पोस्ट आफिस और एलआईसी जैसी वित्तीय संस्थाएं कार्यरत हैं। इसके अलावा केंद्रीय विद्यालय डकरा, डीएवी पब्लिक स्कूल, डान बास्को एकेडमी मैकलुस्कीगंज, उर्सुलाइन कान्वेंट स्कूल सहित कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत सीसीएल सेंट्रल हास्पिटल डकरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खलारी एवं तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। वहीं दामोदर नदी तथा उसकी सहायक नदियों सपही एवं सोनाडुबी नदी के कारण जल संसाधन भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षित और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित श्रमिक भी आसानी से उपलब्ध हैं।

पीएचसी को सीएचसी बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

इटकी। इटकी पीएचसी को सीएचसी में तब्दील करने की मांग को लेकर बुधवार को प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव आरिफ रजा ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान आरिफ रजा ने स्वास्थ्य मंत्री को इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इटकी एक बड़ी आबादी वाला आदिवासी बहुल प्रखंड क्षेत्र है, जहां लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत सब्जी उत्पादन और व्यापार है। ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 1995 में यहां अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की गई थी। बाद में इटकी प्रखंड बनने के बाद वर्ष 2011-12 में इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा दिया गया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को जल्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में उत्क्रमित कर ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की मांग की। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मामले की जांच कर इटकी पीएचसी को सीएचसी में तब्दील करने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि हाल ही में दैनिक हिन्दुस्तान ने इटकी पीएचसी की बदहाल स्थिति और उसे सीएचसी में बदलने की मांग को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

दृष्टिपात

चान्हो में बकरीद को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

चान्हो। बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर चान्हो पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रही है। बुधवार को चान्हो थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा सोंस से लेकर चोरेया तक भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना, आम लोगों में सुरक्षा का भाव पैदा करना और असामाजिक तत्वों पर नजर रखना था। थाना प्रभारी टिंकू रजक के नेतृत्व में निकाले गए इस फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र जवान शामिल हुए। पुलिस का काफिला चान्हो थाना क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों, को चिन्हित संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद कर भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने साफ तौर पर कहा है कि त्योहार के दौरान माहौल बिगाड़ने, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने या किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रांची एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर क्षेत्र में लगातार गश्ती बढ़ा दी गई है और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस प्रशासन ने लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया कि बकरीद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और सभी नागरिक बिना किसी भय के शांतिपूर्वक त्योहार मना सकते हैं।

रांची जिला प्रशासन बकरीद पर सतर्क, पिठोरिया में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

पिठोरिया। आगामी गुरुवार को मनाए जाने वाले बकरीद के त्यौहार को लेकर रांची जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और सजग नजर आ रहा है। क्षेत्र में आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील के साथ जिला प्रशासन के निर्देश पर पिठोरिया पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई है। इसी कड़ी में पुलिस बल द्वारा पिठोरिया चौक से लेकर कोनकी चौक, चंदवे चौक और थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच सुरक्षा का भरोसा जगाना और शांति व्यवस्था को बिगाड़ने वाले तत्वों को कड़ा संदेश देना है। इस महत्वपूर्ण फ्लैग मार्च के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र के आला अधिकारी खुद सड़कों पर उतरे। मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक साक्षी जमुआर, डीएसपी अमर कुमार पांडे और थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे के नेतृत्व में पुलिस बल ने मार्च किया। इसके साथ ही एसआई सत्यदेव कुमार, एसआई सुनील कुमार दास, एसआई संतोष कुमार यादव,एएसआई रमेश कुमार, एएसआई डी बी दुबे सहित भारी संख्या में पुलिस के जवान शामिल रहे। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और त्यौहार को मिलजुलकर व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की है।

कर्णपुरा देवरखंड कल्याण समिति खलारी रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधाएं बढ़ाने की मांग

खलारी। कर्णपुरा देवरखंड कल्याण समिति खलारी ने खलारी रेलवे स्टेशन में यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण की मांग की है। बुधवार को समिति के अध्यक्ष कुणालप्रताप सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम धनबाद के नाम लिखा मांग पत्र खलारी स्टेशन मास्टर को सौंपा। मांग पत्र में कहा गया है कि खलारी रेलवे स्टेशन सरकार को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का राजस्व देता है, लेकिन यहां यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मांग की गई कि स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक-दो का विस्तार व ऊंचा किया जाए। साथ ही यात्री शेड की संख्या बढ़ाने, यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियों की व्यवस्था, पेयजल सुविधा तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था करने की मांग की गई है। समिति ने फुट ओवरब्रिज को चौड़ा करने, अनाउंसमेंट सिस्टम को आधुनिक बनाने तथा डिजिटल समय सारणी बोर्ड लगाने की मांग रखी है, ताकि यात्रियों को एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनों के सही समय की जानकारी मिल सके। समिति ने रेलवे प्रशासन से जल्द आवश्यक कदम उठाकर यात्रियों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। मांगपत्र की प्रति रेल मंत्री व स्थानीय सांसद को भी भेजी गई है। मांगपत्र सौंपने वालों में शैलेशकुमार सिंह, रवीन्द्रनाथ चौधरी, रवीन्द्र पासवान, सुशील मुंडा, जीतेन्द्र सिंह शामिल थे।

एसआईआर में कांग्रेस पार्टी के बीएलए व पंचायत अध्यक्ष अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें : प्रो करमा

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक के सरकारी कार्यालय में बेड़ो प्रखंड कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव की अध्यक्षता में एक दिवसीय एसआईआर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया । बैठक के दौरान सभी पंचायतों के पंचायत अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी के बीएलए और प्रखंड कमेटी के सभी पदाधिकारी गण की मौजूदगी में संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष प्रो. करमा उरांव ने कहा कि अभी झारखंड में एसआईआर मैपिंग का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे व्यक्ति का नाम जो पहले मैपिंग नहीं हो पाया वैसे व्यक्तियों का सरकारी बीएलओ के द्वारा बूथ में लिस्ट चिपका दिया गया है उस लिस्ट में जिन व्यक्तियों का नाम मैपिंग में नहीं हुआ है । वहां जाकर के हमारे कांग्रेस पार्टी के बीएलए से संपर्क करें और सभी कांग्रेस पार्टी के बीएलए एवं पंचायत अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र के बूथ में जाकर मैपिंग के कार्य में ग्रामीणों का मदद करें और यह ध्यान रखें कि किसी सही व्यक्ति का नाम न कटे और किसी गलत व्यक्ति का नाम न जुड़े । कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि प्रत्येक मतदाताओं के हक और अधिकार की रक्षा किया जा सके। इस मौके पर उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सीर हक़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बीएलए एवं पंचायत अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र के बूथ में जाकर सरकार के BLO से मिलकर ग्रामीणों का मैपिंग कराने का काम करें । वहां यह भी सुनिश्चित करें कि किसी बूथ में सरकार के BLO के द्वारा मैपिंग का काम नहीं कर रहा है और वहां काम नहीं हो रही है।

यशोदा हॉस्पिटल्स ने उन्नत कैंसर उपचार व रोबोटिक सर्जरी पर दी जानकारी

रांची । यशोदा हॉस्पिटल्स की सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद इकाई की ओर से रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उन्नत कैंसर उपचार, रोबोटिक ऑन्कोलॉजी सर्जरी एवं समग्र कैंसर देखभाल सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड के लोगों को आधुनिक कैंसर उपचार पद्धतियों, समय पर जांच और जागरूकता के प्रति प्रेरित करना था। मीडिया को संबोधित करते हुए यशोदा हॉस्पिटल्स के डिप्टी जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) उदय भास्कर एनवीएस ने कहा कि यशोदा हॉस्पिटल्स हैदराबाद और सिकंदराबाद के अग्रणी एवं विश्वसनीय मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल समूहों में शामिल है। उन्होंने अस्पताल समूह की अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित उपचार पद्धतियों और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यशोदा हॉस्पिटल्स में आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, एडवांस्ड आईसीयू, अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक, रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम एवं विभिन्न सुपर-स्पेशियलिटी विभाग उपलब्ध हैं, जहां टर्शियरी और क्वाटरनरी हेल्थकेयर सेवाएं प्रदान की जाती हैं। वरिष्ठ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं रोबोटिक सर्जन डॉ सचिन मार्डा ने कैंसर उपचार में रोबोटिक और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से सटीक ऑपरेशन, कम रक्तस्राव, कम दर्द और तेज रिकवरी संभव होती है। डॉ. मार्डा ने बताया कि अस्पताल में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इंटीग्रेटेड ऑन्कोलॉजी मॉडल से मरीजों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार की जाती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पूर्व मरीज ने भी अपने अनुभव साझा किए, जिन्होंने बताया कि छह वर्ष पूर्व ओवेरियन कैंसर की सर्जरी के बाद वे अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य जीवन जी रही हैं। कार्यक्रम का संचालन झारखंड में यशोदा हॉस्पिटल के प्रबंधक सत्यजीत रॉय द्वारा किया गया। अंत में अस्पताल प्रबंधन ने रांची एवं आसपास के क्षेत्रों में विश्वस्तरीय कैंसर उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ठाकुरगांव में मंडा पूजा को लेकर कमेटी गठित

ठाकुरगांव । ठाकुरगांव क्षेत्र में भगवान शिव की आराधना और लोक आस्था का महापर्व मंडा पूजा 1 एवं 2 जून को श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने को लेकर मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मंडा पूजा आयोजन समिति का गठन किया गया तथा विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में सर्वसम्मति से लाल राजीव नाथ शाहदेव को समिति का अध्यक्ष चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष के रूप में गोपाल भगत एवं हीरा साहू को जिम्मेदारी दी गई। सचिव पद पर मुकेश कुशवाहा, कोषाध्यक्ष के रूप में संतोष साहू तथा उपसचिव के रूप में कपिल महतो, दशरथ साहू, मुकेश साहू व अन्य को मनोनीत किया गया। इसके अलावा महामंत्री पद की जिम्मेदारी सुनील नाथ शाहदेव, पुलकित नाथ शाहदेव, पूर्व मुखिया सीताराम पाहन एवं बीगन मुंडा व अन्य को सौंपी गई।

सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई

जंगल में छुपाकर रखा गया 1.160 टन अवैध कोयला जब्त

- पिपरवार क्षेत्र में लगातार चल रहे अभियान से कोयला माफियाओं में दहशत, ड्रोन से रखी जा रही विशेष निगरानी

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र में कोयला चोरी एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध सीआईएसएफ द्वारा लगातार सघन एवं योजनाबद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को सीआईएसएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जंगल क्षेत्र में छुपाकर रखा गया लगभग 1.160 टन अवैध कोयला बरामद किया। लगातार हो रही कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय कोयला तस्करों एवं माफियाओं में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 27 मई 2026 को सी कंपनी, पिपरवार क्षेत्र में तैनात क्राइम शाखा के बल सदस्यों को अहले सुबह लगभग 04:30 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बचरा रेलवे साइडिंग से पटरी पार जंगल क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं द्वारा रात के समय कोयला चोरी कर अलग-अलग स्थानों पर ढेर बनाकर छुपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ बल के जवान तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान जंगल के विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से जमा किए गए कोयले के कई ढेर बरामद किए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बचरा क्यूआरटी टीम को भी मौके पर बुलाया गया तथा घटना की सूचना कंपनी कमांडर निरीक्षक अजीत सोरेन को दी गई। क्त सूचना के आधार पर सहायक समादेष्टा हर्ष लवानिया के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

कार्रवाई के दौरान बरामद अवैध कोयले को बचरा रेलवे साइडिंग स्थित कांटा संख्या-1 पर वजन कराया गया, जिसमें कुल लगभग 1.160 टन कोयला जब्त किया गया। सीसीएल प्रबंधन द्वारा निर्धारित 2267 प्रति टन की दर के अनुसार जब्त कोयले की अनुमानित कीमत 2629.72 आंकी गई। बाद में विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए जब्त कोयले को सीआईएसएफ द्वारा सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया।

लगातार कार्रवाई से टूट रहा तस्करों का मनोबल

विदित हो कि सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार में कमांडेंट अमित कुमार के नेतृत्व में लगातार कोल रेड, एम्बुश एवं विशेष निगरानी अभियान चलाए जा रहे हैं। उनके सख्त निर्देश एवं रणनीतिक कार्रवाई के कारण क्षेत्र में सक्रिय कोयला माफियाओं एवं तस्करों के मनोबल में भारी गिरावट आई है।

खूंटी में प्रेमी जोड़े की हत्या के मामले का खुलासा, मुख्य आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। जिले के सायको थाना क्षेत्र में छऊ नृत्य मेला देखने गए एक प्रेमी जोड़े की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के मुताबिक, आपसी रंजिश और शक के चलते इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। मामले में मुख्य आरोपी सुम्बर सिंह मानकी के अलावा शव छिपाने में मदद करने वाले गोमेया सोय और बुधराम सोय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। खूंटी के एसपी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी, खून से सनी मिट्टी, कपड़े और चप्पल भी बरामद किए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि सुम्बर सिंह मानकी की शादी कुछ समय पहले हुई थी। शादी के बाद वह काम के सिलसिले में दूसरे राज्य चला गया था। जाने से पहले उसने अपने करीबी दोस्त विशु पाहन को अपनी पत्नी की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसी दौरान उसकी पत्नी की दोस्ती किसी अन्य युवक से हो गई। जब सुम्बर वापस लौटा तो उसे इस बात की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, वह अपनी पत्नी से ज्यादा अपने दोस्त विशु पाहन से नाराज था। उसे शक था कि विशु ने भरोसा तोड़ा और उसे इस बारे में जानकारी नहीं दी। इसी बात को लेकर वह बदले की भावना पाल रहा था। पुलिस के मुताबिक, 17 मई की रात सायको में छऊ नृत्य का कार्यक्रम चल रहा था। विशु पाहन अपनी पूर्व प्रेमिका सुमी मुंडू के साथ मेला देखने पहुंचा था।

चोरी के बिजली तार के साथ दो नाबालिग किए गए निरूद्ध

मुरी। आरपीएफ ओ.रपी रामगढ़ ने रेलवे स्टेशन रामगढ़ से रेलवे विद्युत तार चोरी का मामला को उजागर किया।जानकारी के मुताबिक दो किशोरों के द्वारा 25 मई के दिन प्लेटफार्म संख्या दो से लगभग 50 मी रेलवे विद्युत तार चोरी किया गया था ताकि उसमें से तांबा निकाल कर अवैध रूप से बेचकर आर्थिक लाभ अर्जित किया जा सके। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने जांच एवं छापामारी शुरू किया। छापामारी के दौरान रामगढ़ रेलवे चिल्ड्रन पार्क के समीप उक्त दोनों किशोरों को चोरी किए गए रेलवे विद्युत केबल को जलाकर उसमें से तांबा निकालते हुए पकड़ा गया।

पानी की समस्या को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता ने दी आंदोलन की चेतावनी

खलारी। एनके एरिया अंतर्गत करकट्टा कालोनी, बड़कीटांड़, जेहलीटांड़, मुखिया धौड़ा एवं आसपास के क्षेत्रों में गहराते पेयजल संकट को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता रवीन्द्र पासवान ने सीसीएल प्रबंधन तथा जनप्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि केडीएच माइंस के विस्तारीकरण के कारण क्षेत्र के कुओं, चापाकलों एवं जल मीनारों का जलस्तर लगातार नीचे चला गया है, जिससे ग्रामीणों के समक्ष पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। स्थिति यह हो गई है कि लोगों को खाना बनाने, पीने तथा दैनिक उपयोग के लिए पानी खरीदकर काम चलाना पड़ रहा है। रवीन्द्र पासवान ने कहा कि सीसीएल का नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न पेयजल संकट को दूर करने के लिए तत्काल पहल करे। उन्होंने सीसीएल एनके एरिया के महाप्रबंधक, केडीएच परियोजना पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर समस्या के प्रति उदासीन रहने का आरोप लगाया।

सीसीएल मुख्यालय में 29 को होगी उच्च स्तरीय बैठक

संगठित-असंगठित मजदूरों एवं विस्थापितों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन एवं सीसीएल प्रबंधन के बीच 29 मई को उच्च स्तरीय कंपनी स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। यह महत्वपूर्ण बैठक सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस स्थित गंगोत्री भवन के द्वितीय तल पर आहूत की गई है। बैठक में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े संगठित एवं असंगठित मजदूरों, रैयतों तथा विस्थापितों की ज्वलंत समस्याओं एवं लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यूनियन नेताओं ने बताया कि बैठक में सीसीएल प्रबंधन के वरीय पदाधिकारियों के साथ-साथ यूनियन के केंद्रीय प्रतिनिधि, विभिन्न एरिया के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मुख्य रूप से शामिल होंगे। यूनियन की ओर से मजदूर हित, विस्थापितों के अधिकार एवं रोजगार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती के साथ उठाया जाएगा।

आरक्षण, नौकरी और पुनर्वास रहेगा प्रमुख मुद्दा

बैठक में 9.4.0 के तहत आश्रितों को नौकरी देने, एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण प्रमोशन रोस्टर लागू करने तथा चार श्रम कोड पर रोक लगाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई जाएगी। इसके अलावा विस्थापितों की लंबित नौकरी, मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार एवं 25 डिसमिल भूखंड उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर भी गंभीरता से चर्चा होगी।

यूनियन की ओर से गैर मजरुवा खास, सरकारी बंदोबस्ती एवं वन पट्टा भूमि के बदले नौकरी देने की मांग भी उठाई जाएगी। साथ ही परियोजना स्तर पर कैंप लगाकर भूमि सत्यापन कराने एवं पुनर्वास समिति के गठन की मांग पर जोर दिया जाएगा।

बंद परियोजनाओं को चालू करने की मांग

यूनियन ने सीसीएल की प्रस्तावित अशोक वेस्ट, हजारीबाग के कोतरे-बसंतपुर परियोजना, केडी, आरएनआरडी एवं दामोदर नदी परियोजनाओं को शीघ्र चालू करने की मांग उठाने का निर्णय लिया है। यूनियन नेताओं का कहना है कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय विस्थापितों को लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी उठेगी आवाज

बैठक में सीसीएल के विभिन्न अस्पतालों की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। यूनियन ने अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टरों की नियुक्ति, एंबुलेंस की व्यवस्था तथा रेफर प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की है। इसके साथ ही मजदूरों एवं उनके परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

यूनियन द्वारा कामगारों एवं कर्मचारियों के आवास आवंटन और मरम्मत की समस्या को भी बैठक में उठाया जाएगा। आम्रपाली, चंद्रगुप्त, मगध एवं संघमित्रा क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए शीघ्र आवास निर्माण एवं आवंटन की मांग की जाएगी।

इसके अतिरिक्त विस्थापित परिवारों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा, चिकित्सा सुविधा, स्कूल बस उपलब्ध कराने तथा निजी कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय बेरोजगारों की बहाली सुनिश्चित करने की मांग भी एजेंडे में शामिल है। यूनियन नेताओं ने कहा कि सीसीएल द्वारा सीएसआर मद की 95 प्रतिशत राशि प्रभावित गांवों के विकास कार्यों पर खर्च की जानी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक रोजगार योजना के तहत रोड सेल में 40 प्रतिशत कोयला आवंटन एवं ठेका प्रथा, एएमसी एवं सीएससी कार्यों में स्थानीय विस्थापितों एवं बेरोजगारों को प्राथमिकता देने की मांग की जाएगी।

समाधान की दिशा में पहल का दावा झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के नेताओं ने कहा कि बैठक में मजदूरों, विस्थापितों एवं रैयतों की समस्याओं पर गंभीर विचार-विमर्श करते हुए समाधान का रास्ता निकालने का प्रयास किया जाएगा। यूनियन ने उम्मीद जताई है कि प्रबंधन सकारात्मक पहल करते हुए लंबित मांगों के समाधान की दिशा में ठोस निर्णय लेगा।

इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित हुई जिंदल स्टील पतरातु

ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल ने मेरिट विनर श्रेणी में किया सम्मानित, जताई खुशी

- दूरदर्शी नेतृत्व ने पूरे संगठन में मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। जिंदल स्टील लिमिटेड बलकुदरा पतरातु को ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल लंदन द्वारा प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड वर्ष 26 के मेरिट विनर श्रेणी से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कंपनी को व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 21 मई को मुंबई स्थित जेडब्ल्यू मररिट सहार में आयोजित भव्य समारोह में जिंदल स्टील लिमिटेड पतरातु की ओर से प्रीयेश सिंह एवं खुर्शीद आलम ने प्राप्त किया। समारोह में स्टील, ऑयल एंड गैस सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ मौजूद थे। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड विश्व स्तर पर अत्यंत प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धात्मक सम्मान माना जाता है। वर्ष 26 में दुनिया भर की 851 संस्थाओं ने इसमें भाग लिया था। ऐसे में जिंदल स्टील पतरातु का मेरिट विनर श्रेणी में चयन होना पूरे संगठन के लिए गर्व की बात है। प्रबंधन के अनुसार प्लांट में जीरो हार्म कार्यस्थल सुनिश्चित करने और कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस उपलब्धि का श्रेय श्रमिकों, फ्रंटलाइन सेफ्टी कर्मियों, लाइन मैनेजरों, विभागाध्यक्षों और सुरक्षा अधिकारियों के सामूहिक समर्पण एवं अनुशासन को दिया गया। कंपनी ने प्लांट हेड के.बी. सिंह के नेतृत्व, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन की भी सराहना की। प्रबंधन ने कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने पूरे संगठन में मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिंदल स्टील पतरातु परिवार के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए प्रबंधन ने भविष्य में भी सुरक्षा एवं परिचालन उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने का संकल्प दोहराया।

शाम ढलते ही बरही चौक पर ध्वस्त हो जाती है ट्रैफिक व्यवस्था

बरही। प्रायः शाम होते ही बरही चौक की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराने लगती है। चौक और सर्विस रोड पर बेतरतीब ढंग से खड़ी बाइक, टोटो और छोटी गाड़ियां जाम का प्रमुख कारण बन रही हैं। सड़क के बीचोंबीच वाहन खड़ा कर खरीदारी करना आम बात हो गई है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वाहन चालकों में न तो ट्रैफिक नियमों का भय है और न ही नागरिक जिम्मेदारी का एहसास। सब्जी खरीदने या सामान लेने के लिए लोग अपनी गाड़ियां सर्विस रोड और मुख्य सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। इससे थोड़ी ही देर में लंबा जाम लग जाता है। स्थिति यह है कि शाम के समय बरही चौक से गुजरना लोगों के लिए परेशानी का कारण बन जाता है। जाम में आम लोगों के साथ-साथ एम्बुलेंस तक फंस जाती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि चौक पर सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने के बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था में कोई विशेष सुधार नहीं दिख रहा है। वहीं ट्रैफिक पुलिस और पेट्रोलिंग दल भी अक्सर मूकदर्शक बने रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बरही चौक पर नियमित ट्रैफिक मॉनिटरिंग, अवैध पार्किंग पर कार्रवाई और सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने की दिशा में जल्द ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

दृष्टिपात

बलकुदरा पंचायत में चापाकल और खराब पड़े जलमीनारों से बढ़ी परेशानी, आक्रोश

भुरकुंडा। पतरातू प्रखंड अंतर्गत बलकुदरा पंचायत में पेयजल संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। पंचायत के लगभग सभी टोला में चापाकल और कुएं सूख गयें हैं। जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच लोग पेयजल के लिए तरस रहे हैं और पंचायत प्रतिनिधियों से जल्द व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में 8 जलमीनार में मौजूद एक-दो जलमीनार ही किसी तरह चालू हैं। लेकिन वे भी महज एक-दो घंटे पानी देने के बाद बंद हो जाती हैं। इससे लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावे पंचायत में 25 चापानल खराब पड़े है। सुबह से ही महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इधर पंचायत के मुखिया विजय मुंडा ने बताया कि उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा सभी पंचायतों से खराब चापाकल और बंद जलमीनारों की सूची मांगी गई थी। पंचायत की ओर से लगभग 10 से 15 दिन पूर्व सूची उपलब्ध करा दी गई है। लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मुखिया ने कहा कि भीषण गर्मी में ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद विभाग की उदासीनता समझ से परे है। उन्होंने खराब पेयजल स्रोतों की शीघ्र मरम्मत कराने और अतिरिक्त पानी की व्यवस्था करने की मांग की। पेयजल समस्या को लेकर विरोध जताने वालों में वार्ड सदस्य राधा देवी, नीता कुमारी, आशा देवी, रेखा देवी, देवंती देवी, रूना देवी, कलावती देवी, कौशल्या देवी, जयंती देवी सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

भुरकुंडा पुलिस ने बकरीद पर्व को लेकर क्षेत्रों में निकाला फ्लैग मार्च

भुरकुंडा। बकरीद पर्व को लेकर भुरकुंडा पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और लोगों में सुरक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से मंगलवार को भुरकुंडा थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने किया। मार्च भुरकुंडा थाना परिसर से शुरू होकर भुरकुंडा बाजार, बिरसा चौक, पटेलनगर, मतकमा चौक, रीवर साइड समेत विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस जवानों ने लोगों से बकरीद पर्व आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की ।थाना प्रभारी ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, अशांति या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। थाना प्रभारी ने लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा दिलाने की पहल की गई। फ्लैग मार्च में थाना के पुलिस पदाधिकारी, जवान और सशस्त्र बल शामिल थे।

बरकट्ठा व गोरहर पुलिस ने बकरीद को लेकर किया पैदल मार्च

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा थाना और गोरहर थाना क्षेत्र में बुधवार 11:00 एम से 4:00 पीएम तक बकरीद पर्व को लेकर विभिन्न स्थानों में फ्लैग मार्च किया गया।वहीं बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में तरबेचवा, झूरझुरी,पेसरा,मस्केडीह,कपका,तुईओ,लेबडा जमुआ,बेडोकला गैंडा,बरवां ,सलैया, बरकट्ठा बाजार,बनवारी और शिलाडीह में फ्लैग मार्च किया गया। मौके पर बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने कहा कि पर्व को आप सब शांतिपूर्वक मनाएं ।किसी प्रकार का सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट नहीं करें। मौके पर बरकट्ठा पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी, बरकट्ठा थाना प्रभारी आशीष कुमार भगत,गोरहर थाना प्रभारी रवि रंजन, चलकुसा थाना प्रभारी के अलावे तीनों थाना के सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

अंचल कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा बरकट्ठा कार्यालय, जमीन संबंधी कार्य में हो रहा विलंब

बरकट्ठा। अंचल कार्यालय बरकट्ठा में छह राजस्व हल्का है। ऐसे में केवल दो हल्का राजस्व कर्मचारी पदस्थापित है। दो कर्मचारी के जिम्मे छह राजस्व हल्का का प्रभार है। इस वजह से भूमि संबंधी कार्य निष्पादन होने के बजाय अधर में लटक रहा है। दाखिल खारिज से लेकर एलपीसी का कार्य लंबित रह रहा है। लोग कार्यालय और कर्मचारी के पीछे दौड़ते भागते रहते हैं। इसके बावजूद उनका कार्य समय पर नहीं हो पाता है। दो हल्का राजस्व कर्मचारी रहने से एक तरफ उनके काम का बोझ दूसरी ओर उनका भाव भी आसमान चढ़ा रहता है। लोंगो को अपना रैयत समझते हैं। भूमि मालिक समेत छात्र भी परेशान हैं। समय पर आय, आवासीय, जाति प्रमाणपत्र नहीं बन पाता है। इस कारण छात्रों को स्कूल, कॉलेज में नामांकन और प्रतियोगिता परीक्षा में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इधर प्रभारी सीओ नवीन भूषण कुल्लू कहते हैं कि राजस्व कर्मचारी की कमी है। दो कर्मचारियों से छह हल्का का काम निकाला जा रहा है। कर्मचारी की डिमांड की गई है। लोगों का कहना है कि हमलोग सुबह से दूर-दराज गांव पैदल चलकर आते हैं कर्मचारियों की कमी के कारण हमलोगों को काम नहीं होता है और शाम को घर बिना काम के लौट जाना पड़ता। जब पूछता जाता है तो वहां के कर्मियों का कहना है कि जितना काम हो सकेगा हमलोग कर रहे हैं, काम को निबटाते-निबटाते शाम हो जाता है क्या करें। हमलोग खुद नहीं चाहते हैं लोगों का काम न हो मगर हमलोगों की भी मजबूरी होती है। आगे सब ठीक हो जाएगा।

एवीएचएस शिलाडीह में उन्नयन कार्य को लेकर बैठक संपन्न

बरकट्ठा। आदिवासी विकास उच्च विद्यालय शिलाड़ीह में स्कूल उन्नयन के लिए दानदाता तथा शिक्षक प्रतिनिधि चयन को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता व संचालन प्रधानाध्यापक मुजीब अंसारी ने किया। बैठक झारखंड अधिविध परिषद के निर्देश पर स्कूल उन्नयन के लिए दानदाता तथा शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव किया गया। बैठक में विद्यालय के सफल संचालन और विकास को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा किया गया। मौके पर विद्यालय दानदाता के रूप में सुनील कुमार पांडेय के द्वारा 31 हजार रुपये देकर दाता के रूप में चुने गये। जबकि शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में उपेंद्र कुमार पांडेय का चयन हुआ। प्रधानाध्यापक मुजीब अंसारी ने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु दानदाता और शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव आज झारखंड अधिविध के निर्देशानुसार सफल हुआ। कहा कि कुछ दिनों के अंदर शिक्षाविद और सचिव का भी चुनाव किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक में प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष कुद्दूश अंसारी, राजेंद्र मोदी, पूर्व पंसस लोकनाथ राणा, पूर्व मुखिया नरेंद्र कुमार सिंह,चंद्रशेखर सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक रामनरेश पांडेय, राजकुमार गिरी, श्याम किशोर पांडेय, समसुद्दीन अंसारी, बिंदेश्वर मंडल, मुकेश पांडेय, दुर्गा बास्के, किशुन हांसदा, रियासत अंसारी, जागेश्वर पांडेय समेत विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन अर्जुन मुंडा हुए शामिल, कहा

पार्टी की रीढ़ होते हैं कार्यकर्ता

- भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला संगठन है

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन बुधवार को वैचारिक ऊर्जा, संगठनात्मक मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के उत्साह से भरपूर रहा। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया। प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन आयोजित विभिन्न सत्रों में प्रदेश एवं जिला स्तर के अनुभवी नेताओं ने कार्यकर्ताओं के बीच संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता, राष्ट्रवाद, जनसंपर्क अभियान तथा भाजपा की विचारधारा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर अर्जुन मुंडा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें तथा सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी से बढ़कर कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं उनके बिना पार्टी मजबूत नहीं हो सकती है। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला संगठन है, जिसकी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा का मूल मंत्र "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" केवल नारा नहीं, बल्कि संगठन की कार्यशैली और विचारधारा का आधार है। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बूथ स्तर तक संगठन की मजबूती, डिजिटल युग में कार्यकर्ताओं की भूमिका, जनसंपर्क की नई रणनीतियों तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने के विषय पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। सत्र को डॉ यदुनाथ पांडेय, दिलीप कुमार वर्मा,महादेव दुबे, प्रेम मित्तल,रजनीश पांडेय कुणाल दास ने बतौर वक्ता अपनी बात रखी। समापन सत्र का विशेष आकर्षण झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की उपस्थिति रही। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी विचारधारा, अनुशासन और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता में निहित है। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की जय और राष्ट्र गान जन गण मन सामूहिक गान के साथ प्रशिक्षण वर्ग का समापन हुआ।

सांसद की पहल पर लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर, बिजली बहाल होते ही लोगों में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। सांसद की पहल पर पटेलनगर में 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। भाजपा नेता अमरेश सिंह ने पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। ट्रांसफार्मर चालू होते ही क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई, जिससे लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। अमरेश सिंह ने बताया कि 22 मई की शाम ट्रांसफार्मर के कारण जल जाने से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। जिससे पटेलनगर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थान, शोरूम, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित आसपास के व्यवसायियों लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी भाजपा नेता अमरेश सिंह ने सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल को दी उन्होंने इस पर त्वरित पहल करते हुए नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई। ट्रांसफार्मर पहुंचने की जानकारी सांसद मनीष जायसवाल ने लिया और कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय लोगों से क्षेत्र के विकास में सहयोग की अपील भी की। वहीं स्थानीय लोगों ने बिजली बहाल होने पर सांसद मनीष जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पहल से समय से ट्रांसफार्मर लग सका और लोगों को इस भीषण गर्मी से राहत मिली। मौके पर भाजपा नेता अमरेश सिंह, संजय भारती, रामनारायण शर्मा, दिवाकर सिंह, सुनील सिंह, ललन दुबे, राम प्रवेश सिंह, मनोज गुप्ता, शिव कुमार, आशीष कुमार, राहुल वर्मा, सतीश वर्मा, सोनू श्रीवास्तव, मिथुन, रोहन कुमार, पवन कुमार, आकाश लोहारा, दीपक कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

गिद्दी बस्ती में नागपुरी आरकेस्ट्रा का आयोजन, रात भर झूमे लोग

गिद्दी। मंडा पूजा के उपलक्ष्य में गिद्दी बस्ती मंडाटांड़ में मंगलवार की रात नागपुरी आरकेस्ट्रा का आयोजन किया गया। आरकेस्ट्रा का उदघाटन पूजा समिति के संरक्षक सैनाथ गंझू और मुखिया हीरालाल गंझू ने किया। इसके बाद उमेश म्युजिकल ग्रुप रांची के गायक नीतेश कश्यप, सरस्वती बुनकर, चिंता देवी, सूरज कुमार, मनवीर नायक, नंदनी बुनकर और काजल ने नागपुरी गीत नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जबकि बतौर उदघोषक उमेश महली योगदान किया।इस अवसर पर पूजा समिति के दिनेश्वर गंझू, कलेंद्र महली, प्रेमचंद गंझू, सुनील गंझू, गणेश गंझू, आशीष करमाली, दुबराज गंझू, शंकर करमाली, प्रदुमन ठाकुर, गोविंद गंझू, लक्ष्मीनारायण गंझू, बंसत गंझू, प्रेम गंझू, अशोक गंझू, कुलदीप गंझू, महादेव गंझू, मनोज महली, मंटू मांझी, चंदन महली, विकास कुमार गंझू, सुरेश गंझू, धनंजय गंझू, अनिल महली, अमन मुंडा, अर्जुन गंझू, संजय गंझू, नारायण, देवकुमार, मनोज, दिलीप गंझू उपस्थित थे।

विभावि ने जारी किया स्नातक सेमेस्टर 7 परीक्षा का शेड्यूल

बहिष्कार या रद्द होने पर दोबारा परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी : पीके मांझी

- परीक्षाएं 12 से 22 जून तक दो पालियों में संचालित की जाएंगी

नवीनमेल संवाददाता

बरही। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (VBU) ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम सत्र 2022-26 के सातवें सेमेस्टर की परीक्षाओं की तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी प्रोग्राम के अनुसार परीक्षाएं 12 से 22 जून तक दो पालियों में संचालित की जाएंगी। पहली पाली पूर्वाह्न 10:00 से अपराह्न 1:00 बजे तक और दूसरी अपराह्न 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक पीके मांझी ने कहा कि अगर किसी भी हाल में परीक्षा रद्द या बहिष्कार हाने पर परीक्षा दोबार नहीं ली जाएगी। पहले दिन यानी 12 जून को पहली पाली में कॉमर्स के अंतर्गत बिजनेस कम्युनिकेशन सहित इंग्लिश, इकोनॉमिक्स, एंथ्रोपोलॉजी, होम साइंस, एलएसडब्ल्यू, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, जियोग्राफी, उर्दू और संस्कृत के मेजर-16 पेपर की परीक्षा होगी। इसी दिन दूसरी पाली में हिस्ट्री, फिलॉसफी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी, जूलॉजी, जियोलॉजी, मैथमेटिक्स, हिंदी, खोरठा, कुरमाली और संथाली के मेजर-16 पेपर की परीक्षा ली जाएगी। 15 जून को मेजर-17 पेपर की परीक्षा दोनों पालियों में आयोजित होगी, जिसमें पहली पाली में कॉमर्स के मैनेजरियल इकोनॉमिक्स सहित अन्य कला व विज्ञान विषय और दूसरी पाली में इतिहास, दर्शनशास्त्र व विज्ञान के अन्य विषय शामिल हैं। इसी क्रम में 17 जून को पहली पाली में कॉमर्स के कंप्यूटर एप्लीकेशन इन बिजनेस सहित अन्य संबंधित विषयों और दूसरी पाली में इतिहास, विज्ञान व अन्य भाषाओं के मेजर-18 पेपर की परीक्षा होगी। 19 जून को पहली पाली में कॉमर्स के इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस सहित इंग्लिश, इकोनॉमिक्स, एलएसडब्ल्यू, पॉलिटिकल साइंस, उर्दू, संस्कृत व सोशियोलॉजी के मेजर-19 पेपर की परीक्षा होगी, जबकि दूसरी पाली में हिस्ट्री, फिलॉसफी, मैथ्स, हिंदी, खोरठा, कुरमाली और संथाली के मेजर-19 पेपर की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा के अंतिम दिन 22 जून को माइनर पेपर्स की परीक्षा होगी, जिसके तहत पहली पाली में कॉमर्स के डिजिटल मार्केटिंग सहित मैथमेटिक्स, बॉटनी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, जियोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, इंग्लिश, हिंदी और पॉलिटिकल साइंस की परीक्षा होगी, वहीं दूसरी पाली में इतिहास, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, खोरठा, कुरमाली, संथाली, एलएसडब्ल्यू, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत, भूगोल, उर्दू और समाजशास्त्र के माइनर पेपर की परीक्षा ली जाएगी।

वाद-विवाद

हजारीबाग के सांसद-विधायक के बीच चल रहा विवाद हुआ खत्म, सांसद बोले

किसी शकुनि मामा ने खेला था खेल, अब आगे बढ़ेगा विकास कार्य

- उस व्यक्ति को चिन्हित भी कर लिया गया है, आने वाले समय में ऐसे व्यक्ति से दूरी बनाकर रखी जाएगी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद के बीच विवाद सुलझ गया है। जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने यह जानकारी दी। सांसद ने कहा कि दोनों के बीच कोई शकुनि ने खेल खेला था, जिसे चिन्हित कर लिया गया है। अब उस व्यक्ति से दूरी बना कर रखी जाएगी। विधायक प्रदीप प्रसाद ने भी कहा कि किसी बात को लेकर कंफ्यूजन था, उसे दूर कर लिया गया है। सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद के बीच किसी शकुनि मामा ने ऐसी चाल चली कि दोनों के बीच विवाद हो गया। हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम से विवाद बढ़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रशिक्षण शिविर तक आ पहुंचा था। जहां पार्टी के वरीय पदाधिकारी ने दोनों से बात की और विवाद समाप्त करने को कहा। इस दौरान जब हर मुद्दे पर चर्चा हुई तो यह बात सामने आई कि किसी ने शकुनि मामा बनकर चाल चली थी। जिससे दोनों के बीच विवाद हुआ और दूरी बन गई। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि विवाद समाप्त हो गया है। उस व्यक्ति को चिन्हित भी कर लिया गया है। आने वाले समय में ऐसे व्यक्ति से दूरी बनाकर रखी जाएगी ताकि पार्टी को किसी प्राकर का नुकसान न पहुंचे। वैसे हमेशा ताक में लगे रहते हैं कि संगठन में एकजुटता नहीं रहे और लोग टूटती रहे। मगर वैसा नहीं होगा।

दरअसल, प्रदीप प्रसाद ने सांसद मनीष जायसवाल को धृतराष्ट्र की संज्ञा दी थी और कहा था हस्तिनापुर बचा लीजिए। प्रदीप प्रसाद ने बताया था कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच कंफ्यूजन हो गया था। अब वह दूरी खत्म हो गई है। आने वाले समय में दोनों एक साथ मिलकर क्षेत्र का विकास करेंगे। जैसे पहले एक साथ काम करते थे, वैसे अब आगे भी होगा। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की बातों में आने से ही यह स्थिति बन गई थी।

हजारीबाग में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। इस प्रशिक्षण शिविर में संगठन के वरीय पदाधिकारी ने ऐसी स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए जल्द से जल्द विवाद समाप्त करने को कहा। पार्टी के जिला अध्यक्ष ने कहा कि अब वैसी बात नहीं है। सब मिलकर एक साथ रहेंगे और किसी भी तरह का विवाद नहीं है। सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद के बीच आरोप-प्रत्यारोप की गूंज दिल्ली तक जा पहुंची थी। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रदीप प्रसाद को उदंड की उपाधि दे डाली थी तो दूसरी ओर प्रदीप प्रसाद ने इन्हें धृतराष्ट्र कहा था। हजारीबाग क्रिकेट स्टेडियम से उठा विवाद काफी सुर्खियों में रहा था।

कदमटोली बस्ती में अनियंत्रित स्कॉर्पियो घर की दीवार से टकराई

कुरडेग। कुरडेग थाना क्षेत्र अंतर्गत कदमटोली बस्ती में मंगलवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो क्रमांक जेएच 01एजे8635 पहले सड़क किनारे पुलिया से टकराई और उसके बाद एक घर की दीवार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वाहन तथा घर की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि वाहन काफी तेज गति में चल रहा था, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा। हालांकि वाहन में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलने के बाद कुरडेग पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

सिमडेगा में करोड़ों की अफीम बरामद, होटल संचालक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नागपुर की नारकोटिक्स टीम ने सिमडेगा में बड़ी सफलता हासिल करते हुए करोड़ों रुपए की अफीम बरामद करते हुए होटल अंतरा के संचालक मनीष कुमार को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सिमडेगा में अफीम तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के नागपुर ग्रामीण पुलिस की नारकोटिक्स विरोधी टीम एवं सिमडेगा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 33.767 किलोग्राम अफीम, नकद राशि तथा तस्करी में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई है। जब्त अफीम की सरकारी कीमत 1,68,83,500 आंकी गई है, जबकि नकद एवं अन्य सामान

सहित कुल बरामदगी 1,92,21,500 की बताई गई। अवैध बाजार में इसकी कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।एसडीपीओ ने बताया कि 20 मई को नागपुर ग्रामीण पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान एक ट्रक चालक को 237.17 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अफीम सिमडेगा स्थित होटल अंतरा से खरीदी थी।

इसके बाद नागपुर ग्रामीण की एनडीपीएस टीम आरोपी को लेकर 24 मई को सिमडेगा पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से जांच शुरू की गई।जांच के दौरान आरोपी ने होटल अंतरा के संचालक मनीष कुमार भंडारटोली, ठेठईटांगर की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने उसके घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में अफीम बरामद किया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा, प्लास्टिक पॉलिथीन, रबर बैंड एवं 23.35 लाख नकद भी जब्त किया गया। पुलिस ने मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले में शामिल अन्य तस्करों की तलाश जारी है।घटना के बाद शहर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि नागपुर से आई नारकोटिक्स टीम ने यहां करोड़ों रुपये की अफीम बरामद कर ली, जबकि स्थानीय तंत्र को इसकी भनक तक नहीं लगी। मामले को लेकर लोगों के बीच कई सवाल उठ रहे हैं।

कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय में एसआईआर को लेकर सर्वदलीय बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड कार्यालय कक्ष में बुधवार को अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अनूप कच्छप की अध्यक्षता में एसआईआर 2026 को लेकर सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रखंड के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान बीडीओ अनूप कच्छप ने एसआईआर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक दीं।उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने के लिए अधिकतम मैपिंग आवश्यक है तथा इसमें सभी राजनीतिक दलों का सहयोग अपेक्षित है।

बैठक में एसआईआर से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।साथ ही बी.एल.ए.-2 की भूमिका एवं उनकी एसआईआर प्रक्रिया में सहभागिता को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों ने कहा कि एसआईआर को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति नहीं रहे, इसके लिए सभी दलों को एएसडीडी सूची, एसआईआर का हिंदी पीपीटी तथा कार्यक्रम की समय-सारणी उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर प्रखंड निर्वाचन प्रभारी गुरुचरण महतो,भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अशोक इंदवार,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश बागे,सचिव बिरीश डुंगडुंग तथा प्रखंड कंप्यूटर ऑपरेटर क्रेसेनसिया बाड़ा सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड स्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन

किसानों को दी गई वैज्ञानिक खेती से संबंधित जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के निर्देशानुसार आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को संभावित सूखा, कम वर्षा, जल संरक्षण तथा वैकल्पिक खेती के प्रति जागरूक करना था, ताकि किसान वैज्ञानिक तरीके अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख सुनीता केरकेट्टा, उप प्रमुख आमंत्रण मांझी, अंचल अधिकारी सुधांशू पाठक तथा विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी, जनसेवक, एटीएम, बीटीएम, कृषि मित्र एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।प्रखंड

प्रमुख ने बदलते मौसम और कम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को कम अवधि वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। वहीं अंचल अधिकारी सुधांशू पाठक ने किसानों से जल संरक्षण, वैकल्पिक फसलों और वैज्ञानिक खेती को अपनाने की अपील की। उन्होंने मड़ुआ, उड़द, राहर और मक्का जैसी कम पानी में होने वाली फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की कृषि योजनाओं तथा फसल बीमा के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए किसानों से इसका लाभ उठाने की अपील की।

बानो प्रखंड में हाथी का आतंक, ग्रामीण का घर क्षतिग्रस्त

बानो। बानो प्रखंड के बड़कादुईल पंचायत अंतर्गत बांसपहार लोवासोकरा ऊपर टोली में मंगलवार देर शाम जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने ग्रामीण अमृत जड़िया के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया है।ग्रामीणों के अनुसार हाथी अचानक गांव में घुस आया और घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना के समय परिवार के लोग किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन घर को काफी नुकसान पहुंचा है।घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन एवं वन विभाग से प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा देने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हाथियों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे जान-माल का खतरा बना हुआ है। लोगों ने वन विभाग से जल्द राहत एवं सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।

अपनी मांगों को लेकर अब चुप नहीं रहेगा रौतिया समाज : रोहित सिंह

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ स्थित देवगुड़ी मंदिर परिसर में रौतिया समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ने की। इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव सहित विभिन्न जिलों एवं प्रखंडों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद बख्तर साय एवं मुंडल सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई बैठक में पेसा कानून, जनगणना और समाज के अधिकारों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह ने कहा कि रौतिया समाज अब अपनी मांगों को लेकर चुप नहीं रहेगा। उन्होंने सरकार से समाज को अधिकार देने की मांग करते हुए कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन

किया जाएगा।वक्ताओं ने कहा कि रौतिया समाज परंपरागत रूप से पहानई, खुटकटी और प्रकृति पूजा से जुड़ा रहा है, फिर भी पेसा कानून में उन्हें अधिकार नहीं मिल पा रहा है। समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि पेसा कानून नियमावली के कारण वे ग्राम प्रधान जैसे पदों से वंचित हो रहे हैं। बैठक में पेसा कानून नियमावली एवं जनगणना में जातीय स्थिति स्पष्ट करने को लेकर अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

बरबेड़ा मंडली में आयोजित हुआ जीईएल चर्च युवा संघ सम्मेलन

विधायक सुदीप गुड़िया ने युवाओं को किया प्रेरित

नवीन मेल संवाददाता

बानो। जीईएल चर्च लचरागढ़ पास्टोरेट अंतर्गत बरबेड़ा मंडली में 6वें वार्षिक युवा संघ सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में युवाओं को समाज, कलीसिया और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लचरागढ़ पास्टोरेट की आठ मंडलियों लचरागढ़, पोगलोया, रामजड़ी, कारीमाटी, बरटोली, बुमुल्डा, जामबेड़ा एवं बरबेड़ा के युवा-युवतियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक एवं समाज के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में , तथा उपस्थित थे।विधायक सुदीप गुड़िया के कार्यक्रम स्थल

पहुंचने पर महिला मंडल द्वारा ढोल, मांदर और नगाड़े की थाप पर पारंपरिक नृत्य एवं गीत-संगीत के साथ भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों को फूल-माला पहनाकर मंचासीन कराया गया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत हथियार है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को धर्म, संस्कार एवं नैतिक शिक्षा देने की अपील की, ताकि नई पीढ़ी अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहे।उन्होंने युवाओं से नशापान से दूर रहने और समाज व गांव के विकास में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी लोगों को जागरूक किया। सम्मेलन में वक्ताओं ने युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक एकता एवं मानव सेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

सेंट्रल अंजुमन ने बकरीद को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की

सिमडेगा। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया ने मुस्लिम समाज से शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के सदर ने कहा कि बकरीद कुर्बानी, त्याग और इंसानियत का पर्व है। सभी लोग आपसी भाईचारे को कायम रखते हुए त्योहार मनाएं और आसपास के लोगों की भावनाओं का सम्मान करें।उन्होंने विशेष रूप से साफ-सफाई पर ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि कुर्बानी के बाद सार्वजनिक स्थानों एवं सड़कों पर गंदगी न फैलाएं, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वज्रपात से 19 मवेशियों की मौत, उपायुक्त ने दिए पोस्टमार्टम व मुआवजा प्रक्रिया के निर्देश

सिमडेगा। जिले में बुधवार दोपहर आए आंधी-तूफान एवं बारिश के दौरान फरसाबेड़ा के टोंगरीटोली क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से 19 गाय-बैलों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में पशुपालकों के बीच शोक का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त सिमडेगा ने जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सिमडेगा को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि मृत सभी पशुओं का नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया जाए तथा इसकी रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।उपायुक्त ने अंचल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि घटनास्थल की जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करें और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ उपलब्ध कराएं।

बकरीद पर्व को लेकर कुरडेग पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कुरडेग। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने को लेकर कुरडेग पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आया। बुधवार को कार्यवाहक थाना प्रभारी एवं बीडीओ के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के बीच सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना था। इस दौरान पुलिस जवानों एवं अधिकारियों ने कुरडेग के विभिन्न इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। मार्च थाना परिसर से शुरू होकर बस स्टैंड, झिरकामुंडा, परकाला, कदमटोली होते हुए पुनः थाना परिसर पहुंचकर समाप्त हुआ।

कनारावां में हनुमान प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा, हरिकीर्तन शुरू

- जय श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों के साथ प्रतिमा की परिक्रमा कराई

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के कनारावां गंझूटोली में नवनिर्मित हनुमान मंदिर के उद्घाटन समारोह के दूसरे दिन भगवान हनुमान की प्रतिमा का पूरे गांव में भव्य नगर भ्रमण कराया गया। श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों के साथ प्रतिमा की परिक्रमा कराई,जिसके बाद प्रतिमा को मंदिर परिसर लाया गया।मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज

और मंत्रोच्चार के साथ भगवान हनुमान की प्रतिमा का जलाभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान पुरोहित पंडित जगन्नाथ पांडा, प्रदीप पांडा और रंजित पांडा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। समारोह के दूसरे दिन नामकरण एवं कलश स्थापना के साथ तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ किया गया।

धार्मिक कार्यक्रम में जापकर्ता के रूप में गोवर्धन दास और रामेश्वर दास शामिल हुए, जबकि यजमान की भूमिका रघुनाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सनमइत देवी निभा रहे हैं। कीर्तन कार्यक्रम में कनारावां, खरवागढ़ा, टुटीकेल झपला, कारीमाटी, सोड़ा, जराकेल, निमतुर और लचरागढ़ सहित विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। वातावरण भक्तिमय भजनों और कीर्तन से गूंज उठा।तीसरे और अंतिम दिन गुरुवार को नगर भ्रमण एवं महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा, जिसके साथ तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का समापन होगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में लचरागढ़ के समाजसेवी अजय कुमार साहू, पूजा समिति अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष काजल देवी, उपाध्यक्ष रूपेश बड़ाइक, संरक्षक मारवाड़ी प्रधान सहित सदस्य अशोक प्रधान,ललकू प्रधान सहित निगरानी समिति एवं पूजा समिति के सदस्यों के साथ ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

दृष्टिपात

वज्रपात की चपेट में आने से ससुर की मौत, बहू घायल

बानो। बानो प्रखंड क्षेत्र के सिम्हातु गांव में बुधवार अपराह्न करीब 3 बजे हुए वज्रपात की घटना में एक वृद्ध की मौत हो गई,जबकि उनकी बहू घायल हो गई।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सिम्हातु गंझु टोली निवासी 65 वर्षीय मंगरा सिंह एवं 26 वर्षीय सुलोचनी कुमारी सपरिवार घर के बाहर बरामदा में बैठे थे।इसी क्रम मे वज्रपात हुई,जिसके चपेट में ससुर बहु आ गये।जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजनों एवं ग्रामीणों की मदद से दोनों को तत्काल बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद मंगरा सिंह को मृत घोषित कर दिया,जबकि घायल सुलोचनी कुमारी का इलाज जारी है।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोरंजन कुमार ने बताया कि सुलोचनी कुमारी की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और उनका उपचार चल रहा है।

जनगणना की पहली समीक्षा बैठक संपन्न

कोलेबिराः भारत की जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय सभागार, कोलेबिरा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज जनगणना पदाधिकारी ने की। बैठक में प्रखंड के सभी पर्यवेक्षक मौजूद रहे।बैठक के दौरान एचएलओ ऐप में डाटा प्रविष्टि, फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं तथा दैनिक प्रगति प्रतिवेदन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। चार्ज पदाधिकारी ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपने अधीनस्थ प्रगणकों से समय पर डाटा एंट्री सुनिश्चित कराएं तथा प्रतिदिन अपराह्न 5 बजे तक एचएलबी प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं।उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही गलत एंट्री सुधारने की प्रक्रिया एवं पदानुक्रम के अनुसार समस्याओं के समाधान पर भी विशेष जोर दिया गया।बैठक में प्रभारी जनगणना कोषांग , तकनीकी सहायक , श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी , प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी , अंचल निरीक्षक सहित फील्ड ट्रेनर्स एवं सभी पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

लचरागढ़ में दो दिवसीय भिखारिएट स्तरीय युवा अधिवेशन संपन्न

कोलेबिरा। लचरागढ़ करंज बगीचा स्थित आरसी मिशन चर्च परिसर में भिखारिएट स्तरीय दो दिवसीय वार्षिक युवा अधिवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित एवं भिखारिएट का झंडा फहराकर किया गया। अधिवेशन में युवाओं को धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एवं उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा शामिल हुए।मुख्य वक्ताओं ने युवाओं को समाज और कलीसिया से जुड़कर सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं में अनुशासन, शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होना आवश्यक है। उन्होंने नशापान से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने युवाओं से अपने करियर के प्रति सजग रहने और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा सही दिशा में आगे बढ़कर समाज और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।अधिवेशन में साहूबेड़ा, बांकी, जितुटोली, पबुड़ा, बानो, बरवाडीह, जाम टोली एवं बेसराजारा सहित नौ पल्लियों के सैकड़ों युवक-युवतियों ने भाग लिया।

भंवर पहाड़गढ़ श्री जगन्नाथ मंदिर में ग्रामीणों ने किया श्रमदान

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र स्थित पर्यटन एवं धार्मिक स्थल भंवर पहाड़गढ़ के श्री जगन्नाथ मंदिर में बुधवार को ग्रामीणों ने एकजुट होकर कारसेवा एवं श्रमदान किया। मंदिर के गर्भगृह में हो रहे वर्षा जल के रिसाव को रोकने के उद्देश्य से ग्रामीणों ने ढलाई कार्य कराया।ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से बारिश के दौरान मंदिर के गर्भगृह में पानी का रिसाव हो रहा था, जिससे मंदिर परिसर में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। समस्या के समाधान के लिए गांव में बैठक आयोजित कर श्रमदान के माध्यम से कार्य कराने का निर्णय लिया गया। इसके बाद गांव के सभी घरों से लोग एकत्रित होकर मंदिर परिसर पहुंचे और सामूहिक रूप से ढलाई कार्य किया।इस अवसर पर ने बताया कि मंदिर की सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कार्य किया गया है, ताकि भविष्य में गर्भगृह में पानी का रिसाव न हो। उन्होंने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु के रथ को छह चक्का बनाने के लिए विश्वकर्मा भीम मिस्त्री के पास भेजा गया है।कार्यक्रम को सफल बनाने में गांव के महिला-पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सामूहिक श्रमदान कर धार्मिक एकता एवं सहयोग का परिचय दिया।

कनारोवाँ पहाड़टोली की विकलांग वृद्धा का घर पहुंचकर बनाया गया आयुष्मान कार्ड

बानो। तोरपा विधायक के निर्देश पर बानो प्रखंड के कनारोवाँ पहाड़टोली निवासी विकलांग वृद्ध महिला विश्वासी सिंदुरिया के घर स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची और उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देश पर आयुष्मान मित्र हिमांशु कुमार एवं नरेंद्र सिंह ने यह कार्य पूरा किया।डॉ. मनोरंजन कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है कि सभी गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि विधायक सुदीप गुड़िया, प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी एवं प्रखंड प्रशासन दिव्यांग और वृद्ध लोगों की सहायता के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

धनबाद के चौधरी स्वीट्स में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख

- दुकान संचालक ने करीब पांच लाख रुपये के नुकसान का दावा किया है

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद के बैंकमोड़ थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय गुरुद्वारा के सामने मौजूद चौधरी स्वीट्स में बुधवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान संचालक ने करीब पांच लाख रुपये के नुकसान का दावा किया है। फिलहाल आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं और फायर ब्रिगेड मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब सात बजे अचानक चौधरी स्वीट्स की दुकान से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने काफी देर तक मशक्कत कर आग पर काबू पाया। दुकान के संचालक बबलू ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। दुकान में रखा सारा सामान जल गया। करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान में तेल गर्म करने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने से आग लगी है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि दुकान के बाहर अवैध रूप से बड़े-बड़े चूल्हे लगाए जाते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। आक्रोशित लोगों ने कहा कि दुकान के ऊपर बुजुर्ग दंपति रहते हैं। अगर आग ज्यादा फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध तरीके से लगाए गए चूल्हों की जांच की मांग की है। फिलहाल फायर ब्रिगेड और प्रशासन आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।

मित्रों संग नहाने गए युवक की तिलैया डैम में डूबने से मौत, मातम

बरही। उरवा स्थित प्रसिद्ध कोलेश्वरी मंदिर के पीछे तिलैया डैम के बराकर नदी में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सचिन कुमार (25 वर्ष) पिता शंकर ठाकुर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सचिन अपने तीन दोस्तों के साथ बराकर नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान उसे पानी की गहराई और तेज बहाव का अंदाजा नहीं लग पाया और वह गहरे पानी में चला गया। देखते ही देखते वह डूबने लगा। साथ मौजूद दोस्तों द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना फैलते ही कोलेश्वरी मंदिर परिसर और घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मुख्य डाक महाध्यक्ष ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट, उपलब्धियों की दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्य डाक महाध्यक्ष, झारखंड परिमंडल संजीव रंजन ने बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लोकभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने झारखंड डाक परिमंडल द्वारा विगत वर्ष में विभिन्न सेवाओं एवं व्यवसाय विकास क्षेत्रों में हासिल की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी दी। भेंट के दौरान श्री रंजन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रामीण डाक जीवन बीमा के अंतर्गत पूरे भारत में एक दिन में सर्वाधिक प्रीमियम संग्रह कर झारखंड परिमंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के तहत कुल 29.35 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि पिछले वर्ष झारखंड डाक परिमंडल की विभिन्न सेवाओं से कुल 229.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो विभागीय कार्यक्षमता एवं सेवा विस्तार को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने वर्तमान वर्ष में शुरू की गई नई योजनाओं एवं पहलों की जानकारी भी राज्यपाल को दी। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान उप मंडलीय प्रबंधक (डाक जीवन बीमा), झारखंड परिमंडलअमित कुमार भी उपस्थित थे।

अब यात्री ट्रेनों को रोक कर मालगाड़ियों को नहीं बढ़ाया जाएगा : जीएम

जमशेदपुर। जमशेदपुर में यात्री रेल गाड़ियों की लेटलतीफी के खिलाफ आंदोलन चला रही रेल यात्री संघर्ष समिति के साथ दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) ने बुधवार को बैठक की। संघर्ष समिति ने एलान किया था कि यदि लेटलतीफी बंद नहीं हुई तो समिति रेल जीएम का विरोध करेगी। इसके बाद कल चक्रधरपुर के डीआरएम ने विधायक सरयू राय को फोन कर सूचित किया कि जीएम कल जमशेदपुर आ रहे हैं और उनके साथ वार्ता करेंगे। बुधवार को दोपहर बाद रेल यात्री संघर्ष समिति के शिष्ट मंडल और रेल जीएम एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। विधायक सरयू राय ने रेल जीएम को बताया कि उनकी केवल और केवल एक ही मांग है कि टाटानगर में यात्री रेलगाड़ियों की लेटलतीफी बंद की जाय और यात्री रेलगाड़ियों को रास्ते में खड़ा कर माल गाड़ियों को पास करने का सिलसिला बंद किया जाय। रेल जीएम ने यह बात मानी और रेल यात्री संघर्ष समिति को बताया कि अब से यात्री रेल गाड़ियों को खड़ा कर माल गाड़ियों को आगे नहीं बढाय़ा जाएगा। उन्होंने रेलवे के अन्य पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस निर्णय को लागू करें और देखें कि किसी भी स्थिति में यात्री रेल गाड़ियों को रोकर माल गाड़ियों को आगे नहीं बाढ़या जाय। संघर्ष समिति के संयोजक शिव शंकर सिंह ने कहा कि आपका यह निर्देश लागू हो रहा है या नहीं, ये कैसे पता चलेगा? इस पर रेल जीएम ने चक्रधरपुर के डीआरएम को निर्देश दिया कि वे जमशेदपुर में एक पूर्ण कालिक पब्लिक रिलेशंस इंस्पेक्टर बहाल करें जो रेल गाड़ियों की लेटलतीफी और माल गाड़ियों को यात्री गाड़ियों से आगे नहीं बढ़ाने के बारे में जानकारी लेगा और निर्देश देगा तथा प्रत्येक दिन रेल गाड़ियों के आवाजाही के बारे में प्रेस एवं संघर्ष समिति को सूचित करेंगा।

हाई स्कूलों और प्लस टू के शिक्षकों के वेतन भुगतान पर रोक बरकरार

- वासुदेव सिंह चौधरी ने कहा- वेतन नहीं मिलने से हम लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है, घर चलाना मुश्किल हो रहा है

नवीन मेल संवाददाता

बोकारो। पिछले तीन महीने से हाई स्कूलों और प्लस टू स्कूलों के शिक्षकों का वेतन भुगतान नहीं हो रहा है. इस कारण शिक्षकों को बहुत परेशानी हो रही है। बार-बार जिले के वरीय अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद भी शिक्षकों के वेतन का भुगतान नहीं हो रहा है। जबकि बोकारो के उपायुक्त ने कुछ दिन पूर्व शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद बोकारो के शिक्षा पदाधिकारी को वेतन भुगतान करने का निर्देश दिया था। इसको लेकर शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल बोकारो के उपायुक्त से मिलकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया। इसमें झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ और प्लस टू शिक्षक संघ के पदाधिकारी के साथ-साथ काफी संख्या में शिक्षक भी मौजूद रहे। माध्यमिक शिक्षक संघ बोकारो के अध्यक्ष वासुदेव सिंह चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ट्रेजरी में हुए वेतन घोटाले को लेकर वेतन निकासी पर रोक लगा दी गई थी. जबकि जांच प्रक्रिया शिक्षा विभाग के द्वारा पूरा कर ली गई है। शिक्षकों ने अपने कागजात भी जमा कर दिए हैं, लेकिन अभी तक वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। जबकि उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को वेतन भुगतान के लिए पूर्व में निर्देशित भी किया गया था। हालांकि जिले के मिडिल स्कूलों के शिक्षकों के वेतन का भुगतान किया जा चुका है। वहीं जिस पुलिस विभाग में घोटाला हुआ था उस विभाग में भी वेतन निर्गत किया जा चुका है। वासुदेव सिंह चौधरी ने कहा कि वेतन नहीं मिलने से हम लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है। 3 महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण कई तरह की परेशानी हो रही है। जब तक हम लोगों को 3 महीने का वेतन भुगतान नहीं होगा, हम लोग काम करने के बाद यहां आकर धरने पर बैठे रहेंगे. वहीं मामले में बोकारो डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि जिला शिक्षा पदाधिकारी को वेतन भुगतान का निर्देश दे दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झारखंड प्रांत स्तरीय संघ शिक्षा वर्ग का शुभारंभ

जमशेदपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में आर.वी.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग परिसर तथा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिरसानगर में संघ शिक्षा वर्ग सामान्य एवं विशेष का शुभारंभ मंगलवार को विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर झारखंड प्रांत के विभिन्न जिलों से सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित हुए, जो आगामी एक पखवाड़े तक व्यक्तित्व निर्माण, भारतीय संस्कृति, इतिहास, राष्ट्रवाद एवं संगठन की कार्यपद्धति से संबंधित विभिन्न विषयों पर बौद्धिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्र प्रचारक श्री रामनवमी जी ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने संघ की आवश्यकता, उसके महत्व तथा भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग स्वयंसेवकों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी माध्यम है। वर्ग में शारीरिक व्यायाम, योग, खेल, दंड प्रशिक्षण, गीत एवं बौद्धिक चर्चा के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन एवं सामूहिकता जैसे गुणों के विकास का प्रयास किया जाता है। साथ ही विभिन्न बौद्धिक व्याख्यानों के माध्यम से स्वयंसेवकों को ऐसी वैचारिक दृष्टि प्रदान की जाती है, जिससे वे समाज को केवल व्यक्तिगत हित के बजाय व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से देख सकें। श्री रामनवमी जी ने कहा कि ऐसे वर्ग सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न क्षेत्र, भाषा, जाति एवं आर्थिक पृष्ठभूमि से आए स्वयंसेवक सामूहिक भोजन, सामूहिक निवास एवं सामूहिक अभ्यास के माध्यम से एकात्मता का भाव विकसित करते हैं, जो सामाजिक भेदभाव जैसी कुरीतियों को दूर करने में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल वैचारिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राकृतिक आपदा सेवा, शिक्षा, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सामाजिक कार्यों के प्रति भी स्वयंसेवकों को प्रेरित करता है।

ऑनलाइन गेम में बड़ी राशि हारने के बाद 24 मई से लापता किशोर दिल्ली से बरामद

रांची। ऑनलाइन गेमिंग की लत एक बार फिर एक परिवार के लिए चिंता का कारण बन गई, जब रांची से लापता 15 वर्षीय किशोर आशविन आनंद को पुलिस ने तकनीकी टीम की मदद से दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया। बताया जा रहा है कि किशोर ऑनलाइन गेम "STAKE" में बड़ी राशि हारने के बाद तनाव में आ गया था और इसी कारण वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया। जानकारी के अनुसार, 24 मई को आशविन आनंद अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने सदर थाना, रांची में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर तकनीकी जांच और छापेमारी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को किशोर के दिल्ली में होने का सुराग मिला, जिसके बाद रांची पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया। इस पूरी कार्रवाई में तकनीकी अनुसंधान की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने किशोर को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया है। अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन पर गंभीर असर डाल रही है। इस घटना ने एक बार फिर इसके दुष्परिणामों को उजागर किया है।

पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखें और उन्हें सकारात्मक व रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

नाबालिग से देह व्यापार कराने के मामले में महिला गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में नाबालिग से देह व्यापार कराने के मामले में पचम्बा थाना पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग लड़कियों को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया है । पचम्बा थाना पुलिस ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार महिला बिरनी थाना क्षेत्र के भ्रकट्टा ओपी इलाके की रहने वाली है और पचम्बा थाना क्षेत्र के बोडो स्थित एक मकान में किराए पर रह रही थी । पुलिस की पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह नाबालिग लड़कियों को काम दिलाने के बहाने बुलाती थी और बाद में उनसे देह व्यापार करवाती थी । पुलिस के अनुसार आरोपित महिला बोडो में रहती जरूर थी, लेकिन देह व्यापार का धंधा दूसरे स्थानों पर संचालित किया जाता था । महिला ने पूछताछ में यह भी कबूला कि वह नाबालिगों से अश्लील बातें कर उन्हें इस धंधे में लगाती थी । सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और दोनों नाबालिगों कीओर से बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दो नाबालिगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से आरोपित महिला को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके दूसरे ठिकाने पर भी छापा मारा, जहां कथित रूप से देह व्यापार कराया जाता था ।

बूटी बस्ती में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम

डालसा ने दी कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश, सदस्य सचिव झालसा कुमारी रंजना अस्थाना तथा न्यायायुक्त रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में एवं डालसा सचिव राकेश रौशन की उपस्थिति में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को बूटी मोड़ स्थित बूटी बस्ती में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में पीएलवी अमित बड़ाईक, स्नेहलता दुबे, बेबी सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पीएलवी अमित बड़ाईक ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित "प्रोजेक्ट कर्तव्य" के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट जेल में बंद कैदियों एवं उनके परिजनों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य कमजोर वर्गों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना है। पीएलवी स्नेहलता दुबे ने राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना और मंईयां सम्मान योजना की जानकारी दी। वहीं पीएलवी बेबी सिन्हा ने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, बाल विवाह, बाल श्रम, डायन-बिसाही, पीड़ित मुआवजा तथा सड़क दुर्घटना मुआवजा जैसी योजनाओं एवं कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के उपयोग एवं इसके माध्यम से मिलने वाली विधिक सहायता पर भी चर्चा की गई। अंत में उपस्थित लोगों के बीच पंपलेट एवं लिफलेट वितरित कर उन्हें कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

नशा मुक्ति भारत अभियान रैली का आयोजन

मांडर। भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की एनएसएस इकाई द्वारा 'नशा मुक्ति भारत अभियान' के तहत बुधवार को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर कन्दरी से करकरा गाँव तक निकाली गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के डी.एस. डब्ल्यू. उपेंद्र उपाध्याय ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि, "युवा शक्ति की यही पुकार, नशामुक्त हो हमारा देश और परिवार!" उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का विकास तभी संभव है जब हमारी युवा पीढ़ी व्यसनों से दूर रहे।कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने अपने संबोधन में भावी शिक्षकों को जमीनी स्तर पर काम करने की सीख दी। उन्होंने नारा देते हुए कहा कि, "शिक्षित समाज की एक ही पहचान, नशा मुक्त जीवन और देश का सम्मान!" उनका कहना था कि एक शिक्षक ही समाज को सही और गलत का अंतर समझा सकता है।आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता ने गुणवत्तापूर्ण समाज के निर्माण पर बल देते हुए अपने संबोधन में कहा कि, "स्वस्थ शरीर और स्वच्छ विचार, नशामुक्त समाज ही है तरक्की का आधार!" उन्होंने कहा कि एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र की नींव आंतरिक शुद्धता और व्यसनमुक्ति से ही रखी जा सकती है।

GOVT. OF JHARKHAND
WATER RESOURCES DEPARTMENT
Office of the Executive Engineer,
Advance Planning Division, Ranchi.
Email:- ee.adv.plan.div.ranchi@gmail.com

Very-Short Term NOTICE INVITING QUOTATION (e-NIQ)

Notice Inviting Quotation (NIQ) are invited under Executive Engineer, Advance Planning Division, Water Resources Department, Government of Jharkhand, Ranchi from authorized suppliers registered under Government of Jharkhand for the supply of Transport (Site Visit) for training programs.

NIQ No. :-01/2026-27(3rd Call) Dated :-27.05.2026

1.	Name of Work	Supply of Transport (Site Visit) for training programs under Executive Engineer, Advance Planning Division, Water Resources Department, Government of Jharkhand, Ranchi.
2.	Cost of Bid document (Rs)	750.00/- (Seven Hundred Fifty Rupees only)
3.	Earnest Money Deposit (Rs)	9,500.00/- (Nine Thousand Five Hundred Rupees only)
4.	Bid Category	Services
5.	Mode of Submission of Bid	Online through http://jharkhandtenders.gov.in
6.	Date of publication of NIQ on website	**29.05.2026, Time- 10.00 hrs**
7.	Start date/time for Submission of NIQ on Website	**29.05.2026, Time- 10.00 hrs**
8.	Last date/time for Submission of NIQ on Website	**04.06.2026, Time- 17.00 hrs**
9.	Bid Opening Date	**05.06.2026, Time- 11.00 hrs**
10.	Submission of Bid Document Fee and EMD	(Payment should only be submitted in online mode through e-Procurement portal (WRD Jharkhand vide letter no. 907/,Date- 04/10/2023)
11.	Officer Inviting Bids	Office of the Executive engineer, Advance planning Division, Ranchi
12.	Contact No. of procurement officer	**7250760091 , 9169721424 , 9085394538**

PR No 379302(Water Resource)26-27(D)

Sd/- Executive Engineer
Advance Planning Division, Ranchi

PR.NO.380899 Water Resource(26-27):D

सुरक्षा चाक-चौबंद | पाकुड़ में बकरीद को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस

कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

पाकुड़। जिले में ईद उल अजहा त्योहार शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। पुलिस केंद्र में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों को एसपी अनुदीप सिंह ने ब्रीफ किया और ड्यूटी के दौरान सावधानी एवं सतर्कता बरतने, टीम भावना के तहत काम करने एवं दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ फ्लैग मार्च

वहीं उपायुक्त मेघा भारद्वाज एवं एसपी ने अधिकारियों और जवानों के साथ फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने लोगों से बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। मौके पर डीसी मेघा भारद्वाज ने कहा कि बकरीद त्योहार को लेकर अधिकारियों एवं जवानों को ब्रीफ किया गया है। साथ ही उनके दायित्व को भी समझाया गया है।

अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर: डीसी

त्योहार को लेकर खासकर सोशल मीडिया पर प्रशासन की पैनी नजर है और अफवाह फैलाने या कानून व्यवस्था में खलल डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश अधिकारियों एवं जवानों को दिया गया है। डीसी ने बताया कि लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं।

क्षेत्र में क्यूआरटी की तैनाती

एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि त्योहार के मद्देनजर पुलिस सभी चौक चौराहे, मस्जिद, ईदगाह के पास तैनात रहेगी। 14 स्पेशल क्यूआरटी बनाई गई है, जो इलाके में गश्त करते रहेंगे और किसी भी परिस्थिति से निपटने, सहयोग करने का काम करेंगे। पुलिस केन्द्र पाकुड़ के शहीद बलिहार मैदान में ईद-उल-जुहा (बकरीद)-2026 के शुभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय पाकुड़ के द्वारा विधि व्यवस्था संधारण हेतु गठित QRT के पुलिस पदाधिकारी/कर्मी एवं गृहरक्षक जवानों को बीरीफिंग किया गया। एसपी ने आगे कहा कि सभी थानों में शांति समिति की बैठक अधिकारियों के साथ हुई है। साथ ही जिलास्तर पर भी बैठक का आयोजन किया गया है। फ्लैग मार्च में मुख्यालय डीएसपी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी समेत जिला पुलिस जैप के जवान शामिल थे। पर्व के समय कोई अगर उदंडता करेगा तो उसपर पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई कर उसे जेल का रास्ता देखाईगी।

30 को 22 पड़हा जेठ जतरा, तैयारियां पूरी

लापुंग। लापुंग प्रखंड के 22 पड़हा के महाराज डीरा मुंडा के नेतृत्व में 30 मई को विशाल जेठ पड़हा जतरा का आयोजन किया गया है। यह निर्णय पबीरा के 22 पड़हा के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान सोमरा मुंडा, सचिव दीपक केरकेट्टा एवं बिरंची महतो की देखरेख में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। बैठक के दौरान सोमरा मुंडा ने कहा कि पड़हा जेठ जतरा के दौरान आदिवासियों की प्राचीन परंपरा एवं रीति-रिवाज तथा संस्कृति के अनुसार पड़हा के प्रतीक चिन्हों रम्पा-चल्पा हाथी-घोड़ा, टेंगरा छाता, झंडा तथा गाजा बाजा के साथ साथ खोड़हा नृत्य दल जेठ जतरा के दौरान आकर्षण का केंद्र होगा। पड़हा जेठ जतरा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है। बैठक के दौरान बिरंची महतो ने कहा कि हमारे 22 पड़हा की एकता एवं अखंडता के लिए पूरे समर्पित भाव से जतरा की तैयारी करनी है।

विचार प्रवाह यह न कहो - 'कल मैं अधिक समय तक ध्यान करूंगा।' तुम अचानक पाओगे कि तुम्हारी सदिच्छाएं पूरी होने से पहले ही एक वर्ष बीत गया। बल्कि यह कहो- 'शेष सब कुछ प्रतीक्षा कर सकता है, परंतु मेरी ईश्वर की खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' **- श्री श्री परमहंस योगानंद, 'परमहंस योगानंद के वचनामृत'**

राष्ट्रीय नवीन मेल

अलग पहचान कार्ड का जंजाल और गणना कराते गुरूजी

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भारत को इंडिया बनाने के लिए योजनाबद्ध कार्य करना जरुरी है, जिसमें हर बात पर राजनीति सबसे बड़ी बाधा है पर इसके लिए आवश्यक आंकड़े जुटाने के लिए अभी होने वाली जनगणना के साथ एक सवाल फिर उठ खड़ा हुआ है कि सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों की रूचि घटती जा रही है और मध्यान्न भोजन न हो तो नामांकन के लिए बच्चे मिलें नहीं,ऐसे में महीनों तक सिर्फ सरकारी शिक्षक ही क्यों जनगणना करेंगे? क्या इससे पढ़ाई और परीक्षाफल प्रभावित नहीं होंगे? अनेक शिक्षक संगठनों ने भीषण गर्मी और एप आधारित जनगणना में चूक पर कार्रवाई की धमकी का विरोध किया है पर किसी राजनेता ने इसपर बयान नहीं दिया क्योंकि अनेक नेताओं के निजी स्कूल समानांतर चल रहे हैं जिसके फलने-फूलने के लिए सरकारी स्कूलों की बदहाली जरुरी है। स्थिति यह है कि झारखंड में 40,000 पदों पर दूसरे चरण में भर्ती, यूपी में 90,000 से अधिक पदों पर भर्तियां प्रस्तावित हैं,बिहार में 40,000 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है,गुजरात में प्राथमिक स्कूलों में 11,000 पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया निकाली गई थी,चंडीगढ़ में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के 582 पदों के लिए विज्ञापन जुलाई 2026 तक जारी करने के निर्देश प्रशासन को दिए गए हैं। अब ऐसे में एसआइआर से लेकर पशुगणना तक करने वाले शिक्षकों के शिक्षा अधिकारी यह कहकर पल्ला झाड़ते हैं कि मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध डाटा से ड्यूटी लगाई गई है। देश में कई विद्यालय शिक्षकविहीन हो गए, तो कई में गिने-चुने शिक्षक ही सैकड़ों बच्चों को संभालते हैं। शिक्षकों के जनगणना प्रशिक्षण में लगने से अलग नामों से चलने वाला 'स्कूल चलो अभियान' भी बढ़ नहीं पाया। शिक्षकों के प्रशिक्षण में जाने से इस बार ड्रॉप आउट और नए बच्चों को दाखिला भी नहीं दिलाया जा सका। ऐसे में गरीब,दलित और पिछड़े वर्ग के लिए सरकार सार्वजनिक शिक्षण व्यवस्था को कॉन्वेंट शिक्षा के मुकाबले कैसे मजबूत करेगी? विकसित देशों में शिक्षकों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। सनातन संस्कृति में भी गुरु को गोविंद से ऊपर मान्यता प्राप्त है, पर गुरूजी गैर शैक्षणिक कार्य कर रहे हैं। अस्सी और नब्बे के दशक में पढ़े तमाम आईएएस-आईपीएस अफसर हैं, जो अपनी पढ़ाई सरकारी विद्यालयों से होने का जिक्र कर गर्व से भर उठते हैं।ऐसे अफसरों से उम्मीद यही की जानी चाहिए कि शिक्षकों के प्रति जो सम्मान इनके मन-मस्तिष्क में है, उसे वह नई पीढ़ी के दिलोदिमाग में भी गहराई तक पहुंचाने की कोशिश करें। लेकिन संभवतः अफसर भी मजबूर हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं ही नहीं, बल्कि ऐसी गणना के लिए अलग से विभाग खुले या गैर जरुरी विभागों को चुनाव ड्यूटी की तरह काम पर लगाया जाए। कस्बों में चल रहे निजी विद्यालयों के पास न मानक के अनुरूप शिक्षक हैं और न ही भवन, पर वे सरकारी शिक्षण और रिजल्ट में इन्हें चुनौती दे रहे हैं। जबकि सम्मानजनक वेतनमान के साथ मानक के अनुरूप प्रशिक्षित शिक्षक भी सरकारी सेवा में हैं और बीते कुछ वर्षों में छात्र-शिक्षक अनुपात सुधरा है। यूडायस पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में देशभर में कुल 1.01 करोड़ शिक्षक हैं, जिन पर 24.69 करोड़ बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी है। इनमें से 50.87 फीसदी शिक्षक सरकारी विद्यालयों के हैं। कुल संख्या के 49.24 फीसदी बच्चों का भविष्य इन्हीं के हाथ है। अभिभावकों की मंशा यह होती है कि उनका बच्चा नियमित विद्यालय जाए, पर सरकारी विद्यालयों में आए दिन किसी न किसी कार्यक्रम के चलते व्यवधान उन्हें खटकता है।इसी वजह से अप्रशिक्षित शिक्षक और मानकविहीन भवन होने के बावजूद निजी विद्यालय सफल हो रहे हैं। बच्चों का रुझान सरकारी विद्यालयों की ओर बढ़े, इसके लिए सरकार को चाहिए कि वह शिक्षकों को पढ़ाई से इतर कार्यों से दूर ही रखे।सरकार उन कर्मचारियों को इन कामों में लगा सकती है, जो फील्ड से जुड़े काम कर रहे हैं। ग्रामीण इलाकों पर सरकार ने ध्यान केंद्रित कर सरकारी विद्यालयों को कॉन्वेंट जैसा स्वरूप देने की पहल की। सुधार की तमाम योजनाएं चला कर स्कूलों का कायाकल्प किया। लेकिन अब तक उसके सकारात्मक नतीजे नहीं आए हैं। जब तक शिक्षकों को नियमित शिक्षण कार्य से जोड़े रखने की चेतना नहीं आएगी, सरकारी शिक्षा व्यवस्था यों ही डगमगाती रहेगी। इसके लिए भी पहल शासन को ही करनी होगी। पढ़-लिखकर नीति निर्धारण के लायक बने अफसरों को भी शिक्षण कार्य की गंभीरता को समझना होगा। सबकी सोच यही होनी चाहिए कि जो शिक्षक हैं, उन्हें शिक्षक ही बने रहने दें। एक समाधान और भी हो सकता है कि आधार कार्ड,वोटर आईडी कार्ड जैसे दर्जनों कार्ड के बजाय एक नागरिक कार्ड हो जिसमें हर बात ऑनलाइन दर्ज होने पर डेटाबेस अपने आप अपडेट होता जाएगा जबकि अभी जन्म-मृत्यु से लेकर हर डेटा के जंजाल में करोड़ों मानवसंपदा हम व्यर्थ गंवा रहे हैं।

सीवर में मौत का खेल...

- बिहार के वैशाली में एक सेप्टिक टैंक के भीतर एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत।
- छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक अस्पताल के सेप्टिक टैंक के भीतर तीन कर्मचारियों की मौत।
- मध्य प्रदेश के इंदौर में बचाव कार्य के दौरान सीवर कर्मचारियों की मौत।
- दिल्ली के सीमापुरी में एक संविदा सफाई कर्मचारी की मौत, जिसे कथित रूप से खतरनाक खुले नाले की सफाई के लिए मजबूर किया गया।
- हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में ठेकेदारों और नगर निकायों के सफाई कार्यों के दौरान हुई कई सीवर मौतें।
- औद्योगिक ड्रेनेज टैंकों और सीवेज चैम्बरों में बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के काम करते हुए प्रवासी मजदूरों की मौतें।

आज की बात

कुमार कृष्णन

अनौपचारिक और आउटसोर्स ठेकेदारी व्यवस्था भी श्रम उल्लंघनों और मौतों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैनुअल स्कैवेंजिंग की निरंतरता गहरे जातिगत भेदभाव, श्रम शोषण, प्रशासनिक लापरवाही, सुरक्षा मानकों के कमजोर क्रियान्वयन और सरकारों तथा नागरिक निकायों द्वारा बार-बार वादों के बावजूद मशीनीकृत सफाई व्यवस्था लागू न करने की विफलता को दर्शाती है

ये मौतें उस समय हो रही हैं जब "मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013" के तहत खतरनाक मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कानूनी प्रतिबंध लागू है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मशीनीकरण और मुआवजे को लेकर कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं तथा सरकारें बार-बार मैनुअल स्कैवेंजिंग समाप्त करने के दावे करती रही हैं। भारत में, हाथ से मैला ढोने वालों की गरिमा और बुनियादी अधिकारों की लड़ाई अभी भी जारी है। किए गए वादे भुला दिए गए हैं। मार्च–मई 2026 के दौरान विभिन्न राज्यों से सामने आई सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों की चिंताजनक श्रृंखला की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई। केवल इन तीन महीनों के दौरान ही कम-से-कम 36 सफाई कर्मचारियों की सीवर, सेप्टिक टैंक, नालों और सीवेज चैम्बरों की सफाई करते समय अत्यंत असुरक्षित और अवैध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। ये मौतें बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से रिपोर्ट की गईं। मृतक कर्मचारी मुख्यतः वाल्मीकि समुदाय और अन्य ऐतिहासिक रूप से हाशिये पर रहे समुदायों या प्रवासी मजदूरों से थे तथा अधिकांशतः अनौपचारिक ठेकेदारी व्यवस्था के माध्यम से कार्यरत थे, जो नगर निकायों, निजी संस्थानों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों को जवाबदेही से बचाती रहती है। लगभग हर मामले में कर्मचारियों को ऑक्सीजन सिलेंडर, ब्रीदिंग अपरेटस, गैस डिटेक्टर, सुरक्षा पोशाक, हार्नेस या आपातकालीन बचाव प्रणाली के बिना अत्यधिक जहरीले बंद स्थानों में उतरने के लिए मजबूर किया गया। इनमें से कई मौतों में एक ही भयावह ढंग देखने को मिला, जो भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों में आम है: एक कर्मचारी चैम्बर में उतरता है और जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण बेहोश होकर गिर जाता है, जिसके बाद अन्य कर्मचारी उसे बचाने के प्रयास में अंदर जाते हैं और वही असुरक्षित परिस्थितियां उनकी भी जान ले लेती हैं। यह लगातार दोहराई जाने वाली "रेस्क्यू-चेन फेटैलिटी" स्थिति बुनियादी बंद-स्थान सुरक्षा प्रोटोकॉल की पूरी अनुपस्थिति को उजागर करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति को पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बिना सीवर या सेप्टिक टैंक में नहीं उतारा जाना चाहिए तथा सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों के लिए 30 लाख रुपए मुआवजे का निर्देश दिया है। इसके बावजूद पूरे देश में खतरनाक मैनुअल एंट्री बिना किसी जवाबदेही के लगातार जारी है। केंद्र

सरकार ने स्वयं संसद में जानकारी दी कि 2017 से लेकर 2026 की शुरुआत तक 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कार्यों के दौरान 622 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई। सरकार ने आगे बताया कि--2021 से 2025 के बीच खतरनाक सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कार्यों में 317 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई;अप्रैल 2026 तक नमस्ते योजना के तहत 89,248 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की प्रोफाइलिंग की गई।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद 52 प्रभावित परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिला था। वास्तविक मौतों की संख्या संभवतः इससे कहीं अधिक है क्योंकि अनेक मौतों को मैनुअल स्कैवेंजिंग मौतों के बजाय सामान्य कार्यस्थल दुर्घटना के रूप में दर्ज कर दिया जाता है। अनौपचारिक और आउटसोर्स ठेकेदारी व्यवस्था भी श्रम उल्लंघनों और मौतों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैनुअल स्कैवेंजिंग की निरंतरता गहरे जातिगत भेदभाव, श्रम शोषण, प्रशासनिक लापरवाही, सुरक्षा मानकों के कमजोर क्रियान्वयन और सरकारों तथा नागरिक निकायों द्वारा बार-बार वादों के बावजूद मशीनीकृत सफाई व्यवस्था लागू न करने की विफलता को दर्शाती है। म्युनिसिपल वर्कर्स लाल झंडा यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष धर्मेंद्र भाटी बताते हैं कि , " सरकार दावा करती है कि सफाई कार्य का मशीनीकरण हो चुका है, लेकिन ज़मीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। इस काम से सीवर कर्मचारियों का स्वास्थ्य सबसे अधिक प्रभावित होता है। पहले हर महीने लगभग 10–13 मौतें होती थीं, लेकिन अब 15–20 मौतें सामने आ रही हैं। मार्च के महीने में सीवर के भीतर जहरीली गैसें काफी बढ़ जाती हैं।""दिल्ली जल बोर्ड में ठेकेदारी व्यवस्था सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। 1998 में डीजेबी में लगभग 36,000 स्थायी कर्मचारी थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर लगभग 10,000 रह गई है। सरकार संविदा सीवर कर्मचारियों की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। उन्हें न्यूनतम वेतन, सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण, ईएसआई कार्ड और नियमित स्वास्थ्य जांच तक नहीं मिलती। पहले हर छह महीने में स्वास्थ्य जांच होती थी, लेकिन अब कर्मचारियों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। सीवर कर्मचारी हर दिन जहरीली गैसों के संपर्क में आते हैं, जिससे वे गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।"उनके अनुसार "यदि कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन मिलता, तो वे रविवार या खाली समय में मात्र 400–500 रुपये प्रतिदिन के लिए सीवर में उतरकर अपनी जान जोखिम में नहीं डालते। मृत कर्मचारियों के परिवारों को निश्चित समयसीमा के भीतर मुआवजा मिलना चाहिए, क्योंकि कई परिवार अंतिम संस्कार तक करने में असमर्थ होते हैं। सभी सीवर कर्मचारियों को डीजेबी में स्थायी नौकरी दी जानी चाहिए, संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाना चाहिए और सरकार व प्रशासन को उनके कल्याण के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।" अधिवक्ता कवलप्रीत कौर के अनुसार, दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच की रिपोर्ट के अनुसार केवल तीन महीनों में 36 सीवर कर्मचारियों की मौत हुई, यानी हर महीने औसतन 12 मौतें। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013 और कई अदालती फैसलों के बावजूद ये मौतें जारी हैं।

सफाई कर्मचारियों की लगातार मौतें भारत में जाति-आधारित संरचनात्मक हिंसा के सबसे गंभीर और स्थायी रूपों में से एक हैं। ये कर्मचारी कोई उपेक्षित मजदूर नहीं हैं। वे ऐसे इंसान हैं जिन्हें गरिमा, समानता, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और संवैधानिक संरक्षण का अधिकार है। मार्च से मई 2026 के बीच दर्ज हुई मौतें यह साबित करती हैं कि कानूनी प्रतिबंध, अदालती निर्देशों और उन्मूलन के सरकारी दावों के बावजूद सीवर और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक मैनुअल सफाई जारी है। जब तक सख्त जवाबदेही, पूर्ण मशीनीकरण, व्यापक पुनर्वास, व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा और जाति-आधारित सफाई श्रम व्यवस्था को समाप्त करने के गंभीर प्रयास नहीं किए जाते, तब तक सफाई कर्मचारी ऐसे खतरनाक कार्य करते हुए मरते रहेंगे जिनके लिए किसी भी इंसान को कभी सीवर में उतरने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच ने केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, न्यायपालिका, मानवाधिकार संस्थाओं तथा नागरिक समाज से अपील की है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को दोबारा अपनी आजीविका कमाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर सीवर या सेप्टिक टैंक में उतरने के लिए मजबूर न होना पड़े।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कब तक चलेगी यह मनमानी ?

अलग बात

राजीव थेपड़ा

निजी स्कूलों द्वारा फीस लिए जाने और न लिए जाने की बातों पर बरसों से लगातार चर्चाएं ही चर्चाएं हो रही हैं, किन्तु समाधान कोई नहीं निकल पा रहा है। अभिभावकों की दलील है कि जब उनमें से कोई कमा ही नहीं रहा तो वह फीस कैसे भरें और स्कूल की दलील है कि जब उनके पास ही नहीं आएगी, तो वह अपने कर्मचारियों को वेतन कैसे देंगे। देखे जाने पर स्कूल प्रबंधनों की यह दलील अपने आप में काफी मासूमियत से भरी और लॉजिकल तथा लीगल नजर आती है, किंतु मामला इतना आसान नहीं है। देखने वाली बात यह है कि इस विषय पर यह देखा जाना भी बेहद जरूरी है कि जब देश का हर वर्ग अपनी आमदनी के खत्म हो जाने से परेशान है तथा हर तरह का व्यापार वर्ग भी अपनी आमदनी के खत्म हो जाने से अपने अपने स्तर के हिसाब से घाटे में है। तो फिर केवल स्कूलों को फायदा कैसे मिल सकता है? यह तो वही बात हुई कि तालाब की बाकी मछलियां मरें तो मरें, लेकिन बड़ी मछलियों को भोजन चाहिए और वह यहाँ तक कि उन्हें किसी भी हाल में चाहिए!! क्योंकि वह जिंदा कैसे रहेंगे ? यह दलील अपने आप में बेहद अजीबोगरीब दलील है, क्योंकि हम में से हर कोई पढ़ा-लिखा एवं जागरूक आदमी यह जानता है कि स्कूलों द्वारा ट्यूशन फीस के अलावा न जाने कितनी ही मदों में फीस ली जाती रही है और जो स्कूल जितने भी बरस से स्कूल चला रहा है वह उतने ही बरसों से उन मदों के पैसे अपने अकाउंट में हर छात्र से भरवा रहा है और यह उनमें से बहुत सारी मदें तो बिल्कुल अनिवार्य भी नहीं है और यहां तक कि उन मदों में बहुत सारी मदें तो बेहद अजीबोगरीब भी हैं! इसकी डिटेल में जाने का कोई मतलब नहीं, क्योंकि हममें से हर किसी के पास स्कूलों द्वारा दी जाने वाली फीसबुक बाक़ायदा हमारे हाथों में है और उन फीसबुकों में तरह-तरह की मदों का बाकायदा ब्योरा है और वह मदें दर्जनभर के लगभग हैं। तो हम किसी भी हाल में यह नहीं मानते कि की तारीख में किसी स्कूल प्रबंधन को स्कूल फीस न लिए जाने पर बहुत जबरदस्त नुकसान होने की संभावना है, क्योंकि उनके पास तरह-तरह की मदों में जमा किया गया काफ़ी धन पहले से ही जमा है, इसलिए जब दो महीनों में बाकी का अन्य वर्ग अपनी तमाम तरह की कमाई लुटा कर भी और नुकसान सहकर भी जिंदा रह सकता है, तो स्कूल क्यों नहीं जिंदा रह सकते हैं? अगर स्कूलों द्वारा किसी भी तरह की फीस लिया जाना जायज कहा जा सकता है, तो वह केवल ट्यूशन फीस लिया जाना जायज है। अगर वह ऐसा करते हैं, तब तक तो किसी हद तक इसे जायज तर्कसंगत और लीगल माना जा सकता है। इससे अधिक स्कूलों की कोई भी दलील बेबुनियाद और बिल्कुल ग़ैरजायज़ ही कही जाएगी ,यह मेरा सुविचारित मत है। स्कूलों के प्रबंधन लगातार यह बात भी कह रहे हैं कि स्कूल फीस के अलावा उनकी और कोई आमदनी का स्रोत नहीं है, तो यह बात तो देश के हर नागरिक के साथ लागू होती है। हर नागरिक जो काम वह कर रहा है, उसके पास भी उस आमदनी के अलावा आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं है और हरेक बिजनेसमैन के भी अपने-अपने स्तर पर उतने ही खर्चे हैं ,जितने खर्चे स्कूलों के पास है, ऐसे में अगर एक बिजनेसमैन अपने समूचे लाभों को खोकर भी यदि अपने कर्मचारियों को आधी या पूरी तनख्वाह देता है, तो बिल्कुल यही तर्क स्कूलों के ऊपर भी लागू होता है। वे भी अपने कर्मचारियों को इन दो महीनों की आधी तनख्वाह दे सकते हैं और चुँकि स्कूल किसी ट्रस्ट के तहत गैर लाभ गैर हानि की तर्ज पर नहीं चलाए जाते, बल्कि वह विशुद्ध व्यापारिक संस्थानों की तरह चलते हैं और यह बात ख़ास तौर पर निजी स्कूलों पर पूरी तरह से लागू होती हैं, इसलिए इस मुद्दे पर स्कूलों द्वारा दी गई दी जा रही किसी भी दलील से हम पूर्णतया असहमत हैं। अब रही स्कूलों द्वारा ऑनलाइन क्लासेज लिए जाने की बात तो ऑनलाइन क्लासेस 1000 से लेकर 1200 तक की होती है, तो वह फीस बाकायदा स्कूल प्रबंधन अभिभावकों से ले सकता है और उसके लिए संभवतः है हममें से अधिकतर अभिभावक राजी भी होंगे। लेकिन इसके अलावा कोई भी बात वह करते हैं तो वह बिल्कुल नाजायज होगी । और अगर स्कूल ऐसा कहते हैं तो इसका मतलब यह भी है कि इस देश के 130 करोड़ लोग बेशक भाड़ में जाए, लेकिन स्कूलों को उनकी कमाई मिलनी ही चाहिए । स्कूलों का प्रबंधन कहता है कि स्कूल कार्य सेवा-कार्य हैं।

(बहुत सारे अभिभावकों के साथ हुई बातचीत के ऊपर आधारित मेरी यह बात)

आपकी बात

वीर सावरकर राष्ट्रभक्ति व स्वाभिमान के प्रतीक

संजय सर्राफ

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, ओजस्वी साहित्यकार एवं कवि विनायक दामोदर सावरकर की जयंती प्रतिवर्ष 28 मई को मनाई जाती है। उनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगूर गांव में हुआ था। वीर सावरकर केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के लेखक, इतिहासकार, कवि, समाज सुधारक और दूरदर्शी विचारक भी थे। उनकी जयंती राष्ट्रप्रेम, त्याग, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देने वाला दिवस माना जाता है।वीर सावरकर ने कम उम्र में ही देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का मार्ग चुन लिया था। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध युवाओं में क्रांतिकारी चेतना जागृत करने के लिए अभिनव भारत संगठन की स्थापना की। बाद में वे इंग्लैंड गए, जहां उन्होंने भारत की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद की। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक-1857 का स्वातंत्र्य समर ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। अंग्रेज सरकार ने इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया था, क्योंकि इसमें 1857 की क्रांति को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताया गया था।वीर सावरकर का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्हें अंग्रेजों ने दो-दो आजीवन कारावास की कठोर सजा देकर अंडमान निकोबार की सेल्युलर जेल भेज दिया था।वहां उन्होंने अमानवीय यातनाएं सहते हुए भी अपने राष्ट्रभक्ति के संकल्प को कभी कमजोर नहीं होने दिया। जेल में रहते हुए उन्होंने अनेक कविताएं और लेख लिखे, जिन्हें साथी कैदी याद करके बाहर तक पहुंचाते थे। उनकी लेखनी में राष्ट्रप्रेम, आत्मबल और सामाजिक जागरण की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। वीर सावरकर जयंती मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को देशभक्ति, साहस, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है। उन्होंने जाति-पांति और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध किया तथा हिंदू समाज में एकता पर बल दिया। वे शिक्षा, संगठन और आत्मनिर्भरता को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

अर्श से फर्श पर क्यों और कैसे पहुंचे अभिषेक बनर्जी ?

देश की बात

सत्येंद्र प्रताप सिंह

इस विषय की शुरुआत एक कविता की इन पंक्तियों से करना उपयुक्त होगा। ये पंक्तियां अभिषेक बनर्जी की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती हैं-

वो जो चलते थे तो शेर के चलने का होता था गुमान उनको भी पांव उठाने के लिए सहारे को तरसते देखा है।

अभिषेक बनर्जी रोड शो के लिए राष्ट्रीय राज मार्ग और राज मार्ग का ही ज्यादातर इस्तेमाल करते थे। सड़कें चौड़ी, दोनों तरफ सुरक्षाकर्मियों का सख्त पहरा में जेड प्लस से भी अतिरिक्त सुरक्षा लेकर गाड़ियों का जब इनका काफिला निकलता था तो लगता था कि कोई राष्ट्राध्यक्ष या राष्ट्रप्रधान जा रहा है। भाषण भी तेजाबी जुबान का होता था। तारीख व समय के साथ प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक को देख लेने की धमकी भरी चुनौती देते थे। अपनी पार्टी के सांसद, विधायक तो दूर वरिष्ठ नेताओं को भी पास नहीं फटकने देते थे। सुरक्षा घेरा इतना तगड़ा था कि कोई पहुंच भी नहीं सकता था।

बंगाल में नई भाजपा सरकार बनने के बाद स्थिति बदली है। अब तक कई प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाइयां सामने आई हैं। सरकार बदलने के बाद सबसे पहले जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली गई। इसके बाद उनके आवास से कई सरकारी सुरक्षा उपकरण भी हटाए गए। जिसमें एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पर दिखने वाले बड़े स्कैनर मशीन।

कोलकाता स्थित उनके बहुचर्चित आवास "शांतिनिकेतन" पर पुलिस की टीम पहुंची और वहां से मॉनिटर व हार्ड डिस्क लेकर गई। नई सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा उपकरण वापस लेने की प्रक्रिया थी। गेट पर अभी साधारण सुरक्षा के तहत कुछ पुलिसकर्मी तैनात हैं लेकिन अब वह सख्ती नहीं है कि कोई वहां खड़ा भी नहीं हो सकता।

कोलकाता नगर निगम ने उनके परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों की लगभग 17 संपत्तियों की दोबारा जांच शुरू की है। आरोप है कि कुछ भवनों में नक्शे से अलग निर्माण और आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग की शिकायतें हैं। टैक्स बकाया और निर्माण अनियमितताओं की भी जांच चल रही है।

अभिषेक बनर्जी के बुरे समय में पार्टी का एक भी कोई नेता आगे आकर इनके पक्ष में बयान नहीं दे रहा है। बढ़ती कार्रवाई से परेशानहाल अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाइकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को अंतरिम राहत देते हुए 31 जुलाई तक किसी भी कठोर कार्रवाई से संरक्षण दिया है। अभिषेक बनर्जी पर वैसे भी पिछले कुछ वर्षों में कई जांच और मुकदमे दर्ज हुए हैं। इनमें मुख्य रूप से ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच शामिल रही है।

पशु तस्करी मामला : ईडी और सीबीआई ने सीमा पार पशु तस्करी से जुड़े मामले में अभिषेक बनर्जी की पत्नी और रिश्तेदारों से पूछताछ की थी। आरोप था कि इस नेटवर्क से जुड़े लोगों के साथ आर्थिक लेन-देन हुआ। हालांकि, अभिषेक बनर्जी ने सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया।

कोयला घोटाला मामला : पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन और तस्करी के मामले में ईडी ने कई बार पूछताछ की। जांच एजेंसियों का दावा था कि अवैध वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क सक्रिय था।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सीधे आरोपी के रूप में नाम नहीं होने के बावजूद भाजपा और विपक्ष लगातार तृणमूल नेतृत्व पर सवाल उठाते रहे। इस मामले में पार्टी के कई नेताओं और मंत्रियों की गिरफ्तारी हुई थी।

संपत्ति और अवैध निर्माण जांच : हाल में कोलकाता नगर निगम ने अभिषेक बनर्जी से जुड़ी संपत्तियों को लेकर नोटिस जारी किए और जांच शुरू की। रिपोर्टों के अनुसार कुछ संपत्तियों के दस्तावेज और निर्माण नियमों की जांच की जा रही है।

मानहानि और राजनीतिक मुकदमे : भाजपा नेताओं और तृणमूल नेताओं के बीच कई मानहानि के मुकदमे भी चले हैं। अभिषेक बनर्जी ने कई मामलों में अदालत का रुख किया और कुछ मामलों में विपक्षी नेताओं को बयान वापस लेने पड़े।

बहरहाल, राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद यदि किसी एक नेता पर सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, तो वह निस्संदेह अभिषेक बनर्जी हैं। कभी सत्ता और संगठन दोनों में बेहद प्रभावशाली माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी आज राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों के चलते पहले जैसी आक्रामक भूमिका में दिखाई नहीं देते।

ऐसे में समापन भी उसी कविता की इन पंक्तियों से-

जिनकी आवाज में कभी बिजली कड़कने का होता था भरम
उनके होंठों पर भी आज जबरन चुप्पी का ताला लगा देखा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

हमारे विचार महान और वचन मधुर हों यह हम अवश्य करें

स्वामी चिन्मयानंद

शरीर के तनावरहित क्षणों में आन्तरिक सूक्ष्म सृजन शक्ति प्रकट होती है। उसके द्वारा हम अपने मन की कुरूपताओं को दूर कर उसे सुन्दर भावों से अनुरंजित कर सकते हैं। हमारे व्यक्तित्व में इस समय जंगली झाड़-झंखाड़ खड़े हैं, नुकीले कांटे उग रहे हैं, विषैले नाग और कीड़े रेंग रहे हैं। हम ध्यान के समय इन सबको साफ कर इस स्थान पर संगधित पुष्प और रसीले फलों से भरपूर उपवन लगा सकते हैं। शुद्ध और सद्गुण से भरे हृदय में शक्ति और सदाचार का उद्भव होता है। अमर कवि शेक्सपियर के शब्दों में "अकलुषित हृदय से अधिक शक्तिशाली कवच क्या होगा ?" हम अपने चरित्र को इतना अधिक शुद्ध और सशक्त अवश्य बनावें जिससे अपने संघर्ष के क्षणों में हमारे अन्दर इतनी शक्ति रहे कि सभी चुनौतियों का सामना सरलता से कर सकें और हृदय को शान्त रखते हुए सदा उत्साहित और साहसी बने रहें। हमारे विचार महान और वचन मधुर हों यह हम अवश्य करें। हम अपने मन से ईर्ष्या निकाल दें। अपना स्वभाव प्रेमपूर्ण अवश्य बनावें। अपने शारीरिक सम्बन्धों पर अनुशासन रखें। दृढ़ रहें। यह अवश्य करें। जिन वस्तुओं और व्यक्तियों को, स्थितियों और घनटाओं को हम अपने दिव्य जीवन का साधन और साध्य समझते हैं उनका बौद्धिक मूल्यांकन बहुत व्यवस्थित रखें। हम यह अवश्य करें। हम अपने असंयमित वचनों और कर्मों से किसी के मन को विक्षुब्ध न करें। हमारा जीवन उदात्त और गौरवपूर्ण, शान्त और समरस रहे। हमारे समस्त कार्य ताल और लययुक्त हों, वे हमारे अपने लिए और जगत के लिए उपयोगी सिद्ध हों। परमात्मा में विश्वास रख कर हम इस लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहें। हम यह दिव्य जीवन अवश्य जिएं।

-पुस्तक अवश्य करें से साभार

आज का दोहा

झूठ न झूठा सा लगे, सत्य जहां संदिग्ध।
सारे ग्राहक नामजद, खुद अपने में बिद्ध।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सीमावर्ती इलाकों में शाह की 360 डिग्री सुरक्षा योजना

- शाह ने बीकानेर में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी। जयपुर

भारत-पाकिस्तान सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के तौर पर राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ, अवैध गतिविधियों, साइबर अपराध और सीमा पार से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए एक व्यापक '360-डिग्री सुरक्षा योजना' तैयार की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीकानेर में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसका मुख्य फोकस पाकिस्तान से सटे राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना था।

बैठक के दौरान घुसपैठ, अवैध गतिविधियों, साइबर अपराध और सीमा पार नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए एक व्यापक '360-डिग्री सुरक्षा योजना' तैयार की गई। सीमा सुरक्षा बल, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, राजस्थान पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने इन चर्चाओं में हिस्सा लिया।

सीमावर्ती जिलों में साइबर और अवैध नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एक बड़े प्रशासनिक कदम के तहत जिला मजिस्ट्रेटों को 'शेल कंपनियों', संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और उन म्यूल खातों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के लिए ज्यादा अधिकार दिए गए, जिनका कथित तौर पर साइबर धोखाधड़ी और अवैध फंडिंग के कामों में इस्तेमाल किया जाता है।

अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया गया कि वे संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में चल रहे नकली आधार कार्ड बनाने वाले गिरोहों और संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क की जांच करें। बैठक में साइबर अपराध से निपटने के उपायों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि त्वरित प्रतिक्रिया और आम लोगों की मदद के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन '1930' का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। अमित शाह ने देश के नए आपराधिक कानूनों को सख्ती से लागू करने का भी निर्देश दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन कानूनों का प्रभावी ढंग से पालन हो जिला प्रशासन, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने का आह्वान किया। अधिकारियों के अनुसार, इसी तरह के सुरक्षा और अतिक्रमणरोधी उपाय इससे पहले बिहार के सीमांचल क्षेत्र में भी लागू किए गए थे, जहां अवैध रूप से बनाई गई संपत्तियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई थी।

नीट पेपर लीक मामले में दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार

- तेजस शाह पुणे की मेडिकल अकादमी में फिजिक्स फैकल्टी हैं
- सीबीआई अब तक 49 स्थानों पर छापेमारी कर चुकी है

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या बढ़कर 13 हो गई है। सीबीआई के अनुसार, लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने आरोपी कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी.वी. कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, उन्हें नीट-यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। सीबीआई ने बताया कि मामले में साजिश की पूरी कड़ी और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच लगातार जारी है। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही गई थी। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने विशेष जांच दल गठित किए और देश के कई राज्यों में एक साथ छापेमारी की। जांच के दौरान कई संदिग्धों से पूछताछ भी की गई। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर से 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसआइआर पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

चुनाव आयोग को एसआइआर करने का है संवैधानिक अधिकार

- अदालत की राय में एसआईआर के दौरान उठाए गए कदम जरूरत के मुताबिक थे।

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में निर्णय दिया।

याचिकाओं में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे एसआईआर की वैधता को चुनौती दी गई थी। अदालत को यह तय करना था कि क्या चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उससे जुड़े नियमों के तहत वर्तमान स्वरूप में एसआईआर कराने का अधिकार है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत ने कई महत्वपूर्ण सवालों पर विचार किया। इनमें यह भी शामिल था कि क्या चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का संवैधानिक अधिकार है और क्या एसआईआर के जरिए आयोग नागरिकता तय करने की कोशिश कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अगर चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का अधिकार है, तो यह भी देखना होगा कि उसकी प्रक्रिया क्या होगी। हालांकि, केवल प्रक्रिया को लेकर उठाए गए सवालों के आधार पर पूरे एसआईआर को अवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी हैं।

पीठ ने यह भी कहा कि यह सवाल उठाया गया कि क्या इस समय एसआईआर कराने की कोई वैध आवश्यकता है। अदालत की राय में एसआईआर के दौरान उठाए गए कदम जरूरत के मुताबिक थे।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एसआईआर बिहार में चुनाव प्रक्रिया और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के संवैधानिक दायित्व से ध्यान नहीं भटकाता। उन्होंने मतदाताओं पर खुद को साबित करने का बोझ डालने वाली दलील को भी खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने पुराने निवास स्थान से कहीं और रहने लगा है, तब भी वह पुरानी एसआईआर प्रक्रिया से बाहर नहीं हो जाता। उसका या उसके परिवार का नाम पुराने रिकॉर्ड में मौजूद होगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

संवैधानिक और नैतिक हार : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लागू करने का निर्णय लिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यह पुनरीक्षण चुनाव आयोग की संवैधानिक और वैधानिक शक्तियों के दायरे में है और इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया की शुद्धता बनाए रखना है। फैसले के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इसे लोकतंत्र की संस्थाओं पर विपक्ष के हमलों की नाकामी के रूप में पेश किया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज सर्वोच्च न्यायालय ने एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पूर्णतः बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावों में राजनीतिक दृष्टि से करारी हार मिलने के बाद, अनर्गल बयानों और अफवाहों के बावजूद जनता से किसी भी प्रकार का समर्थन न मिलने के पश्चात मुझे लगता है कि अब विपक्ष, खासकर कांग्रेस पार्टी, नैतिक और संवैधानिक दोनों मोर्चों पर भी पूरी तरह पराजित हो चुकी है।

फरार टीएमसी विधायक बंगाल पुलिस की गिरफ्त में

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को फरार तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से हिरासत में ले लिया। दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिलीप मंडल को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक होटल से हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, दिलीप मंडल को ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया जा रहा है। हाल ही में बिष्णुपुर के विधायक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी है। वीडियो में आरोप है कि दिलीप ने एक अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को धमकी दी थी। इस घटना को लेकर विधायक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। धमकी देने के आरोपों के आधार पर पुलिस ने गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

ईडी की छापेमारी पर पिनारयी विजयन का पलटवार

राहुल गांधी जैसे को मिलेगी संतुष्टि

एजेंसी। नई दिल्ली

अपने आवासों पर ईडी की तलाशी पर केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईडी लंबे समय से मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को, खासकर राहुल गांधी जैसे लोगों को, बहुत संतुष्टि मिलेगी। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि पिनारयी विजयन के घर पर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर जानबूझकर हमले करती रही है। इसके खिलाफ देश भर में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रुख यह है कि ईडी द्वारा अपनी पार्टी के अलावा अन्य पार्टियों के खिलाफ की गई दखलअंदाजी जारी रहनी चाहिए। इससे हमारा अंत नहीं होने वाला है। हम इसे सिर्फ एक शुरुआत मानते हैं। किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसी कार्रवाइयां हमें मिटा सकती हैं। यहां स्थानीय लोगों और पार्टी साथियों की भावनाएं व्यक्त की गईं। जब भी दुश्मनों ने मुझ पर हमला करने की तैयारी की, मुझे पार्टी का मजबूत समर्थन मिला। यही हमारी ताकत है। आइए हम सब मिलकर हर चुनौती का सामना करें। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को सीएमआरएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन, उनके दामाद पी ए मोहम्मद रियास और कई अन्य लोगों के आवासों पर तलाशी ली। केरल भर में कुल 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है।

पूर्व सीएम विजयन के आवास के बाहर ईडी अधिकारियों पर हमला, की तोड़फोड़

नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम में पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष पिनाराई विजयन के आवास के बाहर उस वक्त भारी हंगामा मच गया, जब सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों की गाड़ी पर हमला कर दिया। ये कार्यकर्ता केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) मामले में केरल के 10 ठिकानों पर एजेंसी द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया था। तिरुवनंतपुरम में भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है। जानकारी के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास पर छापा पूरा कर लिया था और जब वे वहां से निकल रहे थे, तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके वाहनों को रोक दिया।

घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी न करें : राजनाथ सिंह

- मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उत्कृष्ट कार्य किया है

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान- अमेरिका संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात और उसके भारत पर संभावित प्रभावों को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। इसी क्रम में बुधवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में मंत्रियों के अनौपचारिक अधिकार प्राप्त समूह (आईजीओएम) की एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस दौरान देशवासियों से अपील की गई है कि वे किसी घबराहट में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी न करें। सरकार का कहना है कि देश में सप्लाई चैन की स्थिति सामान्य बनी हुई है। बैठक में पश्चिम एशिया में उभरते सुरक्षा परिदृश्य, भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार मार्गों, परिवहन व्यवस्था तथा आवश्यक सेवाओं पर संभावित प्रभावों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। फिलहाल दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की स्थिति है, लेकिन फिर भी क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। बैठक के उपरांत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती की समीक्षा के लिए मंत्रियों के अधिकार प्राप्त समूह (आईजीओएम) की छठी बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने उत्कृष्ट कार्य किया है।

एआई से राशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति की हुई बैठक

25,530 करोड़ की 'सार्थक' पीडीएस योजना मंजूर

- एआई, मशीन लर्निंग, एनएलपी और ब्लॉकचेन तकनीक का होगा उपयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में राशन परिवहन और हैंडलिंग-आय में स्वचालन के लिए सहायता योजना (सार्थक पीडीएस) को अगले पांच वर्षों के लिए एक अंब्रेला योजना के रूप में जारी रखने को मंजूरी दे दी। इस योजना के लिए केंद्र सरकार की हिस्सेदारी के तौर पर 25,530 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीसीईए ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा खाद्यान्नों की राज्य के भीतर आवाजाही और हैंडलिंग पर किए गए खर्च, एफपीएस डीलरों के मार्जिन को पूरा करने के लिए केंद्रीय सहायता के मानदंडों को संशोधित करने और केंद्रीय सहायता के मौजूदा फंडिंग पैटर्न को जारी रखने का भी निर्णय लिया है।

बयान में कहा गया है कि इस योजना को 16वें वित्त आयोग की आबंटन अवधि में एक 'अम्ब्रेला योजना' के रूप में तैयार किया गया है। यह योजना एनएफएसए के तहत खाद्यान्नों के अंतर-राज्यीय आवागमन और एफपीएस डीलरों के मार्जिन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिकीकरण और सुधार की योजना (स्मार्ट पीडीएस) को एकीकृत करती है, ताकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (एनएफएसए) के कार्यान्वयन को व्यापक रूप से मजबूत किया जा सके। सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य अंतरराज्यीय आवागमन, हैंडलिंग और एफपीएस डीलर के मार्जिन के लिए सुनिश्चित वित्तीय सहायता प्रदान करना।

ब्लॉकचेन तकनीक से लैस होगी 'सार्थक पीडीएस' योजना

एक एकीकृत, नागरिक-केंद्रित, बुद्धिमान और अंतरसंचालनीय पीडीएस संरचना प्रदान करना है, जो अंतिम दूरी तक वितरण सुनिश्चित करती है। लीकेज को कम करती है और एनएफएसए के तहत खाद्य सुरक्षा के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह एकीकृत योजना 31 मार्च, 2031 तक संचालित रहेगी। सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), स्वाभाविक भाषा प्रसंस्करण और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पीडीएस संचालन को आधुनिक बनाना, एकीकृत करना और बुद्धिमत्तापूर्वक अनुकूलित करना है। एआई-संचालित शिकायत और विश्लेषण प्रणाली, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आईएसओ-प्रमाणित प्रसंस्करण संरचनाएं तैयार की गई हैं।

दृष्टिपात

पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका काकोली घोष ने टीएमसी से दिया इस्तीफा

कोलकाता। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका देते हुए टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बुधवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। बारासात से टीएमसी सांसद ने तृणमूल महिला विंग की अध्यक्ष और अन्य पदों से भी इस्तीफा दिया है। काकोली घोष दस्तीदार ने हाल में ही पार्टी नेतृत्व के प्रति सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त किया था। यह घटना बनर्जी द्वारा दस्तीदार को टीएमसी संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से हटाकर वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के बाद हुई। मंगलवार को इससे पहले, काकोली ने छह अन्य विधायकों के साथ कल्याणी में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की प्रशासनिक समीक्षा बैठक में भाग लिया। बारासात सांसद के अलावा, बैठक में टीएमसी के विधायक देगंगा से अनीसुर रहमान बिस्वास, स्वरूपनगर से बीना मंडल, हारोआ से मोहम्मद अब्दुल मतीन और बसीरहाट क्षेत्र के तीन अन्य विधायक भी उपस्थित थे। इससे पहले भाजपा के सांसद सौमित्र खान ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लगभग 50 विधायक और 20 सांसद पार्टी नेतृत्व से बेहद नाखुश हैं।

नई दिल्ली: डकैती के पैसे से खरीदी ज्वेलरी मास्टरमाइंड समेत चार नाबालिग शामिल

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 40 लाख रुपये की डकैती मामले में बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत छह आरोपितों को पकड़ने के साथ अपराध की कमाई से खरीदी गई ज्वेलरी और राजस्थान में खरीदे गए प्लॉट पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने अब तक 11.92 लाख रुपये नकद भी बरामद किए हैं। मामले में चार नाबालिग भी शामिल पाए गए हैं। उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बुधवार को बताया कि मामला केशवपुरम थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 436/2025 से जुड़ा है। 17 जुलाई 2025 को कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन के पास कारोबारी मनोज तवानिया से करीब 39.99 लाख रुपये की लूट हुई थी। वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश देशी कट्टा और चाकू से लैस थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर कई टीमें बनाई गईं।

असम में यूसीसी बिल पास होने पर गृह मंत्री शाह बोले

समान कानून के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित होने पर राज्य की जनता को बधाई दी। यह कानून विवाह, तलाक, अलगाव, उत्तराधिकार, संपत्ति के बंटवारे और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी ढांचा तैयार करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बुधवार को विधानसभा में यूसीसी विधेयक-2026 पारित करा लिया। इसके साथ ही असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा और पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया है। विपक्ष की ओर से विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग और हंगामे के बावजूद इसे सदन से मंजूरी मिल गई।

दिल्ली पुलिस के 'से हेल्प' ऐप ने बचाई महिला वकील पल्लवी नंदन की जान

नई दिल्ली। कभी-कभी कुछ मिनट की देरी जिंदगी और मौत के बीच का फासला तय कर देती है। सुप्रीम कोर्ट की एक महिला वकील के लिए दिल्ली पुलिस का 'से हेल्प' ऐप संकट की घड़ी में जीवनरक्षक साबित हुई। दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रहीं महिला वकील की तबीयत अचानक बिगड़ी तो उन्होंने किसी तरह ऐप के जरिए मदद मांगी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और समय रहते इलाज मिलने से उनकी जान बच गई। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बुधवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की महिला वकील पल्लवी नंदन दरियागंज इलाके में अपने पति के साथ रहती हैं। मंगलवार को वह घर पर अकेली थीं। उनके पति जरूरी दवाइयां लेने बाहर गए हुए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। बताया गया कि पल्लवी नंदन दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने अपने पति को भी फोन किया, लेकिन वह दरियागंज इलाके में बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के कारण लगे जाम में फंसे हुए थे। घटा मस्जिद के पास बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंतजाम के चलते यातायात प्रभावित था।

मप्र के रतलाम में मसीही सम्मेलन में हंगामा हिंदू संगठनों ने लगाए धर्मांतरण के आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर के होटल अजंता पैलेस में चल रहे मसीही आध्यात्मिक सम्मेलन 'जीवन दर्शन' में बुधवार दोपहर हंगामा हो गया। हिंदू संगठन बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर धर्मांतरण के आरोप लगाए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला और हॉल का गेट बंद कराकर स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार यूनाइटेड क्रिश्चियन काउंसिल रतलाम और रतलाम पास्टर्स फेलोशिप द्वारा द्वारा 26 और 27 मई को अजंता पैलेस में इस आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। हंगामे की सूचना पर सीएसपी अजय सारवान भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसी बीच बजरंग दल के पदाधिकारी सम्मेलन हॉल के बाहर परिसर में धरने पर बैठ गए और विरोध जताते हुए उन्होंने वहीं हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। तनाव को देखते हुए पुलिस ने हॉल के मुख्य गेट को अपने कब्जे में लेकर पहरा लगा दिया है। फिलहाल किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

प.दिल्ली : ई-स्कूटी से घर में लगी आग 13 साल के बच्चे की मौत, महिला झुलसी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके के विष्णु गार्डन में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। जबकि 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से झुलस गईं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग घर के ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी और घरेलू सामान में लगी थी। दिल्ली दमकल विभाग के अनुसार दमकल कंट्रोल रूम को रात करीब 2:43 बजे विष्णु गार्डन की गली नंबर-9 स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियों को भेजा गया। कुछ ही मिनटों बाद आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन भी मौके पर रवाना किए गए। दमकल अधिकारियों के अनुसार आग पर रात करीब 3:10 बजे काबू पा लिया गया। जबकि ऑपरेशन पूरी तरह रात 4:10 बजे खत्म हुआ। दमकल विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया कि आग ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी और घर में रखे घरेलू सामान में लगी थी।

झारखंड की दूसरी अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी अंपायर बनीं नीतू

नवीन मेल संवाददाता

रांची । रांची की रहने वाली नीतू कुमारी महतो ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर के रूप में क्वालीफाई कर झारखंड को एक और बड़ी उपलब्धि दिलाई है। नीतू अब झारखंड की दूसरी महिला अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर बन गई हैं। वह 29 मई से 6 जून तक जापान के काकामिगाहारा में आयोजित होने वाले अंडर-18 एशिया कप 2026 में अंपायरिंग करती नजर आएंगी। उनके चयन से राज्य के खेल जगत में खुशी का माहौल है।

नीतू का पूरा परिवार हॉकी से जुड़ा हुआ है। उनकी माता दुलारी टोपनो राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं और वर्तमान में हुलंडू में कोच के रूप में कार्यरत हैं। नीतू ने हॉकी की शुरुआती बारीकियां अपनी मां से ही सीखी थीं। दुलारी टोपनो की शिष्या खिली कुमारी भी इसी एशिया कप में भारतीय टीम की गोलकीपर के रूप में हिस्सा ले रही हैं। नीतू के परिवार में उनकी बहनें कंचन कुमारी और रानी कुमारी तथा भाई विजय महतो भी हॉकी खिलाड़ी हैं। उनके पिता कमल महतो हरदाग में होटल व्यवसाय से जुड़े हैं।

हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने नीतू की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और खिलाड़ियों को कोचिंग व ऑफिशिएटिंग जैसे क्षेत्रों से जोड़ना जरूरी है। महासचिव विजय शंकर सिंह ने कहा कि नीतू ने मेहनत और लगन के बल पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम किया है। वहीं उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने नीतू के साथ उनकी मां दुलारी टोपनो को भी बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि आज नीतू अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंची हैं। हॉकी रांची के अध्यक्ष माइकल लाल और सचिव जयंत केरकेट्टा ने भी नीतू की मेहनत, फिटनेस और शानदार अंपायरिंग की सराहना की। हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने नीतू कुमारी महतो को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आश्रिता लकड़ा झारखंड की पहली महिला अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर बनी थीं और वर्तमान में हॉकी झारखंड की कोषाध्यक्ष हैं।

पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी । बेंगलुरु

पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। बुधवार को बेंगलुरु में उन्होंने 74.82 मीटर का भाला फेंका। सुमित ने यह कारनामा 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की जैवलिन थ्रो F64 स्पर्धा में किया।उन्होंने पांचवें प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की।

एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो किया था : सुमित ने अपना ही पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने 2023 में चीन के हांगझोउ में हुए एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो किया था। इस बार उन्होंने अपने पिछले बेस्ट प्रदर्शन से 1.53 मीटर ज्यादा दूरी हासिल की। रिकॉर्ड बनाने के बाद सुमित ने कहा, सोच रहा था कि वर्ल्ड रिकॉर्ड क्यों नहीं तोड़ पा रहा हूं। काफी समय हो गया था, लेकिन आज मैं यहां सिर्फ अपना पर्सनल बेस्ट करने आया था।

उन्होंने आगे कहा, मुझे खुशी है कि मैंने अपना रिकॉर्ड 1.5 मीटर बेहतर किया। उम्मीद है कि मैं और मेरी टीम आने वाले पैरा एशियन गेम्स में भी इससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

7 बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ चुके

सुमित अब तक सात बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने जून 2019 में इटली में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स में 60.45 मीटर का भाला फेंककर पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने सिल्वर मेडल भी जीता था। इसके बाद नवंबर 2019 में दुबई में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 62.88 मीटर का थ्रो किया। मार्च 2021 में बेंगलुरु में हुई नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुमित ने 66.90 मीटर का थ्रो कर फिर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। अगस्त 2021 में टोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में सुमित ने एक ही मुकाबले में तीन बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 66.95 मीटर, 68.08 मीटर और आखिर में 68.55 मीटर का थ्रो किया। इसी प्रदर्शन के साथ उन्होंने गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद जुलाई 2023 में पेरिस में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुमित ने पहली बार 70 मीटर का आंकड़ा पार किया। उन्होंने 70.83 मीटर का थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

74.82 मीटर दूर भाला फेंका, दो बार पैरालंपिक में गोल्ड जीत चुके

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश नॉर्वे चेस के दूसरे दौर में हारे

एजेंसी । नई दिल्ली

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट मंगलवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मिलाजुला रहा। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा को राउंड-2 में मजबूत स्थिति में आने के बाद हार झेलनी पड़ी। जबकि, महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज की। राउंड-2 के बाद अलीरेजा फिरोजा 6 अंक के साथ ओपन कैटेगरी के टॉप पर हैं, जबकि गुकेश और वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 4.5 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। डी गुकेश ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में लंबे समय तक दबाव बनाए रखा। 116 चालों तक चले मुकाबले में वे जीत के करीब दिखे, लेकिन मुकाबला ड्रॉ हो गया। इसके बाद निर्णायक गेम में वेस्ली सो ने उन्हें हरा दिया। मैच के बाद वेस्ली सो ने कहा कि गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा।

दिव्या देशमुख ने हम्पी को मात दी

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने अनुभवी कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन में हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दिव्या ने कहा कि उन्हें नॉर्वे चेस के आर्मगेडन मुकाबले और कन्फेशन रूम का अनुभव काफी पसंद आ रहा है। कन्फेशन रूम में खिलाड़ी मैच के दौरान अपने विचार दर्शकों के साथ साझा करते हैं।

दूसरी ओर आर प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने हराया। शुरुआत में प्रज्ञानानंदा बेहतर स्थिति में थे, लेकिन फिरोजा ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन मैग्नस कार्लसन को भी जर्मनी के विंसेंट कीमर ने कड़ी टक्कर दी।

एशियाई खेलों में निशानेबाजी का पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले राजा रणधीर सिंह का 79 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में निधन

नवीन मेल संवाददाता

रांची । भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ प्रशासक, भारतीय ओलंपिक संघ के पूर्व महासचिव एवं ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष रहे राजा रणधीर सिंह के निधन पर खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई है। शोक संदेश में कहा गया कि भारतीय खेल जगत ने एक दूरदर्शी नेता, प्रख्यात खेल प्रशासक और ओलंपिक आंदोलन के मजबूत स्तंभ को खो दिया है। खेलों और खिलाड़ियों के विकास के प्रति उनका आजीवन समर्पण, उनकी दूरदृष्टि और खेल प्रशासन में दिए गए अमूल्य योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। संदेश में यह भी कहा गया कि राजा रणधीर सिंह ने अपने नेतृत्व, गरिमा और खेल समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनका निधन भारतीय और एशियाई खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

> *राजा रणधीर सिंह के निधन पर हार्दिक संवेदनाएं। वे केवल एक प्रशासक ही नहीं, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक थे जिन्होंने पीढ़ियों तक भारतीय खेल जगत को संवारा। ओलंपिक भावना के प्रति उनके जुनून ने अनेकों को प्रेरित किया। इस कठिन समय में उनके परिवार को भगवान शक्ति दे।। विनम्र श्रद्धांजली*
>
> ***हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह***

टीएफआई ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार एवं समस्त खेल समुदाय को इस कठिन समय में शक्ति और साहस प्रदान करने की प्रार्थना की है।

उनकी उपलब्धियां

- **ऐतिहासिक स्वर्ण:** राजा रणधीर सिंह ने 1978 के बैंकॉक एशियाई खेलों में ट्रैप इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। वह एशियाई खेलों की शूटिंग में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले खिलाड़ी थे। ओलंपिक सफर: उन्होंने लगातार 5 बार (1968 से 1984 तक) ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था.
- **प्रशासनिक पद:** वह 1987 से 2010 तक भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के महासचिव रहे। इसके साथ ही, वे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के सदस्य और एशियाई ओलंपिक परिषद (OCA) के अध्यक्ष भी रहे
- **सम्मान:** खेलों में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें 1979 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.
- भारतीय खेल जगत और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक बिरादरी ने उनके निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया

शूटआउट में भारतीय महिला टीम ने मारी बाजी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बराबरी पर फ्रेंडली सीरीज

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल करते हुए चार मुकाबलों की फ्रेंडली सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेहमान टीम ने आखिरी क्वार्टर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच को 1-1 से ड्रॉ कराया, जिसके बाद शूटआउट में मेजबान टीम को 4-2 से मात दी। मुकाबले के 10वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डाउन्स के गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन भारतीय टीम ने पेनाल्टी कॉर्नर के कई मौके बनाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। ऑस्ट्रेलिया का डिफेंस मजबूत नजर आ रहा था, लेकिन 46वें मिनट में शीला चानू पुखरमबम ने आखिरी क्वार्टर में गोल करके भारत को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में मेहमान टीम 4-2 से विजयी रही, जिसमें नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नू और ऋतुजा दादासो पिसाल ने गोल किए।

आईपीएल : सूर्यवंशी ने गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

आईपीएल में आज सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जा रहा है। हैदराबाद ने मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। राजस्थान ने 6 ओवर के बाद बिना किसी नुकसान के 80 रन बनाए हैं। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी क्रीज पर हैं। सूर्यवंशी ने क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जमाने का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गेल ने 2012 में 59 जमाए थे। सूर्यवंशी इस सीजन 61 छक्के जमा चुके हैं। सूर्यवंशी अपना अर्धशतक पूरा कर चुके हैं। इस मुकाबले को हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। वहीं, जीतने वाली टीम 29 मई को गुजरात टाइटंस से क्वालिफायर-2 मुकाबला खेलेगी।

सनथ जयसूर्या सहित एक साथ कई दिग्गजों को छोड़ा पीछे

वैभव सूर्यवंशी ने जिस तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी पारी का आगाज किया उसी के साथ उन्होंने अपने इरादों को जाहिर कर दिया था। इस मैच में पहले 6 ओवर्स का खेल जब खत्म हुआ तो उस समय तक वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से कुल 8 छक्के देखने को मिल चुके थे, जिसके साथ ही आईपीएल के इतिहास में एक पारी में पहले 6 ओवर्स में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी ने सनथ जयसूर्या सहित कई दिग्गजों को एक साथ पीछे छोड़ दिया था। वहीं वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अब एक पारी में 10 या उससे अधिक छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल के बराबर पहुंच गए हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 में किया मजबूत प्रदर्शन, ऑर्डर बुक एक अरब डॉलर के पार

एजेंसी । नई दिल्ली

एस्सार ग्रुप की टेक्नोलॉजी कंपनी और अग्रणी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस कंपनी ब्लैक बॉक्स लिमिटेड (बीएसईः 500463। एनएसईः बीबॉक्स) ने पूरे वित्त वर्ष 26 और मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए है। वित्तीय वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने प्रमुख वित्तीय और परिचालन मापदंडों में लगातार प्रगति दर्ज की, जिससे बेहतर मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और रणनीतिक सौदों में निरंतर प्रगति का समर्थन प्राप्त हुआ। बेहतर अवसरों की उपलब्धता, बेहतर व्यावसायिक मिश्रण और बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से भविष्य में निरंतर वृद्धि और विस्तार की मजबूत संभावनाएं बनती हैं। इस तिमाही और पूरे वर्ष के दौरान, ब्लैक बॉक्स ने प्रमुख ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना और जुड़ाव को गहरा करना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप सौदों में निरंतर गति और निष्पादन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। कंपनी के बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से इसकी बेहतर व्यावसायिक प्रगति और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को और बल मिलता है। एक स्थिर परिवर्तनकारी आधार और अधिक केंद्रित व्यावसायिक रणनीति के बल पर, ब्लैक बॉक्स अपने मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों, विशेष रूप से डेटा सेंटर, में बढ़ती लोकप्रियता हासिल कर रहा है, साथ ही परिचालन दक्षता में सुधार और मुनाफे को बढ़ा रहा है। प्रमुख क्षेत्रों और रणनीतिक बाजारों में मजबूत

वित्त वर्ष 2026 में मजबूत कारोबारी प्रदर्शन

- कंपनी ने प्रमुख वित्तीय और परिचालन मापदंडों में लगातार प्रगति दर्ज की
- बेहतर मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और रणनीतिक सौदों में वृद्धि देखने को मिली

प्रमुख ग्राहकों के साथ संबंध हुए मजबूत

- ब्लैक बॉक्स ने बड़े ग्राहकों के साथ जुड़ाव और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया
- इससे नए सौदों और बेहतर निष्पादन को गति मिली

ऑर्डर प्रवाह के चलते, ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में भी मजबूत व्यावसायिक गति बनाए रखी।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 का समापन लगभग 792 मिलियन डॉलर (लगभग 7,000 करोड़ रुपए) के ऑर्डर बैकलॉग के साथ किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक है। इससे राजस्व में मजबूत स्थिरता आई और वित्त वर्ष 2027 की ठोस शुरुआत के लिए व्यवसाय को तैयार किया। ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में प्रमुख वित्तीय मापदंडों में स्थिर वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में राजस्व 9 प्रतिशत बढ़कर 1,691 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 1,545 करोड़ रुपए था। वहीं, ईबीआईटीडीए 12 प्रतिशत बढ़कर 164 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 147 करोड़ रुपए था। परिचालन दक्षता और व्यावसायिक गुणवत्ता में सुधार को दर्शाते हुए, पीएटी 7 प्रतिशत बढ़कर 65 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 60 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान, ब्लैक बॉक्स को 377 मिलियन डॉलर (लगभग 3,331 करोड़ रुपए) के नए ऑर्डर मिले, जबकि वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में कुल ऑर्डर बुकिंग 626 मिलियन डॉलर (लगभग 553 करोड़ रुपए) थी। यह बढ़ती ग्राहक मांग और बेहतर सौदे रूपांतरण गति को दर्शाता है। इस तिमाही के दौरान मिले प्रमुख ऑर्डरों में एक प्रमुख अमेरिकी वैश्विक हाइपरस्केलर से 75 मिलियन डॉलर (लगभग 663 करोड़ रुपए) का डेटा सेंटर सेवा अनुबंध, 31 मिलियन डॉलर (लगभग 277 करोड़ रुपए) का एक अन्य अनुबंध और एक प्रमुख अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ 90 मिलियन डॉलर (लगभग 795 करोड़ रुपए) से अधिक का बहुवर्षीय रणनीतिक अनुबंध शामिल है।

मुंबई : भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

एजेंसी । मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में हल्के लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 141.90 अंक या 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,867.80 और निफ्टी 6.55 अंक या 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,907.15 पर था। लार्जकैप में बिकवाली देखी गई, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 259.95 अंक या 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,558.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.10 अंक या 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,294.30 पर था। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी एनर्जी 1.77 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.67 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.45 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.31 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.04 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 0.44 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.69 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.46 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.34 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

युवाओं के लिए खुशखबरी : बीएसएनएल ने जारी किया जेटीओ भर्ती नोटिफिकेशन, 4 जून से शुरू होंगे आवेदन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, बीएसएनएल ने सीधी भर्ती कोटा के तहत दूरसंचार क्षेत्र में जूनियर टेलीकॉम ऑफिसर (जेटीओ) के कुल 100 पदों पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। बीएसएनएल की ओर से जारी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 4 जून के सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 3 जुलाई के सुबह 10 बजे तक तय की गई है। ऐसे में जो उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, उन्हें बीएसएनएल की ऑफिशियल पोर्टल पर आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरा करने की सलाह दी जाती है। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से

एप्लीकेशन फॉर्म भरते समय कुछ गलती हो जाएगी, उनके लिए पत्र में त्रुटि को सुधार करने का विंडो आधिकारिक वेबसाइट पर 4 जुलाई के सुबह 10 बजे से 11 जुलाई के सुबह 10 बजे तक सक्रिय रहेगा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास केंद्र सरकार/राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो, कंप्यूटर, विद्युत, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), या इंस्ट्रूमेंटेशन विषयों में से किसी एक में इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष योग्यता या एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) या एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान) होना चाहिए। वहीं, निर्धारित विषयों में एमटेक की डिग्री प्राप्त कर चुके उम्मीदवार भी अप्लाई कर सकते हैं। आवेदकों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना आवेदन के अंतिम तिथि के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन कंप्यूटर आधारित बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकार की परीक्षा, चिकित्सा परीक्षण और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी 16,400 से 40,500 रुपए के बीच प्रति माह होगी। वहीं, कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) अगस्त में आयोजित होने की संभावना है। एप्लीकेशन फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो यूआर/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 2,000 रुपए और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों के लिए 1,000 रुपए तय किया गया है।

अदाणी समूह का मार्केटकैप करीब 20 लाख करोड़ हुआ, 2026 में जोड़े 5 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी । अहमदाबाद

अदाणी समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में तेज वृद्धि देखने को मिली है और इससे ग्रुप का कुल मार्केटकैप बढ़कर करीब 20 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों के विश्वास के कारण अदाणी समूह का बाजार मूल्यांकन इस वर्ष की शुरुआत से अब तक 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। समूह की कंपनियों में, इस वर्ष अदाणी पावर ने बाजार मूल्यांकन में सबसे अधिक योगदान दिया है। कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 4,79,167 करोड़ रुपए

है, जो इसे समूह की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाता है। इसने 2026 में अब तक अपने बाजार पूंजीकरण में 2,02,511 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 4,20,611 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज का मार्केट 3,82,634 करोड़ रुपए है।

बैंकिंग क्षेत्र 'विकसित भारत' विजन में निभाएगा अहम भूमिका : एसबीआई चेयरमैन

मुंबई। बैंकिंग सेक्टर पूंजी, उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाकर विकसित भारत विजन में अहम भूमिका निभाएगा। यह जानकारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन सीएस शेट्टी की ओर से बुधवार को दी गई। बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए सेट्टी ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र पूंजी जुटाने, बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग देने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और पूरे देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगा। सेट्टी ने कहा, "देश के सबसे बड़े बैंक के रूप में, हम इस भूमिका के साथ आने वाले अवसर और जिम्मेदारी दोनों को पहचानते हैं।

तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से हुसैनाबाद में तबाही, पेड़ गिरा, बिजली व्यवस्था चरमराई

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड-बिहार सीमा से सटे हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की शाम अचानक मौसम ने खतरनाक रूप ले लिया। तेज आंधी, गरज-चमक और मूसलाधार बारिश ने कई इलाकों में जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई जगह पेड़ उखड़ गए, बिजली के तार क्षतिग्रस्त हो गए और घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। प्रखंड के मलवरिया पंचायत अंतर्गत एकौनी गांव में धनंजय मेहता के घर के समीप वर्षों पुराना विशाल आम का पेड़ जड़ों समेत उखड़कर सड़क किनारे गिर पड़ा। पेड़ गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में कई पुराने और जर्जर पेड़ हैं, जो तेज हवा चलने पर कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से ऐसे खतरनाक पेड़ों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज आंधी के दौरान कई जगह बिजली के केबल टूटकर गिर गए थे। बिजली विभाग के कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद चार से पांच घंटे बाद क्षतिग्रस्त केबलों को जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल की। हालांकि लोगों ने बिजली मिस्त्रियों की कमी पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि पर्याप्त संख्या में कर्मी नहीं रहने के कारण बिजली बहाली में अधिक समय लग जाता है। वहीं मौसम विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों तक तेज हवा और बारिश की संभावना जताई गई है। इसे लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से आपदा जैसी स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी रखने तथा बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है।

तेज हवा के कारण दुकान का करकट उड़ा

मलवरिया गांव में तेज हवा के कारण एक दुकान का करकट उड़ गया, जिससे दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ा। कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां टूटकर बिजली तारों पर गिर गईं, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। बिजली गुल होते ही लोगों को भीषण गर्मी और उमस के बीच भारी परेशानी झेलनी पड़ी। आंधी और बारिश के कारण कुछ ग्रामीण सड़कों पर पेड़ और डालियां गिर जाने से आवागमन भी प्रभावित हुआ। बाद में ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से रास्ते में गिरे पेड़ और डालियों को हटाकर आवागमन बहाल कराया।

सांसद की पहल पर हैदरनगर चौक बाजार में शुरू हुआ प्याऊ केंद्र

हैदरनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की पहल एवं प्रेरणा से हैदरनगर चौक बाजार में बुधवार से पनशाला (प्याऊ केन्द्र) की शुरुआत की गई है। श्रीराम मंदिर के सामने जयसवाल फार्मा परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय जयसवाल ने उद्घाटन के बाद कहा कि इस व्यवस्था से भीषण गर्मी में लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र एवं राहगीरों के लिए शीतल पेयजल के साथ मिष्ठान की व्यवस्था लगातार जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सांसद के दिशा-निर्देश तक यह प्याऊ केन्द्र संचालित रहेगा। इसका लाभ ले रहे दूर-दराज से आए ग्रामीणों ने कहा कि माननीय सांसद की यह पहल सराहनीय ही नहीं बल्कि काफी पुण्य का कार्य है।

चैनपुर पुलिस ने पकड़ा अवैध मवेशी तस्कर, 18 मवेशी बरामद

- सूचना पर त्वरित छापेमारी आरोपी गिरफ्तार, शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात मिली सूचना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 18 अवैध मवेशियों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर मवेशियों को जप्त कर लिया। गिरफ्तार की पहचान महताब कुरैशी (28), पुत्र सलीम कुरैशी, मदरसा रोड, शाहपुर के रूप में हुई है। डीएसपी राजेश यादव ने बताया कि मंगलवार को लगभग 1:10 बजे सूचना मिली कि न्यू मुहल्ला से मवेशियों को कुर्बानी के उद्देश्य से ले जाया जा रहा है। चौनपुर थाना की गश्ती टीम मौके पर पहुंची और महताब को 18 मवेशियों के साथ पकड़ लिया। पुलिस ने मवेशियों को जप्त कर कांड संख्या 126/26 दिनांक 26.05.2026 के तहत मामला दर्ज किया और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने पक्षियों के संरक्षण का लिया संकल्प

बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराना हम सबका कर्तव्य : प्राचार्य

पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए सभी प्रजातियों के पक्षी एवं जीव-जंतुओं का अस्तित्व जरूरी : डॉ. आलोक कुमार रंजन

डॉ. आलोक कुमार रंजन ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए सभी प्रजातियों के पक्षी एवं जीव-जंतुओं का अस्तित्व जरूरी है। तभी प्रकृति में संतुलन कायम रह सकता है। प्रो. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में पशु-पक्षियों के साथ-साथ घरों में बुजुर्गों की देखभाल और संरक्षण करना भी जरूरी है।

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज जपला की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के संरक्षण एवं जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी रखकर उन्हें पेड़ों में लटकाया तथा पक्षियों के संरक्षण का संकल्प लिया। इसके साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम सुभग सिंह की अध्यक्षता में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना तथा छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों को इसके लिए प्रेरित करना था। प्राचार्य डॉ. राम सुभग सिंह ने कहा कि बेजुबान पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण पक्षियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। प्रो. सूर्य मणि सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पक्षियों की कई प्रजातियां विलुप्त होती जा रही हैं, जिसके लिए मानव स्वयं जिम्मेदार है। वहीं प्रो. मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ रही है, जिसके कारण पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। इसलिए जीव-जंतुओं और पक्षियों का संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी बन जाती है। प्रो. राहुल कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पक्षियों और जीव-जंतुओं के विलुप्त होने से पर्यावरण के साथ-साथ इकोलॉजी और इकोसिस्टम भी असंतुलित हो सकता है। इसलिए सभी को मिलकर बेजुबान जीव-जंतुओं एवं पक्षियों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राहुल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर अश्वनी कुमार सिंह, गौरव कुमार, उत्तम कुमार, कुंदन कुमार शर्मा, प्राजक्ता कुमारी, पल्लवी कुमारी, नंदनी कुमारी, मीनल कुमारी, शिखा सिंह सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रो. सुधीर कुमार सिंह, प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. सुदीप कुमार सिंह, प्रिंस कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह, अखिलेश कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी मौजूद थे।

बकरीद को लेकर लेस्लीगंज में निकला फ्लैग मार्च

नीलांबर-पीतांबरपुर। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीपीओ प्रशांत कुमार-2 ने किया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर मस्जिद चौक, कोटखास, गांधी चौक, ढेला चौक सहित विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए पुनः थाना परिसर पहुंचा। मार्च के दौरान पुलिस जवानों की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में सुरक्षा एवं विश्वास का माहौल बना रहा। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों से शांति एवं सौहार्द के साथ बकरीद पर्व मनाने की अपील की गई। लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने कहा कि पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जाएगी। वहीं एसडीपीओ प्रशांत कुमार-2 ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।

भीमबराज की बायीं नहर और 40 नंबर गेट से रिसाव, जलभंडारण क्षमता पर संकट

मोहम्मदगंज। स्थानीय भीमबराज में क्षमता अनुरूप जलभंडारण पर प्रश्नचिह्न लग गया है। क्योंकि इसकी बायीं नहर की ओर 40 नंबर गेट की मरम्मत नहीं हो पाने से अनावश्यक रूप से पानी की बर्बादी हो रही है। बताया जाता है कि बायीं नहर गेट की खराबी की जांच भी हो चुकी है, इसके बावजूद अब तक मरम्मत नहीं कराई जा सकी है। जिससे गर्मी के इस मौसम में भीमबराज की जलभंडारण क्षमता पर भारी असर पड़ा है। बताया जाता है कि बरसात में भीमबराज में जलभंडारण की क्षमता दो मीटर से अधिक हो सकती है, जबकि गर्मी में हाल की बारिश और इससे पूर्व तक 1.5 मीटर जलभंडारण संभव होता रहा है। मगर बायीं नहर और 40 नंबर गेट से जल रिसाव के कारण इसमें गिरावट आ गई है। बायीं नहर गेट से नीचे तक जलस्तर आने के बाद ही अनावश्यक जल प्रवाह बंद हो सका। वहीं बुधवार को कंट्रोल रूम ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को जोखिम उठाकर 40 नंबर गेट के रिसाव को खरपतवार से बंद करने की असफल कोशिश करते देखा गया। बताया गया कि इस गेट के रबर सील को बदले बिना रिसाव बंद करना संभव नहीं है, क्योंकि वह काफी समय से क्षतिग्रस्त है। लोगों का कहना है कि विभागीय लापरवाही की वजह से भीमबराज के इन गेटों से पानी की अनावश्यक बर्बादी हो रही है, जिससे जलभंडारण क्षमता प्रभावित हो रही है। इस वर्ष सुपर अल नीनो के प्रभाव से कम बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। ऐसे में लोगों ने इन गेटों की खराबी दूर कर भीमबराज में पर्याप्त जलसंचय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि खरीफ सीजन में सिंचाई की जरूरत पूरी होने के साथ ही भूजल स्तर भी कायम रह सके।

पेज एक के शेष

राज्य के सभी...

इसके तहत नशे के कारोबार की सूचना देने वाले लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य राज्य में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। इसके अलावा, दुमका हवाई अड्डे से नियमित उड़ान सेवा शुरू करने की दिशा में भी अहम फैसला लिया गया। कैबिनेट ने मौसम संबंधी सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भारत सरकार के मौसम विभाग के साथ एमओयू करने पर सहमति दी है। इससे राज्य में मौसम पूर्वानुमान और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। कैबिनेट में गंभीर रूप से बीमार दिव्यांग कलाकारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव ने बताया कि इस फैसले से राज्य के जरूरतमंद कलाकारों को राहत मिलेगी और उन्हें सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा।

कैबिनेट के अन्य फैसले...

- - सुशील कुमार, बर्खास्त सहायक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, लोहरदगा की सेवा को झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सेवा में पुनर्बहाल करने की स्वीकृति दी गई।
- - झारखंड भवन, वसंत विहार, नई दिल्ली और न्यू झारखंड भवन, बंगला साहिब रोड, नई दिल्ली के कमरों के आवास शुल्क में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- - झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश को दी जा रही अनुसेवक भत्ता और अनुसचिवीय सहायता की राशि में वृद्धि एवं अन्य सुविधाओं की स्वीकृति दी गई।
- - अनिल कुमार सिन्हा पूर्व प्रबंध निदेशक, गुमला-सिमडेगा केंद्रीय सहकारी बैंक लि., गुमला के विरुद्ध जारी दंडादेश विभागीय अधिसूचना को निरस्त करने और सिन्हा को दिए गए दंड सेवा से बर्खास्तगी को परिवर्तित कर उनके पेंशन से 50 प्रतिशत की राशि की कटौती करने की स्वीकृति दी गई।
- - लोक भवन/राज्यपाल सचिवालय झारखंड, रांची के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।
- - विद्या कुमारी, सहायक शिक्षिका, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, देवघर और मालती दास, सहायक शिक्षिका, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, दुमका की नियुक्ति की वैधता के विरुद्ध दायर याचिकाओं में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय से पारित आदेश पर उन्हें लाभ एवं पेंशन देने की स्वीकृति दी गई।
- - वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए बकरा-बकरी पालन योजना के लिए 30 करोड़ रुपए के नई योजना के संचालन की स्वीकृति दी गई।
- - झारखंड मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा के सूचीबद्ध माल पेट्रोल, डीजल और शराब के खुदरा बिक्रेताओं, जिनकी ओर से राज्य के अंदर से क्रय के क्रम में कर (वैट) को झारखंड मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम के प्रावधानुसार क्रमश: त्रैमासिक विवरणी एवं मासिक विवरण 213 दाखिल करने से मुक्त किए जाने पर स्वीकृति दी गई।
- - धर्मेंद्र कुमार सिंह और अन्य बनाम झारखंड उच्च न्यायालय एवं अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से पारित आदेश के अनुपालन में जिला न्यायाधीश स्तर के 05 छाया पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।
- - पंचम राज्य वित्त आयोग की ओर से समर्पित प्रथम प्रतिवेदन में 02 अरब 44 करोड 80 लाख 20 हजार रुपए झारखंड आकस्मिकता निधि (जेसीएफ) से अग्रिम के रूप में निकासी की स्वीकृति दी गई।
- - झारखंड सरकार की ओर से लोकहित में पुनर्वास/पुर्नस्थापन नीति के तहत विस्थापितों को आवंटित भू-भाग या नागरिकों की ओर से सार्वजनिक उपयोग के लिए दान की गई भूमि पर मुद्रांक और निबंधन शुल्क में छूट देने की स्वीकृति दी गई।
- - केंद्र प्रायोजित योजना पीएम सेतु प्रधानमंत्री स्कीलिंग एंड इंप्लॉयब्लिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई के संचालन की स्वीकृति दी गई।
- - गिरिडीह जिलांतर्गत बगोदर-सरिया अनुमंडल में गठित अनुमंडलीय न्यायालय की स्थापना में अधीनस्थ कर्मचारियों और पदाधिकारियों के 20 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।
- - पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर अनुमंडल में गठित अनुमंडलीय न्यायालय की स्थापना में अधीनस्थ कर्मचारियों और पदाधिकारियों के 41 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।
- - झारखंड राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक- 2026 के अनुमोदन की स्वीकृति दी गई।
- - केंद्र प्रायोजित योजना एवं केंद्रीय सेक्टर योजना के अंतर्गत पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन स्किम (पीएम-अभीम) योजना को झारखंड में संचालित किए जाने के अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई।
- - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कार्यकाल का विस्तार और एमओयू जारी रखने की स्वीकृति दी गई।

योजनाओं का लाभ...

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि एसएचजी से जुड़ी माताओं बहनों को आगे बढ़ने के लिए कुछ व्यापक सहयोग किए जाएं, ताकि महिलाएं कुछ नया और बेहतर करें, जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएचजी के उत्पाद की मैपिंग कर जेएसएलपीएस अंतर्गत कार्यरत डीपीएम और बीपीएम को बाजार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपे। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि जेएसएलपीएस के अंतर्गत 5 हजार नए सखी मंडल के गठन किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। 60 हजार परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य की समस्त सखी मंडलों के विकास के लिए बैंक से 5 हजार करोड़ रुपए ऋण उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य है। विभाग द्वारा ढाई लाख नए महिलाओं को आजीविका के विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि पूरे राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बाजार मिले, यह सुनिश्चित करें। दूसरे राज्यों के महत्वपूर्ण स्थानों पर भी 'पलाश मार्ट' जैसे विक्री केंद्र स्थापित हों, इस संबंध में कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मुख्य पर्यटन स्थलों में भी 'पलाश मार्ट' अथवा उसी अनुरूप अन्य विक्री केंद्र को स्थान मिले, इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर योजना को गति दें। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि कांके रोड, रांची में बनाए जा रहे नवनिर्मित पलाश मार्ट भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इस वर्ष और 6 'पलाश मार्ट' बनाए जाने का लक्ष्य है तथा आने वाले वर्षों में सभी जिलों में पलाश मार्ट भवन बनाए जाने की भी योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे प्रदेश के लिए पशुधन योजना बहुत ही प्रभावी योजना है, इस योजना को गति देते हुए ग्रामीण लोगों को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य करें। मुख्यमंत्री सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में जूट प्रॉसेसिंग से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए रॉ-मैटेरियल की क्या स्थिति है, इसमें सुधार एवं मार्केटिंग की कितनी संभावनाएं हैं, इस पर विशेष कार्य योजना बनाते हुए कार्य को गति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हनी (मधु) उत्पादन क्षेत्र में भी यहां असीम संभावनाएं हैं, इस पर बेहतर कार्य किया जा सकता है। विभाग वैसे क्षेत्रों को चिह्नित करे, जहां हनी का ज्यादा उत्पादन होता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी महिलाओं, दिव्यांग महिलाओं, वृद्ध महिलाओं तथा विधवा महिलाओं को भी सेल्फ हेल्फ ग्रुप से जोड़ें। विभाग एसएचजी की महिलाओं को नवाचार एवं आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दे। कलस्टर स्तर पर सेल्फ हेल्फ ग्रुप की निरंतर बैठकें हों तथा बैठक में लिए गए निर्णयों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो इसकी रूपरेखा तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को बैंक से लिंकेज कराएं। प्रखंड स्तर पर स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दीदी कैफे का संचालन हो, इसके लिए कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लिफ्ट इरीगेशन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतों में बैठक कर वाटर मैनेजमेंट सिस्टम के बेहतर कार्यान्वयन के लिए ग्रामीणों को जोड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जल संचयन बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। जब हम जल संचय पर बेहतर कार्य करेंगे, तभी लिफ्ट इरिगेशन की परियोजनाएं सफल होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जल संचयन से संबंधित जितनी भी योजनाएं हैं, उन योजनाओं को गति दें। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य कार्यक्रम, बिरसा विशिष्ट जनजातीय विकास योजना, युवा कौशल योजना, वाटरशेड योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर योजनाओं के संचालन में गति प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार, मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय कुमार वर्णवाल, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) अनन्य मित्तल सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

पंचायत स्तर पर....

रखने हेतु लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्लास्टिक को भी सेग्रीगेट (पृथक्करण) करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिवालय प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने तथा पंचायत भवनों में शुद्ध पेयजल, शौचालय, स्वच्छता एवं लाइट जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजनों को पंचायत सचिवालय से मिलने वाली सभी सेवाओं का लाभ ससमय मिले। उन्हें अनावश्यक परेशानी नहीं उठाना पड़े। उन्होंने पंचायत में डिजिटल सेवाओं के विस्तार एवं योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने पर बल दिया, ताकि ग्रामीण व्यक्तियों को लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा विकास कार्यों में पंचायत स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों के गुणवत्ता पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क से विकास को गति मिलेगी। इससे गांवों की आर्थिक गतिविधियां भी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने झारखंड मंत्रालय से ऑनलाइन माध्यम से बरहेट के पंचायत सचिवालय में चल रहे कार्यों एवं सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही, पंचायत सचिवालय में उपस्थित महिला लाभुक से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। बैठक के प्रारंभ में विभागीय सचिव ने विभिन्न भवनों परिसंपत्तियों का निर्माण, मरम्मत एवं नवीनीकरण संबंधी जानकारी से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार, निदेशक पंचायती राज राजेश्वरी बी. एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रांची सहित 20...

इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से 'येलो अलर्ट' भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिला। पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में सबसे अधिक 16 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा, अमरापारा, महेशपुर, महगांव, बोआरिजोर, पथरगामा और मझगांव समेत कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। बुधवार को राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान मेदिनीनगर (डालटनगंज) में 43.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान गोड्डा में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 37.0 डिग्री और न्यूनतम 25.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम 43.8 डिग्री और न्यूनतम 27.0 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री और न्यूनतम 29.0 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और न्यूनतम 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। वज्रपात की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। किसानों को भी मौसम को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

हजारीबाग में महुआ...

टैंक में उतरा, लेकिन वह भी गैस की चपेट में आकर गिर पड़ा। इसके बाद रवि के चाचा मदन साव ने हिम्मत जुटाकर दोनों को बचाने की कोशिश की। वे भी उसी जहरीली गैस के शिकार हो गए। टैंक के भीतर मौजूद गैस इतनी खतरनाक थी कि तीनों में से कोई भी बाहर नहीं निकल सका और मौके पर ही दम तोड़ दिया। इधर, घर के अन्य सदस्य बेसहारा होकर यह मंजर देखते रह गए। अपनी पत्नी, बेटे और भाई को तड़पता देख आनंद साव ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे भी गैस से प्रभावित होकर गंभीर रूप से बीमार हो गए। उन्हें तत्काल शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में अवैध महुआ शराब निर्माण को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

'जनगणना में 'कुरमालि...

प्रतिनिधिमंडल ने आगामी जनगणना में कुड़मि जनजाति और उनकी मातृभाषा 'कुड़मालि' के वर्गीकरण को लेकर जानकारी मांगी। बैठक में गृह मंत्रालय के भाषा जनगणना विभाग के रजिस्ट्रार जनरल बीपी महानंदा ने बताया कि आगामी जनगणना 2026-27 में भी कुड़मालि भाषा को पहले की तरह 'कुरमालि थार' नाम से मातृभाषा के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें सौंपे ज्ञापन में आग्रह किया कि 'कुरमालि थार' के साथ ब्रैकेट में 'कुड़मालि' भी जोड़ा जाए, ताकि समाज में किसी प्रकार का भ्रम न रहे। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मुद्दा उठाया कि वर्ष 2011 और उससे पूर्व की जनगणनाओं में उचित कोड और स्पष्ट जानकारी के अभाव में कई लोगों ने भाषा और जाति के कॉलम में अलग-अलग नाम दर्ज किए, जिसके कारण कुड़मालि भाषियों का वास्तविक आंकड़ा सही रूप में सामने नहीं आ सका। अमित महतो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यदि केंद्र और संबंधित राज्य सरकारें कुड़मालि भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू नहीं करती हैं, तो झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम में बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। महतो ने कहा कि आगामी दिनों में रांची, कोलकाता, भुवनेश्वर, दिल्ली और असम में क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन कर समाज के लोगों को जनगणना में भाषा और जाति सही तरीके से दर्ज कराने को लेकर जागरूक किया जाएगा। साथ ही, समाज के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे, ताकि इस बार कुड़मालि भाषियों का सही आंकड़ा दर्ज हो सके।

कुड़मालि भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने पर भी हुई चर्चा : बैठक में संविधान की आठवीं अनुसूची में कुड़मालि भाषा को शामिल करने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुड़मालि भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में अभी तक किसी अंतिम तिथि या औपचारिक घोषणा की पुष्टि नहीं की गई है।

भारत के श्रेष्ठ आमों के आयात पर जापान ने लगाई अस्थायी रोक

आमों के कीटनाशक और कीट प्रबंधन में कमी से निर्यात रुका

- अत्याधुनिक तकनीक और निर्यात में मेक्सिको थाईलैंड, पेरू व ब्राजील आगे

ब्यूरो

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े आम उत्पादक देश भारत के लिए एक्सपोर्ट मार्केट से एक बेहद चिंताजनक खबर आई है। अपनी बेहतरीन मिठास और खुशबू के लिए दुनिया भर में मशहूर भारतीय प्रीमियम आमों (अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनापल्ली) के आयात पर जापान ने अस्थायी रोक लगा दी है। यह फैसला भारतीय आमों की गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन में बरती गई लापरवाही के बाद लिया गया है।

इस झटके के बीच, भारतीय निर्यातकों की नजरें अब उन 5 बड़े देशों पर टिकी हैं जो भारतीय आम के सबसे बड़े मुरीद हैं।जापान के प्लांट क्वारंटाइन अधिकारियों ने हाल ही में भारत के वेपर हीट ट्रीटमेंट सेंटर्स का निरीक्षण किया था। इस जांच में परिचालन मानकों और पेस्ट कंट्रोल (कीटनाशक व कीट प्रबंधन) में कई गंभीर कमियां पाई गईं। योकोहामा प्लांट प्रोटेक्शन एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि जब तक भारतीय ट्रीटमेंट सेंटर्स जापानी सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते, तब तक यह पाबंदी जारी रहेगी।जापान के झटके के बावजूद, दुनिया के कई देशों में भारतीय आमों की भारी मांग है।

भारत के मीठे आमों की अभी भी है वैश्विक मांग

भारत से सबसे ज्यादा आम खरीदने वाले शीर्ष 5 देश

1. **संयुक्त अरब अमीरात:** यह भारतीय आमों का सबसे बड़ा खरीदार है। वहां रह रहे लाखों भारतीय प्रवासियों के कारण अल्फांसो और केसर की यहाँ रिकॉर्ड मांग रहती है।
2. **यूनाइटेड किंगडम:** यूरोपीय देशों में यूके भारतीय आमों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जहाँ प्रीमियम क्वालिटी के आम भेजे जाते हैं।
3. **अमेरिका:** अमेरिकी बाजार में कड़े मानकों के बावजूद भारतीय आम अपनी जगह बनाए हुए हैं, हालांकि यहाँ विकिरण प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य होता है।
4. **नेपाल:** भौगोलिक निकटता के कारण नेपाल कम समय में और कम लागत पर भारी मात्रा में ताजे भारतीय आमों का आयात करता है।
5. **मिडिल ईस्ट (ओमान, कतर, बहरीन):** खाड़ी देशों में भी भारतीय आमों का बड़ा बाजार है, लेकिन मौजूदा समय में भू-राजनीतिक तनाव और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के कारण इस रूट पर आंशिक असर देखा जा रहा है।

मानकों में लापरवाही क्यों?

भारत में निर्यात मानकों (जैसे फाइटोसेनेटरी सर्टिफिकेट और हॉट वॉटर/वेपर हीट ट्रीटमेंट) के पालन में ढिलाई की मुख्य वजह बुनियादी ढांचे की कमी और उच्च लागत है। भारत के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के आधुनिक ट्रीटमेंट प्लांट्स और कोल्ड चेन स्टोरेज की भारी किल्लत है। इसके अलावा, छोटे किसान और स्थानीय निर्यातक कड़े वैश्विक नियमों से पूरी तरह जागरूक नहीं हैं या फिर ट्रीटमेंट के खर्च से बचने के लिए शॉर्टकट अपनाते हैं। अमीर और विकसित देशों (जैसे अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान) को आम निर्यात करने के मामले में मेक्सिको, थाईलैंड, पेरू व ब्राजील भारत से कहीं आगे हैं।वैश्विक आम व्यापार में भारत की हिस्सेदारी उत्पादन के मुकाबले बेहद कम (लगभग 4-5%) है, जबकि मेक्सिको दुनिया का सबसे बड़ा आम निर्यातक देश है। इसका कारण यह है कि मेक्सिको और थाईलैंड जैसे देश कड़े अमेरिकी और जापानी मानकों (जैसे कीटनाशक अवशेषों की सीमा और हॉट वॉटर ट्रीटमेंट) का 100% पालन करते हैं और उनका लॉजिस्टिक्स नेटवर्क भारत से कहीं ज्यादा आधुनिक है।ऐसे में यदि भारत को वैश्विक बाजार में नंबर वन बनना है, तो केवल उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं होगा, बल्कि 'जीरो डिफेक्ट' की नीति अपनानी होगी।

"तीन दिन तक कोशिश की..."

डिजीलॉकर व सर्वर क्रैश से हजारों नेट अभ्यर्थियों का भविष्य संकट में

पत्र लिखकर पोर्टल को दोबारा खोलने की गुहार लगाई

ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यापक बनने और शोध (जेआरएफ) की राह चुनने वाले हजारों मेधावी छात्रों का भविष्य इस समय अधर में लटका नजर आ रहा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाने वाली यूजीटी-नेट जून 2026 परीक्षा के आवेदन की समय सीमा बढ़ाने के बावजूद, 'डिजिटल डिवाइड' और तकनीकी खामियों के कारण सैकड़ों योग्य उम्मीदवार पंजीकरण प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर हो गए हैं।23 मई की अंतिम तिथि बीत जाने के बाद अब दिल्ली विश्वविद्यालय समेत देश के विभिन्न राज्यों के छात्रों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को पत्र लिखकर पोर्टल को दोबारा खोलने की गुहार लगाई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस बार सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए डिजीलॉकर सत्यापन को अनिवार्य किया था, लेकिन यही प्रक्रिया ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए मुसीबत बन गई। ओडिशा के कालाहांडी जैसे सुदूर क्षेत्र के एक दर्शनशास्त्र के छात्र ने यूजीसी को लिखे पत्र में अपनी पीड़ा व्यक्त की है। छात्र के अनुसार, भौगोलिक विषमताओं और इंटरनेट की धीमी गति के कारण 'डिजीलॉकर वेरिफिकेशन' में भारी देरी हुई, जिससे उनका फॉर्म समय पर सबमिट नहीं हो सका। छात्र ने लिखा, "केवल प्रक्रियात्मक और तकनीकी कारणों से इस बड़े अवसर को खोना किसी त्रासदी से कम नहीं है।"

तीन दिन तक लगातार क्रैश रहा पोर्टल- समस्या सिर्फ सत्यापन तक सीमित नहीं थी। दिल्ली और अन्य बड़े शहरों में बैठे छात्रों ने भी शिकायत की है कि अंतिम तीन दिनों (21 से 23 मई) के दौरान एनटीए का मुख्य सर्वर पूरी तरह ठप पड़ा था। विभिन्न ब्राउज़रों और हाई-स्पीड इंटरनेट का उपयोग करने के बावजूद वेबसाइट या तो लोड नहीं हो रही थी या अंतिम भुगतान (पेमेंट गेटवे) के चरण पर जाकर एरर दिखा रही थी।

दांव पर करोड़ों का जेआरएफ बजट व करियर-

महत्वपूर्ण तिथियां: संशोधित कार्यक्रम के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 23 मई थी, जबकि फॉर्म सुधार की अवधि 25 से 27 मई निर्धारित की गई है। परीक्षा 22 से 30 जून के बीच कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड में होनी है।

असर: हर साल इस परीक्षा में करीब 9 से 11 लाख अभ्यर्थी बैठते हैं। इस बार तकनीकी गड़बड़ी के कारण आवेदन दर में गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे सीधे तौर पर देश का रिसर्च इकोसिस्टम प्रभावित होगा।

अब जब 25 मई से सुधार विंडो खुला , छात्र असमंजस में हैं कि जो प्रारंभिक पंजीकरण ही नहीं कर पाए, वे सुधार कैसे करें? छात्रों और छात्र संगठनों ने शिक्षा मंत्रालय से मांग की है कि वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए कम से कम 48 घंटे के लिए पंजीकरण पोर्टल को दोबारा लाइव किया जाए।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप 'पैरीमैच' पर ईडी का शिकंजा

अब तक 112 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज

एजेंसी । मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई जोनल ऑफिस ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत साइप्रस स्थित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म 'पैरीमैच' के मामले में चल रही जांच के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात, दमन और उत्तर प्रदेश में 17 जगहों पर तलाशी अभियान चलाए। तलाशी के दौरान ईडी द्वारा लगभग 1.56 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की गई, जिसमें लगभग 1.2 करोड़ रुपए की नकदी भी शामिल है। इसके अलावा, विभिन्न बैंक खातों में जमा लगभग 3.8 करोड़ रुपए की राशि को फ्रीज कर दिया गया है। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

ईडी ने मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन में पैरीमैच के खिलाफ दर्ज एआआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि पैरीमैच ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के जरिए यूजर्स को धोखा दिया जा रहा था। जांच से अब तक मिली जानकारी के अनुसार, उन्होंने निवेशकों को ऊंचे रिटर्न का लालच देकर ठगा और एक साल में 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की।

अब तक की जांच से पता चला है कि पैरीमैच और उसके सहयोगियों ने यूजर्स के पैसे इकट्ठा करने, उन्हें घुमाने और ट्रांसफर करने के लिए 'म्यूल अकाउंट्स', पेमेंट बिचौलियों और वित्तीय समावेशन चैनलों का एक जटिल नेटवर्क अपनाया था। कुछ मामलों में, यूजर्स द्वारा पैसे निकालने की प्रक्रिया बिना किसी सीधे बाहरी भुगतान के पूरी की गई यानी, प्लेटफॉर्म द्वारा नियंत्रित खातों से कोई सीधा भुगतान नहीं किया गया। इसके बजाय, अन्य यूजर्स द्वारा जमा की गई राशि को सीधे पैसे निकालने वाले यूजर के बैंक खाते या यूपीआई-आईडी में कई किस्तों में भेजा गया। ऐसा करके, उन्होंने पैसे के असली रास्ते को छिपाया और सीधे भुगतान के जुड़ाव से बचने की कोशिश की।

ग्रामीण भारत में जल शासन

'सहभागी जल बजटिंग के जरिए समुदायों का सशक्तीकरण'

एजेंसी । नई दिल्ली

बढ़ती मांग, असमान वितरण और जलवायु की भिन्नता की वजह से ग्रामीण भारत में जल शासन में सुधार ज्यादा महत्वपूर्ण होता जा रहा है। भारत हर बूंद का हिसाब रख कर जल सुरक्षा, जलवायु अनुकूलता और संवहनीय भविष्य का निर्माण कर सकता है। जल बजटिंग समुदायों को उपलब्धता और मांग का आकलन करने में समर्थ बनाती है। इससे उन्हें कृषि, घरेलू जरूरतों और मवेशियों के लिए जल के इस्तेमाल के बारे में जानकारी के आधार पर फैसला करने में सहायता मिलती है। अटल भूजल योजना और राष्ट्रीय जल मिशन जैसे केंद्र सरकार के कार्यक्रम तथा राजस्थान और महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्य सरकारों की पहलकदमियां सहभागिता की रणनीति की प्रभावशीलता को रेखांकित करती हैं। प्रौद्योगिकी स्थानीय स्तर पर 'वरुणी वेब ऐप्लिकेशन' जैसे साधनों के इस्तेमाल से डाटा आधारित योजना निर्माण में सहायता के जरिए इन प्रयासों को मजबूती देती है। योजना निर्माण में जल बजटिंग को शामिल किए जाने, सामुदायिक भागीदारी और नीतिगत समर्थन से पानी के संवहनीय उपयोग को बढ़ावा मिलता है।

भारत में जल संसाधन कार्यप्रणाली: मांग प्रबंधन और नीतिगत कदमों का एकीकरण

जल पर्यावरणीय संवहनीयता और मानव कल्याण का एक मौलिक आधार है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की गति बरकरार रखने के लिए जल संसाधनों की उपलब्धता, वितरण और प्रबंधन महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के ''अंतरिक्ष आदानों के उपयोग से भारत में पानी की उपलब्धता का पुर्नआकलन, 2019'' शीर्षक अध्ययन के अनुसार देश में औसतन सालाना लगभग 3880 अरब घन मीटर वर्षा होती है। अगर वाष्पण और अन्य प्राकृतिक कारणों से नुकसान को निकाल दें तो देश में औसत सालाना जल उपलब्धता 1999.20 अरब घन मीटर रहने का अनुमान है।

देश में जल की औसत सालाना उपलब्धता काफी हद तक जल-मौसम वैज्ञानिक और भूवैज्ञानिक कारकों पर निर्भर करती है। लेकिन पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता आबादी के आकार से भी निर्धारित होती है। आबादी में लगातार वृद्धि के साथ ही पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता घट रही है। इसके परिणामस्वरूप जल संसाधनों पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

विश्व की 17.5 प्रतिशत जनसंख्या और 11.6 प्रतिशत मवेशी संख्या भारत में है। इससे देश जल संसाधनों पर दबाव काफी बढ़ जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 80 से 90 प्रतिशत जल का उपयोग कृषि में किया जाता है।

बकरीद को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के नियम नए नहीं, पहले से हैं ये कानून : शफीक कासमी

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता की नखोदा मस्जिद के इमाम शफीक कासमी ने बकरीद को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के नए नियमों और व्यवस्थाओं पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि लोगों को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जो नियम लागू किए गए हैं, वे नए नहीं बल्कि पुराने कानूनों को ही सख्ती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि मुस्लिम समाज त्योहार को पूरी शांति और भाईचारे के साथ मनाएगा। इमाम शफीक कासमी ने कहा, "कानून कोई नया नहीं है। कानून पहले से मौजूद था। अब नई सरकार आने के बाद उसे ठीक तरीके से लागू किया जा रहा है। इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अगर किसी जगह पर अनुमति नहीं मिलेगी, तो उसके विकल्प मौजूद हैं। हम कहीं और जाकर अपनी कुर्बानी और इबादत अच्छे से कर लेंगे। हम खस्सी-बकरी की कुर्बानी दे सकते हैं।"

उन्होंने रेड रोड पर बकरीद की नमाज को लेकर उठे विवाद पर कहा कि ऐसा नहीं है कि अनुमति पूरी तरह रद्द कर दी गई है, बल्कि जगह बदली गई है। उनके मुताबिक, "रेड रोड की जगह अब ब्रिगेड मैदान दिया गया है, जो काफी बड़ा मैदान है। इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है। लोग आराम से वहां नमाज पढ़ सकते हैं और अपना त्योहार मना सकते हैं। इमाम ने लोगों से अपील की कि बकरीद को लेकर किसी तरह का तनाव न लें और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि लोग नमाज पढ़ें, एक-दूसरे को गले लगाएं और मुबारकबाद दें।

इस दौरान उन्होंने कहा, "मवेशियों की कुर्बानी तो सिर्फ एक प्रतीक है, असली कुर्बानी यह है कि इंसान दूसरों के लिए अपने स्वार्थ छोड़ दे। अगर ट्रेन या बस में किसी बुजुर्ग, महिला या कमजोर व्यक्ति को सीट दे दी जाए तो वह भी एक तरह की कुर्बानी है। दूसरों की मदद करना, किसी को तकलीफ न पहुंचाना भी कुर्बानी का हिस्सा है।